नई दिल्ली। गुरुवार, 03 सितम्बर, 2026
भाद्रपद कृष्ण पक्ष पंचमी सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 12, अंक : 238/ मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
सिर्फ पत्रकारिता...
नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari

@ खेल दलीप ट्रॉफी: कप्तान तिलक वर्मा का दमदार प्रदर्शन... @ विचार अश्लीलता बनाम तात्कालिक सनसनी!... @ व्यापार सेंसेक्स 374 अंक फिसला...

नेपाल आपदा: अब तक 166 भारतीयों को बचाया गया

कैलाश मानसरोवर यात्रा पर गए 410 भारतीय चीन से लौटे

एजेंसी ■ नई दिल्ली

नेपाल में विनाशकारी बाढ़ के बाद भारत का राहत और बचाव अभियान लगातार जारी है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, अब तक 166 भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकाला जा चुका है, जिनमें बुधवार को बचाए गए तीन लोग भी शामिल हैं। वहीं, कैलाश मानसरोवर यात्रा और अन्य गतिविधियों के लिए तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र गए 410 भारतीय नागरिक बुधवार को चीन से रवाना हो गए।

भारत ने बुधवार को राहत सामग्री की पांचवीं खेप नेपाल भेजी। भारतीय वायुसेना का एक विमान काठमांडू पहुंचा, जिसमें करीब 5.5 टन चिकित्सा सामग्री भेजी गई। इसमें एंटीबायोटिक्स, दर्द निवारक दवाएं, सर्जिकल उपकरण और अन्य आवश्यक दवाएं शामिल हैं।

इसके साथ ही विमान में 11 सदस्यीय विशेष बचाव दल और छह टन से अधिक आधुनिक रेस्क्यू उपकरण भी भेजे गए। भारत अब तक नेपाल को लगभग 74 टन राहत सामग्री उपलब्ध करा चुका है।

विदेश मंत्रालय ने बताया कि भारत के राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने राहत सामग्री नेपाल सरकार को सौंपी। यह सहायता 26 अगस्त को तिब्बत में ग्लेशियर ध्वस्त होने के बाद आई भीषण फ्लैश फ्लड से प्रभावित इलाकों में राहत कार्यों के लिए दी गई है।

भारतीय सुरंग बचाव दल ने अपना बेस त्रिशूली से स्याब्रुबेसी स्थानांतरित कर दिया है, जिससे चिलीमे सुरंग तक पहुंचने में कम समय लगेगा। नेपाली सेना के साथ संयुक्त अभियान के दौरान दल ने कीचड़ और मलबे से भरी सुरंग में लगभग 100 मीटर आगे तक पहुंचने में सफलता हासिल की।

एमईए ने बताया कि भारी मशीनरी पहुंचाने के लिए सुरंग तक अस्थायी सड़क बनाने की संभावना भी तलाश की जा रही है। बुधवार को भारत से पहुंचे 11 विशेषज्ञ त्रिशूली बाजार के पास पहुंच चुके हैं और गुरुवार से नेपाली सेना के साथ अभियान में शामिल होंगे। भारतीय फॉरेंसिक टीम काठमांडू की दो प्रयोगशालाओं में नेपाली विशेषज्ञों के साथ मिलकर डीएनए नमूनों की जांच और पहचान का काम कर रही है।

नेपाल की राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार, बुधवार सुबह तक बाढ़ में बहकर गए 1,114 लोगों के शव बरामद किए जा चुके हैं, जबकि 3,916 लोग अब भी लापता हैं।

नेपाल के प्रधानमंत्री बलेंद्र शाह ने संसद में कहा कि हिमालयी क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन से बढ़ते खतरों पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय को गंभीरता से ध्यान देना होगा। उन्होंने कहा कि यह आपदा नेपाल के भविष्य और जलवायु संकट को लेकर कई बड़े सवाल खड़े करती है।

विश्व केसरी खबर झरोखा

महिला चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी भारत स्थानांतरित

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) ने बुधवार को महिला चैंपियंस ट्रॉफी को श्रीलंका से भारत स्थानांतरित कर दिया। छह टीमों वाला यह टूर्नामेंट 14 से 28 फरवरी तक मुंबई और वडोदरा में खेला जाएगा।

श्रीलंका को मेजबानी से हटा दिया गया है क्योंकि देश में क्रिकेट प्रशासन से जुड़े मुद्दों से खेल प्रभावित हो रहा है।

आईसीसी बोर्ड ने बुधवार को भारत को टूर्नामेंट का नया मेजबान बनाने को मंजूरी दे दी।

ईरान-अमेरिका में फिर जंग का खतरा

तेहरान/वाशिंगटन। ईरान और उसके अरब पड़ोसी बुधवार को एक बार फिर युद्ध की आशंका से सहमे नजर आए। जुलाई के बाद ईरान और अमेरिका के बीच सबसे बड़े सैन्य टकराव ने पूरे खाड़ी क्षेत्र में तनाव बढ़ा दिया है। अमेरिकी बलों ने ईरान के दक्षिणी तट पर हमले किए, जबकि तेहरान ने क्षेत्रभर में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर जवाबी हमले किए।

स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि अमेरिका ने ईरान के खिलाफ और भी विनाशकारी हमले करने की चेतावनी दी है। दूसरी ओर, ईरान ने अमेरिका पर एक शादी समारोह को निशाना बनाने का आरोप लगाया है। तेहरान के मुताबिक, इस हमले में चार लोगों की मौत हुई और दर्जनों लोग घायल हुए।

बढ़ते सैन्य तनाव का सीधा असर वैश्विक ऊर्जा बाजार पर भी दिखाई दिया। क्षेत्र से तेल आपूर्ति बाधित होने की आशंका के चलते कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आई।

भारत और इथियोपिया ने रक्षा सहयोग मजबूत करने के तरीकों पर की चर्चा

नई दिल्ली। भारत और इथियोपिया ने बुधवार को रक्षा सहयोग को और मजबूत बनाने के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। दोनों देशों के बीच रक्षा प्रशिक्षण, रक्षा उद्योग में सहयोग और संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना अभियानों सहित उभरते क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर विचार-विमर्श हुआ। यह बैठक नई दिल्ली में इथियोपिया दूतावास के प्रभारी (चार्ज डी'अफेयर्स) नेबियू टेडला और रक्षा मंत्रालय में संयुक्त सचिव अमिताभ प्रसाद के बीच हुई।

रक्षा मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि दोनों पक्षों ने भारत-इथियोपिया रक्षा सहयोग को और मजबूत करने के लिए प्रशिक्षण, रक्षा उद्योग सहयोग और संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना अभियानों सहित नए और उभरते क्षेत्रों में साझेदारी बढ़ाने के अवसरों पर चर्चा की।

इससे पहले जून में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इथियोपिया के प्रधानमंत्री अबी अहमद अली और उनकी प्रॉस्पेरिटी पार्टी को संसदीय चुनावों में निर्णायक जीत पर बधाई दी थी। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा था कि भारत इथियोपिया के साथ अपने ऐतिहासिक, बहुआयामी और गहरे संबंधों को बेहद महत्व देता है।

राम मंदिर ट्रस्ट में बड़ा बदलाव: जितेंद्र मिश्रा बने सीईओ और गोविंददेव गिरि को महामंत्री की कमान

एजेंसी ■ अयोध्या

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने बुधवार को हुई महत्वपूर्ण बैठक में मंदिर की प्रशासनिक व्यवस्था में बड़ा बदलाव करते हुए भारतीय वायुसेना के सेवानिवृत्त उपाध्यक्ष एयर मार्शल जितेंद्र मिश्रा को मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया। वहीं, स्वामी गोविंददेव गिरि को महामंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके साथ ही न्यास में रिक्त तीन पदों पर महेश भागचंदका, मदन मोहन पांडे और डॉ. निर्मला यादव को नया न्यासी नियुक्त किया गया है।

न्यास की बैठक में कथित वित्तीय अनियमितताओं को लेकर विशेष जांच दल (एसआईटी) की जांच की प्रगति और उच्चतम न्यायालय के आदेश पर भी चर्चा हुई। इसके अलावा मंदिर में आने वाले चढ़ावे की नकद राशि की गणना में मानवीय हस्तक्षेप कम करने के लिए

तकनीक के इस्तेमाल, वित्त वर्ष 2025-26 के वार्षिक लेखों समेत कई महत्वपूर्ण विषयों पर निर्णय लिए गए।

सीईओ के चयन के लिए गठित समिति की अनुशंसा पर विचार करने के बाद न्यास ने एयर मार्शल जितेंद्र मिश्रा की नियुक्ति को मंजूरी दी। न्यास के अनुसार, मिश्र ने भारतीय वायुसेना में करीब 39 वर्ष तक विभिन्न महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाई हैं और उन्हें नेतृत्व का लंबा अनुभव है।

न्यास की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, उन्हें सर्वोत्तम युद्ध सेवा मेडल से सम्मानित किया गया है। न्यास ने पिछले वर्ष हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' का संचालन भी उनके नेतृत्व और मार्गदर्शन में होने की बात कही है। उम्मीद जताई गई है कि जितेंद्र मिश्रा शीघ्र ही सीईओ का कार्यभार संभालेंगे। राम मंदिर में लगातार बढ़ रही श्रद्धालुओं की संख्या के बीच सीईओ के सामने प्रशासनिक व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं व्यवस्थित बनाने की चुनौती होगी। मंदिर प्रबंधन, सुरक्षा, कर्मचारी व्यवस्था, श्रद्धालुओं की सुविधाओं और विभिन्न विभागों एवं एजेंसियों के बीच समन्वय उनकी प्रमुख जिम्मेदारियों में शामिल होगा।

न्यास ने सीईओ चयन समिति के सदस्यों न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) प्रमोद कोहली, लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) विष्णुकांत चतुर्वेदी, सुरेश हावडे और समिति के सचिव समीर पंडा के प्रति आभार जताया। न्यास के अनुसार, चयन समिति ने कम समय में करीब साढ़े पांच हजार आवेदनों की जांच की और सैकड़ों आवेदकों का साक्षात्कार लेने के बाद इस महत्वपूर्ण प्रक्रिया को पूरा किया। न्यास में तीन नए सदस्यों की नियुक्ति के साथ पदाधिकारियों की जिम्मेदारियों में भी बदलाव किया गया है।

मराठा आरक्षण: जरांगे पाटिल से भूख हड़ताल खत्म करने की अपील

एजेंसी ■ छत्रपति संभाजीनगर

मराठा आरक्षण और कुनबी जाति प्रमाण पत्र की मांग को लेकर एक्टिविस्ट मनोज जरांगे पाटिल की अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल का आज पांचवां दिन है। इस बीच, महाराष्ट्र सरकार ने अपना रुख स्पष्ट किया और आंदोलन की मुख्य मांगों को पूरा करने के लिए उठाए जा रहे कदमों की जानकारी दी। एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में कैबिनेट मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटील और उदय सामंत ने बताया कि जालना के जिला कलेक्टर ने व्यक्तिगत रूप से जरांगे पाटिल से मुलाकात की और उन्हें कुनबी प्रमाण पत्र जारी करने से संबंधित सरकार का ड्राफ्ट प्रस्ताव सौंपा।

प्रशासन अब आगे की कार्रवाई के लिए एक्टिविस्ट की प्रतिक्रिया का इंतजार कर रहा है। जिला कलेक्टर ने एक्टिविस्ट को एक पेन ड्राइव सौंपी है जिसमें 58 लाख

एंट्रीज का रिकॉर्ड है। मंत्रियों विखे पाटिल और सामंत ने बताया कि सरकार ने घोषणा की है कि आवेदनों पर कार्रवाई करने और प्रमाण पत्र जारी करने के लिए 10 सितंबर से 17 सितंबर तक सभी प्रशासनिक क्षेत्रों में विशेष कैंप लगाए जाएंगे।

हैदराबाद गजट फ्रेमवर्क के तहत अब तक 3,500 से ज्यादा सर्टिफिकेट जारी किए जा चुके हैं और जिला कलेक्टर स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) की निगरानी कर रहे हैं।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर 4 सितंबर को छत्तीसगढ़ में रहेगा शुष्क दिवस

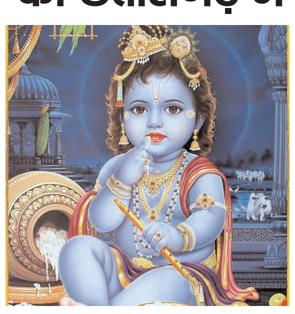

संवाददाता ■ रायपुर

राज्य शासन ने श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर 4 सितंबर 2026, शुक्रवार को संपूर्ण छत्तीसगढ़ में 'शुष्क दिवस' घोषित किया है। वाणिज्यिक कर (आबकारी) विभाग द्वारा इस संबंध में आदेश जारी कर सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने कहा गया है। जारी आदेश के अनुसार शुष्क दिवस के दौरान प्रदेश की समस्त देशी एवं विदेशी मदिरा की फुटकर दुकानें बंद रहेंगी। इसके साथ ही रेस्टोरेंट बार, होटल-बार, क्लब, अहाता तथा मदिरा बेचने अथवा परोसने वाले सभी प्रकार के लाइसेंसी प्रतिष्ठानों को भी बंद रखा जाएगा। भांग एवं भांगघोटा की फुटकर दुकानें भी इस दिन बंद रहेंगी।

दिशा सालियान मौत मामला: बॉम्बे हाईकोर्ट ने सीबीआई को सौंपी जांच

एजेंसी ■ मुंबई

दिवंगत बॉलीवुड अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की पूर्व मैनेजर दिशा सालियान की मौत का मामला एक बार फिर चर्चा में है। करीब छह साल पुराने इस मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट ने अब बड़ा फैसला सुनाते हुए जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपने का आदेश दिया है। कोर्ट ने मामले में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू करने का निर्देश दिया है। इसके साथ ही दिशा के पिता सतीश सालियान का बयान दर्ज करने को भी कहा गया है।

दरअसल, दिशा सालियान के पिता सतीश सालियान ने बॉम्बे हाईकोर्ट में याचिका दायर कर अपनी बेटी की मौत की नए सिरे से जांच की मांग की थी। उनकी मांग थी कि मामले में एफआईआर दर्ज की जाए और जांच सीबीआई को सौंपी जाए। उनका आरोप है कि दिशा की मौत सामान्य तरीके से नहीं हुई थी और मामले की पहले हुई जांच में कई सवालों का सही जवाब नहीं मिला।

विदेश मंत्री एस जयशंकर पोलैंड पहुंचे, द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर होगी चर्चा

एजेंसी ■ वारसॉ

विदेश मंत्री एस जयशंकर बुधवार को आधिकारिक दौरे पर पोलैंड की राजधानी वारसॉ पहुंचे। इस यात्रा का उद्देश्य भारत और पोलैंड के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करना है।

वारसॉ के शोपिन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भारत की राजदूत नीता भूषण ने विदेश मंत्री का स्वागत किया। पोलैंड स्थित भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी देते हुए कहा कि विदेश मंत्री का वारसॉ पहुंचने पर गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

विदेश मंत्रालय (एमईए) के अनुसार, जयशंकर अपनी यात्रा के दौरान पोलैंड के उपप्रधानमंत्री और विदेश मंत्री रादोस्लाव सिकोरस्की के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। दोनों नेताओं के बीच राजनीतिक, आर्थिक और

रणनीतिक सहयोग सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा होगी। विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह यात्रा दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के साथ-साथ क्षेत्रीय घटनाक्रम और आपसी हितों के मुद्दों पर विचारों के आदान-प्रदान का अवसर भी प्रदान करेगी।

पोलैंड दौरे के बाद विदेश मंत्री जयशंकर यूक्रेन जाएंगे, जहां उनकी यूक्रेन के विदेश मंत्री आंद्री सिबिहा के साथ बैठक निर्धारित है।

इससे पहले जुलाई में विदेश मंत्रालय के सचिव (पश्चिम) सिबी जॉर्ज ने पोलैंड के विदेश मंत्रालय के राज्य सचिव व्लादिस्लाव टी. बारतोशेव्स्की और आर्थिक विकास एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अवर सचिव मिखाल बारानोव्स्की के साथ वार्ता की थी। दोनों पक्षों ने राजनीतिक सहयोग, व्यापार और निवेश, प्रौद्योगिकी, रक्षा, संस्कृति तथा वैश्विक आतंकवाद के खिलाफ सहयोग सहित विभिन्न क्षेत्रों में साझेदारी मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई थी।

तीर तेवर —— सागर कुमार

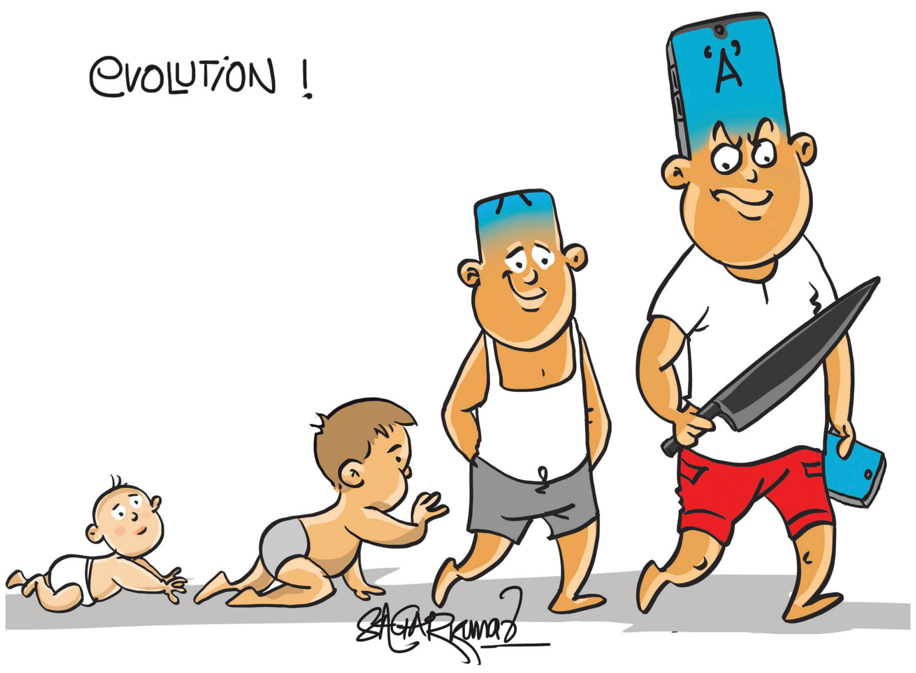

छत्तीसगढ़ अतीत के अंधकार से निकलकर विकास और प्रगति के नए युग की ओर अग्रसर : उपराष्ट्रपति

संवाददाता ■ रायपुर

उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने आज अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), रायपुर के तीसरे दीक्षांत समारोह में शामिल होकर कहा कि यह दीक्षांत समारोह केवल उत्सव का क्षण नहीं है, बल्कि जिम्मेदारी का भी अवसर है। उन्होंने कहा कि 'आज युवाओं को जो डिग्रियां मिल रही हैं और कल इससे कहीं अधिक मूल्यवान जिम्मेदारी सौंपी जाएगी- भारत की जनता का स्वास्थ्य, विश्वास और जीवन।' एम्स रायपुर के दीक्षांत समारोह में 376 महिलाओं और 313 पुरुषों को डिग्री प्रदाय की

गई। उपराष्ट्रपति ने मेधावी छात्रों को स्वर्ण पदक और प्रमाण पत्र भी प्रदान किए।

एम्स रायपुर का विकास छत्तीसगढ़ में हो रहे उल्लेखनीय परिवर्तन को दर्शाता है

उपराष्ट्रपति ने कहा कि 2012 में स्थापना के बाद से एम्स रायपुर ने मध्य भारत में स्वास्थ्य सेवाओं, चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान से जुड़ी क्षेत्रीय असमानताओं को कम करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि बेहद कम समय में यह संस्थान छत्तीसगढ़ सहित पड़ोसी राज्यों के लिए एक प्रमुख तृतीयक स्वास्थ्य सेवा केंद्र के रूप में स्थापित हुआ है और ग्रामीण एवं आदिवासी समुदायों तक भी गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं पहुंचा रही हैं। उन्होंने कहा कि एम्स रायपुर का विकास छत्तीसगढ़ में हो रहे उल्लेखनीय परिवर्तन को दर्शाता है।

छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों में दशकों से चली आ रही चुनौतियों का जिक्र करते हुए राधाकृष्णन ने कहा कि कठिन भौगोलिक स्थिति, आवागमन की खराब सुविधा और वामपंथी उग्रवाद ने विकास में गंभीर बाधाएं खड़ी की। कई दूरस्थ और आदिवासी क्षेत्रों में भय और हिंसा ने सड़कों, स्कूलों और अस्पतालों के विकास को बाधित कर दिया, जिससे समुदायों को आवश्यक सेवाओं तक पहुंचने में दूरी और अभाव का सामना करना पड़ता था।

बेटियों की शिक्षा को मजबूत आधार दे रही योगी सरकार, कस्तूरबा विद्यालयों के कायाकल्प के लिए 101.49 करोड़ जारी

विश्व केसरी■

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने बेटियों की शिक्षा को मजबूत आधार देने की दिशा में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों के आधारभूत ढांचे को नई ताकत देने का बड़ा कदम उठाया है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में 101.49 करोड़ रुपए की धनराशि जारी कर इन विद्यालयों में आवासीय क्षमता, स्वच्छता और सुरक्षा से जुड़ी सुविधाओं के विस्तार का रास्ता साफ किया गया है।

अतिरिक्त डॉरमेट्री से लेकर जर्जर भवनों के पुनर्निर्माण, टॉयलेट ब्लॉक, गार्ड रूम, सेप्टिक टैंक और बाउंड्री वॉल तक के छह प्रमुख निर्माण कार्यों के जरिए इन विद्यालयों को अधिक सुरक्षित, स्वच्छ और सुविधायुक्त आवासीय शिक्षा केंद्रों के रूप में विकसित किया जाएगा। महानिदेशक, स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक मोनिका रानी के निर्देशों के क्रम में आगे बढ़ाई गई प्रक्रिया में उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद को कार्यदायी संस्था बनाया गया।

स्वीकृत लागत के सापेक्ष निर्धारित धनराशि अवमुक्त कर निर्माण कार्यों को धरातल पर उतारने की प्रक्रिया शुरू की गई है। बेटियों की शिक्षा को बेहतर सुविधाओं की मजबूत जमीन देने की यह पहल कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों को अधिक सुरक्षित और सुविधायुक्त आवासीय शिक्षा केंद्रों के रूप में विकसित करने की दिशा में योगी सरकार के ठोस प्रयास को रेखांकित करती है।

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में छात्राओं की आवासीय, स्वच्छता और सुरक्षा संबंधी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त डॉरमेट्री, जर्जर भवनों का पुनर्निर्माण, टॉयलेट ब्लॉक, गार्ड रूम, सेप्टिक टैंक और बाउंड्री वॉल के निर्माण कार्य कराए जाएंगे। इससे विद्यालय परिसरों में छात्राओं के रहने की क्षमता बढ़ाने के साथ आवश्यक सुविधाओं का विस्तार होगा। अतिरिक्त डॉरमेट्री से आवासीय क्षमता को मजबूती मिलेगी। जर्जर भवनों का पुनर्निर्माण सुरक्षित भवन उपलब्ध कराने में सहायक होगा।

वहीं, टॉयलेट ब्लॉक और सेप्टिक टैंक से स्वच्छता व्यवस्था बेहतर होगी तथा गार्ड रूम और बाउंड्री वॉल से परिसर की सुरक्षा को मजबूती मिलेगी। राज्य स्तर से स्वीकृत निर्माण कार्यों को जिला स्तर पर तेजी से शुरू कराने के लिए संबंधित जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों को कार्यदायी संस्था से समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए गए हैं। इससे विद्यालयवार कार्यों की प्रगति को गति देने और निर्माण संबंधी प्रक्रियाओं को समय से पूरा कराने में मदद मिलेगी।

बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री संदीप सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार बेटियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ सुरक्षित और सुविधायुक्त विद्यालयी वातावरण उपलब्ध कराने के लिए निरंतर काम कर रही है। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार इसी संकल्प की महत्वपूर्ण कड़ी है। इन निर्माण कार्यों से छात्राओं को बेहतर शैक्षिक वातावरण और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

शिवपुरी में ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आधुनिक मुख्य डाकघर का किया लोकार्पण

विश्व केसरी■

शिवपुरी। केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बुधवार को शिवपुरी में अत्याधुनिक मुख्य डाकघर का लोकार्पण कर जनता को समर्पित किया। इसके साथ ही उन्होंने गुना और ग्वालियर के डाकघरों का भी लोकार्पण किया। बताया गया है कि शिवपुरी का यह नया डाकघर जनसेवा कनेक्ट डाकघर पहल के मानकों पर आधारित है, जिसमें नागरिक-केंद्रित सुविधाओं, बेहतर अनुभव और सुगम सेवा वितरण का विशेष ध्यान रखा गया है।

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि शिवपुरी का यह आधुनिक मुख्य डाकघर केवल एक नया भवन नहीं, बल्कि बदलते भारत की जरूरतों के अनुरूप डाक सेवाओं के आधुनिकीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। यहां नागरिकों की सुविधा को केंद्र में रखते हुए आधुनिक व्यवस्थाएं विकसित की गई हैं, ताकि लोगों को डाक विभाग की विभिन्न सेवाएं अधिक सहज और प्रभावी तरीके से उपलब्ध हो सकें।

उन्होंने कहा कि कुछ समय पूर्व दिल्ली में जनसेवा कनेक्ट डाकघर नेहरू प्लेस का लोकार्पण किया गया था और शिवपुरी का यह डाकघर उसी श्रृंखला की अगली कड़ी है। इसका उद्देश्य डाकघर को केवल डाक सेवाओं तक सीमित न रखते हुए नागरिकों के लिए आधुनिक, सुविधाजनक और जन-केंद्रित सेवा केंद्र के रूप में विकसित करना है।

केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने शिवपुरी के साथ गुना और ग्वालियर के डाकघरों का भी लोकार्पण किया। इन डाकघरों के आधुनिकीकरण से संबंधित क्षेत्रों के नागरिकों को बेहतर डाक एवं जनसेवा सुविधाएं उपलब्ध होंगी। सिंधिया ने कहा कि डाक विभाग देश के गांव-गांव और शहर-शहर तक पहुंचने वाली सबसे व्यापक सेवा व्यवस्थाओं में से एक है। आधुनिक सुविधाओं के साथ डाकघरों को विकसित करने का उद्देश्य इस नेटवर्क को नई तकनीक, बेहतर सेवा और नागरिक-केंद्रित व्यवस्था से जोड़ना है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भगवान शिव की नगरी शिवपुरी आज विकास के नए केंद्र के रूप में आगे बढ़ रही है। शिक्षा, स्वास्थ्य, रेलवे, सड़क, बिजली और अब डाक सेवाओं के क्षेत्र में लगातार नई सुविधाओं का विस्तार हो रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता प्रत्येक नागरिक तक बेहतर सुविधाएं पहुंचाना है और शिवपुरी में आज का यह आयोजन इसी प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

संक्षिप्त खबरें

बेलगावी में बस यात्री का सोना चोरी करने वाली दो महिलाएं गिरफ्तार, 4.16 लाख के गहने बरामद

विश्व केसरी■

बेलगावी। कर्नाटक के बेलगावी जिले के रामदुर्ग तालुक स्थित कटकोल पुलिस ने बस में महिला यात्री के बैग से सोने के गहने चोरी करने के मामले का सफल खुलासा करते हुए दो महिलाओं को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कुल 4.16 लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण बरामद किए हैं। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान उमा विशाल चौगुले (40) और आरती शिवा चौगुले (28) के रूप में हुई है। दोनों बेलगावी के शिवबसव नगर आंगनवाड़ी क्षेत्र की रहने वाली हैं। पुलिस के अनुसार, मंजुला सिंधु नामक महिला लोकापुर से सल्हाल्ली जा रही बस में सफर कर रही थीं। इसी दौरान आरोपियों ने उनके बैग से सोने के आभूषण चोरी कर लिए। जांच के दौरान पुलिस ने आरोपियों से 30 ग्राम सोने के आभूषण (करीब 3 लाख रुपये) और 80 ग्राम चांदी के आभूषण (करीब 16 हजार रुपये) बरामद किए। इसके अलावा मुरगोड पुलिस थाना क्षेत्र में दर्ज एक अन्य चोरी के मामले से जुड़ी 25 ग्राम सोने की चेन, जिसकी कीमत करीब 1 लाख रुपये है ।

गुजरात में साइबर ठगी गिरोह को बैंक खाते उपलब्ध कराने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

विश्व केसरी■

गांधीनगर। गुजरात पुलिस के साइबर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ने मेहसाणा जिले से दो लोगों को गिरफ्तार किया है। इन पर आरोप है कि वे साइबर ठगी करने वाले गिरोह को बल्क मोड सुविधा वाले कॉर्पोरेट बैंक खाते उपलब्ध करा रहे थे। जांच में पता चला है कि इन खातों का इस्तेमाल कई राज्यों में हुई साइबर ठगी के मामलों में किया गया, जिनमें करीब 1.5 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी हुई है। यह गिरफ्तारी 'ऑपरेशन म्यूल हंट 2.0' के तहत की गई। इस मामले में भारतीय न्याय संहिता और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान पार्थ बारोट और रमेश कुमार लवाणा के रूप में हुई है। दोनों मेहसाणा जिले के विसनगर क्षेत्र के रहने वाले हैं। पुलिस ने दोनों को विसनगर से पकड़ा और कानूनी प्रक्रिया के बाद औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया। साइबर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के अनुसार, इस मामले में अब तक छह अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार किया जा चुका है। वहीं, गिरोह से जुड़े बाकी लोगों की तलाश जारी है।

सैनिकों के बच्चों की पढ़ाई का खर्च होगा कम, इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस से किया करार

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। देश की सीमाओं की रक्षा करने वाले सैनिकों के बच्चों की पढ़ाई को लेकर भारतीय सेना ने एक अहम कदम उठाया है। सेना ने देहरादून के कंबाइंड (पीजी) इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस एंड यूआईएचएमटी ग्रुप ऑफ कॉलेजेज के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस पहल की सबसे खास बात यह है कि देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले सैन्यकर्मियों के बच्चों को यहां पढ़ाई के दौरान अधिक सहायता दी जाएगी।

सेना के जिन जवानों ने देश की रक्षा करते हुए अपने प्राण न्योछावर किए हैं, उनके परिवारजनों और बच्चों की शिक्षा को लेकर अतिरिक्त सहयोग देने का प्रावधान किया गया है। इस समझौते से सेना में कार्यरत जवानों के बच्चों के लिए भी उच्च शिक्षा हासिल करने के रास्ते और आसान होंगे। समझौते के तहत संस्थान

भारतीय सेना के सेवारत और सेवानिवृत्त सैन्यकर्मियों के पात्र बच्चों को ट्यूशन फीस में विशेष छूट देगा। यानी सेना के जवान अपने बच्चों की पढ़ाई को लेकर मिलने वाली इस आर्थिक राहत का लाभ उठा सकेंगे।

शहीद हुए जवानों के परिवारों के लिए यहां विशेष सहायता का प्रावधान किया गया है। दरअसल सैनिक जब सीमा पर देश की सुरक्षा में तैनात होता है, तो उसके परिवार की जिम्मेदारी भी एक महत्वपूर्ण चिंता होती है। बच्चों की बेहतर शिक्षा इसी जिम्मेदारी का एक बड़ा हिस्सा है। ऐसे में फीस में विशेष छूट परिवारों के लिए आर्थिक राहत के साथ-साथ बच्चों को बेहतर शैक्षणिक अवसर उपलब्ध कराने में मदद करेगी। भारतीय सेना ने कहा है कि यह पहल अपने सैन्यकर्मियों और उनके निकटतम परिजनों के कल्याण के प्रति सेना की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

बिहार के स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार की युवाओं से अपील, 'सिगरेट, गुटखा और शराब छोड़ें, स्वस्थ जीवन अपनाएं'

विश्व केसरी■

पटना। बिहार के स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने प्रदेश के युवाओं से सिगरेट, गुटखा और शराब का सेवन छोड़ने की अपील की है। उन्होंने कहा कि युवा नशे से दूर रहें और अपने अनमोल जीवन को स्वस्थ एवं बेहतर बनाने पर ध्यान दें।

बुधवार को पटना में स्वास्थ्य विभाग की ओर से आयोजित 'जांच एवं उपचार- चिकित्सा आपके द्वार' राज्यव्यापी अभियान का शुभारंभ किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने 38 जिलों के लिए जागरूकता रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

यह अभियान 30 नवंबर तक संचालित किया जाएगा। इसके तहत 30 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों की घर-घर जाकर स्क्रीनिंग की जाएगी और उनका हेल्थ रिकॉर्ड तैयार किया जाएगा। अभियान के दौरान मधुमेह, उच्च रक्तचाप, कैंसर, हृदय रोग, सांस एवं फेफड़ों से संबंधित बीमारियों तथा फैटी लिवर जैसी गैर-संचारी बीमारियों की समय रहते पहचान कर

आवश्यक उपचार सुनिश्चित किया जाएगा।

इस अभियान के बारे में आईएएनएस से बातचीत में स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने कहा कि आज हमने गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) की जांच के लिए राज्यव्यापी अभियान की शुरुआत की है। इसके तहत हम 30 वर्ष से अधिक आयु के लोगों की जांच और इलाज करेंगे।

डीएमके के कार्यकाल में किसानों - शिक्षकों पर दर्ज मामले वापस लिए जाएंगे सीएम विजय

विश्व केसरी■

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने मई 2021 से अप्रैल 2026 के बीच अपनी आजीविका, अधिकारों और अन्य वैध मांगों के समर्थन में शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन में भाग लेने वाले किसानों और शिक्षकों के खिलाफ दर्ज सभी आपराधिक मामलों को वापस लेने की घोषणा की है।

मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने विधानसभा में नियम 110 के तहत इस निर्णय की घोषणा करते हुए इसे लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा करने और सरकार तथा आम नागरिकों के बीच विश्वास का पुनर्निर्माण करने का प्रयास बताया।

यह आदेश तिरुवनमलाई जिले में प्रस्तावित तमिलनाडु राज्य उद्योग संवर्धन निगम के औद्योगिक एस्टेट का विरोध करने वाले किसानों के खिलाफ दायर मामलों को कवर करेगा। कांचीपुरम जिले के परंदूर में प्रस्तावित ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे के खिलाफ लंबे समय तक चले आंदोलन के दौरान दर्ज किए गए मामले भी वापस ले लिए जाएंगे।

परंदूर और आसपास के गांवों के निवासियों ने हवाई अड्डे की परियोजना के खिलाफ लगातार विरोध प्रदर्शन आयोजित किए थे, उनका तर्क था कि इससे उपजाऊ कृषि भूमि का अधिग्रहण होगा।

गुजरात 50 दवा कंपनियों के लाइसेंस रद्द

विश्व केसरी■

गांधीनगर। गुजरात के खाद्य एवं औषधि नियंत्रण प्रशासन (एफडीसीए) ने अगस्त महीने में बड़े पैमाने पर कार्रवाई करते हुए 50 दवा कंपनियों के बिक्री लाइसेंस रद्द कर दिए और गंभीर अनियमितताएं मिलने पर दो दवा निर्माण इकाइयों को बंद करने का आदेश दिया। वहीं, राज्यभर से करीब 42,988 किलोग्राम संदिग्ध खाद्य पदार्थ जब्त किए गए, जिनकी अनुमानित कीमत 93.47 लाख रुपये है।

राज्य सचिवालय में स्वास्थ्य मंत्री प्रफुल पानसेरिया की अध्यक्षता में हुई उच्चस्तरीय बैठक में इस कार्रवाई की समीक्षा की गई। मंत्री ने अधिकारियों को नकली, घटिया और अवैध रूप से बेची जा रही दवाओं व खाद्य पदार्थों के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' नीति अपनाने के निर्देश दिए। एफडीसीए के अनुसार, जोखिम आधारित निरीक्षण के दौरान आठ दवा निर्माण कंपनियों के लाइसेंस निलंबित किए गए और 11 दवाओं के निर्माण लाइसेंस रद्द कर दिए गए। प्रयोगशाला जांच में घटिया गुणवत्ता की पाई गई 20 दवाओं के निर्माताओं को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया।

राज्य के 42 ब्लड स्टोरेज सेंटरों के निरीक्षण में तीन को बंद करने का आदेश दिया गया, जबकि 12 को नोटिस जारी किए गए। एफडीसीए ने स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) के साथ मिलकर अहमदाबाद, गांधीनगर और मेहसाणा में अवैध नशीली और नकली दवाओं के नेटवर्क पर कार्रवाई की।

नाम परिवर्तन

मै सत्यवती साहू उम्र 47 साल पिता नान्हेलाल साहू / पति सोहनलाल साहू जाति तेली निवासी सिरसिदा तहसील नगरी विकासखण्ड नगरी जिला धमतरी छ.ग. एतद् द्वारा पूर्णतः पुष्टि करती हूं और निम्नानुसार घोषित करती हूं :-

1. यह कि मैं सत्यवती साहू पिता नान्हेलाल साहू निवासी सिरसिदा तहसील नगरी जिला धमतरी छ.ग. का स्थायी निवासी हूं ।

2. यह कि मैं अपना नाम सत्याबाई (SATYA BAI) से सत्यवती साहू (SATYAWATI SAHU) करवाना चाहती हूं। जो शालेय रिकार्ड/अंकसूची में अंकित है ।

3. यह कि शालेय रिकार्ड व आधार कार्ड में मेरा नाम सत्यवती साहू (SATYAWATI SAHU) अंकित है जो सही है किन्तु राजस्व रिकार्ड पर मेरा नाम सत्याबाई (SATYA BAI) अंकित है जो त्रुटिपूर्ण है ।

4 यह कि राजस्व रिकार्ड पर अंकित त्रुटिपूर्ण सत्याबाई (SATYA BAI) को सुधार करवाकर उनके स्थान पर सही नाम सत्यवती साहू (SATYAWATI SAHU) दर्ज व अंकित करवाना चाहती हूं । जिस पर किसी को कोई आपत्ति नहीं है पूर्ण सहमति है नाम सुधार उपरांत किसी भी प्रकार से गैर कानूनी कार्य नहीं करूंगी। अतः मैं यह शपथ पत्र अपने पूरे होशा हवास में रहकर हस्ताक्षर कर रही हूं तथा सक्षम अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कर रही हूं ।

5. यह कि राजस्व रिकार्ड में अंकित नाम सुधार करने एवं सही नाम सत्यवती साहू (SATYAWATI SAHU) दर्ज व अंकित करने हेतु राजपत्र में प्रकाशन बाबत् यह शपथ पत्र निष्पादित कर रही हूं।

शपथकर्ता
सत्यवती

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 7) - : : मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुरः- Email ID - rmc-zone7@gmail.com

पत्र क्रं /....35024..../ न. पा. नि.
जोन क्रं 7/2026
रायपुर, दिनांक 02-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35024

वार्ड का नाम - 38 - स्वामी आत्मानंद वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 38 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR715C00076** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती.. **VIKRAM JAINKAMLA JAIN** पिता/पति श्री श्रीमती **BHAGWATI JAINBHAGWATI JAIN** के नाम से दर्ज है जिसको श्री श्रीमती **SATSANG** पिता / पति श्री श्रीमती **SHIVANAND PRASAD** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होग।

सूचना जारी करे '

(जोन कमिश्नर)
जोन (7)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 7) - : : मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुरः- Email ID - rmc-zone7@gmail.com

पत्र क्रं /....35027..../ न. पा. नि.
जोन क्रं 7/2026
रायपुर, दिनांक 02-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35027

वार्ड का नाम 22 - पं. ईश्वरी चरण शुक्ल वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 22 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR814D00374** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती.. **DHEERENDRA VERMA** पिता / पति श्री श्रीमती **ANAND PRAKASH VERMA** के नाम से दर्ज है जिसको **श्री / श्रीमती खालिद हुसैन पिता / पति श्री श्रीमती कमरुल हसन** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति /संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है. प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्याल्य जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

(जोन कमिश्नर)
जोन (7)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 7) - : : मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुरः- Email ID - rmc-zone7@gmail.com

पत्र क्रं /....35021..../ न. पा. नि.
जोन क्रं 7/2026
रायपुर, दिनांक 02-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35021

वार्ड का नाम 22 - पं. ईश्वरी चरण शुक्ल वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 22 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR814J0002E** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती.. **RANJANA DIWAN** पिता/पति श्री श्रीमती **PRADEEP DIWAN** के नाम से दर्ज है जिसको श्री श्रीमती **RAKESH SHRIWAS** पिता / पति श्री/श्रीमती **RAMESH SHRIWAS** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति /संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है. प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्याल्य जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

(जोन कमिश्नर)
जोन (7)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 9) -:: पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुरः : - Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं /....34966..../ न. पा. नि.
जोन क्रं 9/2026
रायपुर, दिनांक 01-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण 34966

वार्ड का नाम 32 - महर्षि वाल्मीकि वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 32 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी. **RPR328F00123** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **REKHA BAI PURUSHWANI** पिता / पति श्री/श्रीमती **TRILOCKCHAND PURUSHWANI** के नाम से दर्ज है जिसको **श्री/श्रीमती 1. दयाल दास हीरवानी 2. जितेन्द्र हीरवानी पिता/पति श्री श्रीमती 1. स्व. हरपाल दास हीरवानी 2. दयाल दास हीरवानी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार /पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 9) -:: पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुरः : - Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं /.... 34939..../ न. पा. नि.
जोन क्रं 9/2026
रायपुर, दिनांक 01-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34939

वार्ड का नाम 10-रानी लक्ष्मीबाई वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 10 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी **RPR227500404** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **RITU JAIN** पिता / पति श्री श्रीमती **SANJAY JAIN** के नाम से दर्ज है जिसको **श्री / श्रीमती रोशनी जैन पिता/पति श्री श्रीमती स्टार जैन** ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 9) -:: पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुरः : - Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं /.... 34911..../ न. पा. नि.
जोन क्रं - 9/2026
रायपुर, दिनांक 01-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34911

वार्ड का नाम 10 रानी लक्ष्मीबाई वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 10 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR227500417** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **ANIL NAYAR/KRISHNA NAIR MRS. CHANCHAL** पिता/पति श्री श्रीमती **ANIL NAYAR** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **MOHAMMED ISRAR** पिता / पति श्री/श्रीमती **MOHAMMED ISHAQUE** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 9) -:: पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुरः : - Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं /.... 34887..../ न. पा. नि.
जोन क्रं 9/2026
रायपुर, दिनांक 01-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34887

वार्ड का नाम 10 रानी लक्ष्मीबाई वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 10 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी. **RPR227W00461** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **YATHARTH AGRAWAL** पिता/पति श्री श्रीमती **SANJEEV KUMAR AGRAWAL** के नाम से दर्ज है **जिसको श्री /श्रीमती मासूम अग्रवाल पिता / पति श्री श्रीमती अतुल कुमार अग्रवाल** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 9) :: पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुरः : - Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं /.... 34885..../ न. पा. नि.
जोन क्रं 9/2026
रायपुर, दिनांक 01-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34885

वार्ड का नाम 10-रानी लक्ष्मीबाई वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 10 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी. **RPR227W0467A** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **PANKAJ KUMAR AGRAWAL** पिता/पति श्री श्रीमती **BAJRANG PRASAD AGRAWAL** के नाम से दर्ज है **जिसको श्री/श्रीमती नेहा अग्रवाल पिता/पति श्री श्रीमती आकाश अग्रवाल** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

भारत और किरिबाती ने द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने के तरीकों पर की चर्चा

विश्व केसरी

साउथ तारावा। भारत और किरिबाती ने बुधवार को विभिन्न क्षेत्रों में आपसी सहयोग को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। किरिबाती में भारत के उच्चायुक्त सुनीत मेहता और किरिबाती के विदेश मामलों और आव्रजन मंत्रालय के सचिव टियरिनाकी टैनिएलु के बीच हुई बैठक में इन मुद्दों पर चर्चा हुई।

फिजी में भारतीय उच्चायोग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'भारत और किरिबाती के बीच करीबी और दीर्घकालिक संबंधों को सुदृढ़ करने और आपसी हित के क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को और मजबूत करने के अवसरों पर सकारात्मक बातचीत हुई।

इससे पहले मंगलवार को, सुनीत मेहता ने किरिबाती के संस्कृति और आंतरिक मामलों के मंत्री हैरी टेकैटी; पर्यावरण, भूमि और कृषि विकास मंत्री टोकाइबुरे राबाउआ; लाइन और फीनिक्स द्वीप समूह विकास मंत्री मिकारिटे टेमारी; और लीडरशिप कमीशन के अध्यक्ष ताओबा काइया के साथ बैठक की और द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने और साझा प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की।

फिजी स्थित भारतीय उच्चायोग ने एक्स पोस्ट में लिखा, 'भारत-किरिबाती सहयोग को मजबूत करने और हमारी साझा प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने पर केंद्रित रही बातचीत सकारात्मक रही। ये अधिक समावेशी, लचीले और टिकाऊ भविष्य के प्रति भारत की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

इससे पहले 17 जून को, सुनीत मेहता ने किरिबाती के विदेश मामलों और आव्रजन मंत्रालय के प्रभारी अधिकारी उएरिंग इटेराएरा के साथ बैठक की और विकास साझेदारी को मजबूत करने और बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की थी।

मेहता ने किरिबाती में डायलिसिस सेंटर का भी दौरा किया, जिसे भारत की वित्तीय सहायता से स्थापित किया जा रहा है। फिजी में भारतीय उच्चायोग ने इसकी जानकारी साझा करते हुए एक्स पर कहा, उच्चायुक्त सुनीत मेहता ने किरिबाती में डायलिसिस सेंटर का दौरा किया, जिसे भारत की आर्थिक मदद से बनाया जा रहा है। यह सेंटर किरिबाती में स्थानीय समुदायों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने और अच्छी मेडिकल सुविधाएं बेहतर तरीके से पहुंचाने की हमारी प्रतिबद्धता का सबूत है।

लाइपजिग ड्रोन हमले पर ईयू का सख्त रुख, रूसी राजदूतों को किया तलब

विश्व केसरी

लंदन। यूरोपीय संघ (ईयू) ने जर्मनी के लाइपजिग एयरपोर्ट पर हुए कथित ड्रोन हमले के मामले में रूस के राजदूतों को तलब किया है। ईयू की विदेश नीति प्रमुख काजा कैलास ने बुधवार को आयरलैंड के विकलो में विदेश मंत्रियों की अनौपचारिक बैठक से पहले यह जानकारी दी।

काजा कैलास ने कहा, 'हम पहले ही रूसी राजदूतों को तलब कर चुके हैं। कई सदस्य देशों ने भी यही कदम उठाया है। अब हम इस पर चर्चा करेंगे कि आगे और क्या कार्रवाई की जा सकती है।'

यह बयान अगस्त की शुरुआत में लाइपजिग एयरपोर्ट पर मिले विस्फोटक से लैस एक ड्रोन की घटना के बाद आया है। जांच के अनुसार ड्रोन का डेटोनेटर खराब होने से बड़ा हादसा टल गया। इसके कुछ समय बाद डीएचएल का एक कार्गो विमान उड़ान के दौरान एक उड़ती वस्तु से टकरा गया, जिसके बाद उसे सुरक्षित रूप से हैनोवर एयरपोर्ट की ओर मोड़ दिया गया। जांच में विमान पर ड्रोन हमले जैसे नुकसान के निशान मिले।

स्थानीय मीडिया के मुताबिक, पिछले सप्ताह एयरपोर्ट के आसपास एक तीसरा ड्रोन और सैन्य-ग्रेड विस्फोटक भी बरामद किए गए, जिन्हें इस घटना से जुड़ा माना जा रहा है। जर्मनी सरकार ने मंगलवार को इस घटना के लिए रूस को जिम्मेदार ठहराते हुए कई जवाबी कदमों की घोषणा की। इनमें बॉन स्थित रूसी महावाणिज्य दूतावास को 18 सितंबर से बंद करना, बर्लिन स्थित रूसी हाउस का अनुबंध समाप्त करना और रूसी राजदूत को तलब करना शामिल है।

जर्मनी के गृह मंत्री अलेक्जेंडर डोब्रिंट ने कहा कि सरकार इस निष्कर्ष पर पहुंची है कि 4 अगस्त को लाइपजिग में हुआ हमला रूस की 'हाइब्रिड कार्रवाई' थी।

पश्चिम एशिया संकट पर अमेरिका का सुरक्षा अलर्ट, सऊदी अरब में अपने नागरिकों को सतर्क रहने की दी सलाह

विश्व केसरी

रियाद। ईरान पर हमले और फिर जवाबी कार्रवाई के बीच अमेरिकी दूतावास ने सऊदी अरब में रह रहे अपने नागरिकों को सतर्क रहने की सलाह दी है। सऊदी अरब स्थित अमेरिकी मिशन ने सुरक्षा अलर्ट में कहा कि क्षेत्र में सुरक्षा स्थिति जटिल बनी हुई है और अचानक तनाव बढ़ने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसे बुधवार को साझा किया। बयान के अनुसार, मध्य पूर्व में मौजूद अमेरिकी नागरिकों को विशेष सतर्कता बरतनी चाहिए। उन्हें संभावित उड़ान रद्द होने, हवाई क्षेत्र बंद होने और यात्रा में व्यवधान के लिए तैयार रहने तथा अपनी उड़ानों की स्थिति सीधे संबंधित एयरलाइन से जांचने की सलाह दी गई है। सुरक्षा अलर्ट में कहा गया कि अमेरिकी नागरिकों को क्षेत्र के हवाईअड्डों और एयरलाइंस के परिचालन से जुड़ी ताजा सूचनाओं पर नजर रखनी चाहिए।

अमेरिकी मिशन ने यह भी चेतावनी दी कि मध्य पूर्व के बाहर स्थित अमेरिकी राजनयिक प्रतिष्ठानों को भी निशाना बनाया गया है। उसके अनुसार, ईरान और ईरान समर्थक समूह दुनिया के विभिन्न हिस्सों में अमेरिकी हितों को निशाना बना सकते हैं। इनमें अमेरिकी नागरिकों और अमेरिका से जुड़े स्थानों के साथ-साथ अमेरिकी कंपनियां और अन्य संस्थान भी शामिल हो सकते हैं।

दूतावास के मुताबिक, सऊदी अरब में अमेरिकी नागरिकों के लिए नियमित और आपातकालीन कांसुलर सेवाएं उपलब्ध हैं। जरूरत पड़ने पर नागरिकों को निकटतम अमेरिकी दूतावास या वाणिज्य दूतावास से संपर्क करने को कहा गया है।

अमेरिकी नागरिकों को विदेश विभाग के स्मार्ट ट्रैवलर एनरोलमेंट प्रोग्राम (एसटीईपी) में पंजीकरण कराने की भी सलाह दी गई है। इसके जरिए उन्हें सुरक्षा संबंधी नवीनतम सूचनाएं मिल सकेंगी और आपात स्थिति में अमेरिकी दूतावास उनके संपर्क में आसानी से आ सकेगा। अलर्ट में हवाई हमले की स्थिति में नागरिकों को कांच के दरवाजों और खिड़कियों से दूर रहने तथा गिरे हुए मलबे से बचने की सलाह दी गई है।

बांग्लादेश: भारतीय उच्चायुक्त ने संसद के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष से की शिष्टाचार मुलाकात

विश्व केसरी

ढाका। बांग्लादेश में भारत के उच्चायुक्त दिनेश त्रिवेदी ने बुधवार को जातीय संसद के अध्यक्ष मेजर (रिटायर्ड) हफीजुद्दीन अहमद, बीर बिक्रम और उपाध्यक्ष बैरिस्टर कैसर कमाल से अलग-अलग शिष्टाचार मुलाकात की। बांग्लादेश स्थित उच्चायोग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर तस्वीरों की श्रृंखला पोस्ट करते हुए बयान जारी किया। बताया कि बांग्लादेश की जातीय संसद के स्पीकर और डिप्टी स्पीकर से उच्चायुक्त ने मुलाकात कर द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर बात की।

बयान के अनुसार, हाई कमिश्नर ने भारतीय और बांग्लादेशी नागरिकों के बीच मौजूद संबंधों को और मजबूत करने के लिए दोनों संप्रभु और लोकतांत्रिक देशों की संसदों के बीच आपसी जुड़ाव के महत्व पर जोर दिया। बातचीत में संसदीय मैत्री समूहों के गठन, दोनों स्पीकरों की देखरेख में संसदीय प्रतिनिधिमंडलों की द्विपक्षीय यात्राओं, संसदीय समितियों के बीच सहयोग और संसदीय दस्तावेजों के डिजिटलीकरण जैसे विषयों पर चर्चा हुई।

इसके साथ ही उच्चायुक्त ने भारतीय संसद की लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के निमंत्रण की भी याद दिलाई और दोनों मानिंदों को सुविधानुसार जल्द से जल्द भारत आने का न्योता दिया।

वहीं मुलाकात के बाद बांग्लादेशी मीडिया ने जब भारतीय उच्चायुक्त से प्रधानमंत्री तारिक रहमान के भारत दौरे को लेकर सवाल पूछा, तो उन्होंने कहा कि यह फैसला प्रधानमंत्री को ही करना है।

उन्होंने कहा, 'यह प्रधानमंत्री के अधिकार क्षेत्र की बात है। बांग्लादेश के पीएम बहुत समझदार व्यक्ति हैं। वे जन-हितैषी हैं। मुझे लगता है कि हमें यह फैसला माननीय प्रधानमंत्री पर ही छोड़ देना चाहिए। दोस्ती के लिए जो भी एजेंडा तय किया जाना है, उसका जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, 'मुझे इसमें कोई शक नहीं है कि दोनों पक्षों की मंशा जन-हितैषी है। जब सोच जन-हितैषी हो, तो काम जरूर संपन्न होते हैं।

बांग्लादेश के संसद सचिवालय ने भी स्पीकर से मुलाकात को लेकर बयान जारी किया। जिसके अनुसार, हफीजुद्दीन अहमद ने कहा कि बांग्लादेश-भारत संबंध हमेशा उतार-चढ़ाव के बीच आगे बढ़े हैं और दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक संबंध अलग-अलग संदर्भों में बदलते रहे हैं।

बिहार के मुजफ्फरपुर में दो बसों की आमने-सामने टक्कर, एक की मौत, 50 घायल

विश्व केसरी

पटना। बुधवार को बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में मुजफ्फरपुर-सीतामढ़ी नेशनल हाईवे (एनएच-22) पर दो बसों की आमने-सामने टक्कर हो गई, जिसमें एक बस ड्राइवर की मौत हो गई और लगभग 50 यात्री घायल हो गए।

यह हादसा दोपहर करीब 3 बजे औराई पुलिस स्टेशन के इलाके में बेदौल/गोपालपुर के पास हुआ।

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि एक बस का ड्राइवर गाड़ी के अंदर ही फंस गया।

हादसे के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से कटिंग मशीन का इस्तेमाल करके क्षतिग्रस्त बस का कुछ हिस्सा काटकर फंसे हुए ड्राइवर को बाहर निकाला। हालांकि, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

मृतक की पहचान सीतामढ़ी के रहने वाले सुजीत कुमार के तौर पर हुई है।

पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए श्री कृष्ण मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (एसकेएमसीएच) भेज दिया। टक्कर में दोनों बसों में सवार करीब 50 यात्री घायल हो गए।

कई लोगों को गंभीर चोटें आईं और उन्हें आगे के इलाज के लिए एसकेएमसीएच रेफर किया गया, जबकि अन्य का इलाज पास के हेल्थकेयर सेंटर्स में किया गया। बताया गया है कि उनकी हालत खतरे से बाहर है।

टक्कर के तुरंत बाद यात्रियों ने मदद के लिए आवाज लगाई, जिससे मौके पर अफरातफरी मच गई।

आस-पास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और क्षतिग्रस्त बसों में फंसे यात्रियों को निकालने में मदद की।

खबरों के मुताबिक, आधे दर्जन से ज्यादा यात्री गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

इस हादसे की वजह से एनएच-22 पर भी काफी जाम लग गया और हाईवे पर गाड़ियों की लंबी कतारें लग गईं।

औराई थाने की पुलिस मौके पर पहुंची, हालात को संभाला और क्षतिग्रस्त बसों को सड़क से हटवाने का इंतजाम किया, जिसके बाद ट्रैफिक फिर से शुरू हो सका।

जयपुर के नाहरगढ़ बायोलॉजिकल पार्क में बाघ के हमले में महिला सफाईकर्मी की मौत

विश्व केसरी

जयपुर। जयपुर के नाहरगढ़ बायोलॉजिकल पार्क में एक महिला सफाईकर्मी की बाघ के हमले में मौत हो गई। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। घटना के बाद वन विभाग और पुलिस अधिकारियों को सुरक्षा प्रोटोकॉल में संभावित लापरवाही की जांच के आदेश दिए गए हैं।

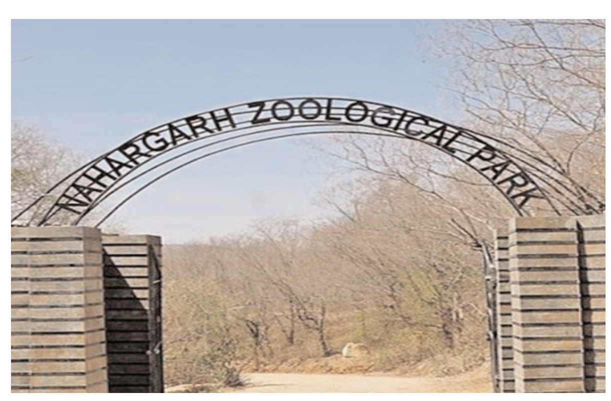

यह हादसा बाड़ा नंबर 16 के पास हुआ, जहां महिला रोज की तरह साफ-सफाई और मेंटेनेंस का काम कर रही थी। हमला करने वाले बाघ की पहचान 'शिवाजी' के रूप में हुई है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, महिला जब बाड़े के पास सफाई कर रही थी, तभी बाघ ने अचानक उस पर हमला कर दिया। उसकी चीख सुनकर अन्य कर्मचारी मौके पर पहुंचे लेकिन तब तक महिला गंभीर रूप से घायल हो चुकी थी और उसे बचाया नहीं जा सका।

घटना के बाद चीफ वाइल्डलाइफ वार्डन अरुण प्रसाद, डिप्टी कंजर्वेटर ऑफ फॉरेस्ट आशीष व्यास, असिस्टेंट कंजर्वेटर ऑफ फॉरेस्ट जितेंद्र सिंह शेखावत और गौरव कुमार के साथ आमेर थाने के एसएचओ राजेंद्र गोदारा नाहरगढ़ बायोलॉजिकल पार्क पहुंचे।

अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और घटना के बारे में शुरुआती जानकारी जुटाई। वन विभाग और पार्क प्रशासन ने घटना के सही क्रम का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने मृतका के शव को कब्जे में लेकर मोर्चरी भेज दिया है। परिवार को घटना की सूचना दे दी गई है।

इस घटना ने खतरनाक जानवरों के बाड़ों के आसपास सफाई और मेंटेनेंस के दौरान सुरक्षा नियमों के पालन पर सवाल खड़े कर दिए हैं। जांच के तहत अधिकारी यह पता लगा रहे हैं ।

रांची में बिना ट्रेड लाइसेंस चल रहे चार कोचिंग संस्थान सील, नगर निगम की कार्रवाई तेज

विश्व केसरी

रांची। रांची में बिना ट्रेड लाइसेंस चल रहे कोचिंग संस्थानों के खिलाफ नगर निगम की कार्रवाई तेज हो गई है। इसी क्रम में निगम की टीम ने बुधवार को लालपुर थाना क्षेत्र के हरिओम टावर में संचालित चार कोचिंग संस्थानों को सील कर दिया। इनमें पतंजलि आईएएस एकेडमी, मोशन और पाठशाला समेत चार संस्थान शामिल हैं।

नगर निगम के अनुसार, इन संस्थानों को पहले ही ट्रेड लाइसेंस से जुड़े नियमों का पालन करने के लिए नोटिस दिया गया था। नोटिस के बावजूद संचालन जारी रहने पर निगम की इंफोर्समेंट टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की और संस्थानों को सील कर दिया। निगम की टीम ने संस्थानों के दस्तावेज और ट्रेड लाइसेंस की स्थिति की जांच की। नियमों का पालन नहीं पाए जाने पर सीलिंग की कार्रवाई की गई।

नगर निगम ने इससे पहले भी शहर के कोचिंग संस्थानों के खिलाफ अभियान शुरू किया था। निगम के सर्वे में रांची में करीब 1,364 व्यावसायिक शैक्षणिक संस्थान सामने आए थे। इनमें 831 कोचिंग संस्थान हैं। इनमें से केवल 68 के पास ट्रेड लाइसेंस होने की जानकारी सामने आई थी। इसी आधार पर निगम ने पहले चरण में 20 बड़े कोचिंग संस्थानों को कारण बताओ नोटिस जारी किया था। उन्हें तय समय के भीतर जरूरी कागजी प्रक्रिया पूरी कर ट्रेड लाइसेंस लेने का निर्देश दिया गया था।

निगम ने नियमों का पालन नहीं करने पर संस्थानों को सील करने की चेतावनी दी थी। निगम ने स्पष्ट किया है कि बिना अनुमति या वैध अनुज्ञप्ति के व्यावसायिक गतिविधियां संचालित करना झारखंड नगरपालिका अधिनियम, 2011 की धारा 455 और झारखंड नगरपालिका अनुज्ञप्ति नियमावली, 2017 की कंडिका 19 एवं 20 का उल्लंघन है।

निगम ने जिन कोचिंग संस्थाओं को नोटिस किया था, उनमें अमान्स मोशन एकेडमी, न्यूटन ट्यूटोरियल्स, सीएलएटी प्रेप, पाठशाला, करियर फाउंडेशन, एमएस लर्निंग रिसोर्सेज, डिजाइन क्वेस्ट, एमबीए अचीवर्स, ग्रैविटी एजुकेशन, नेशनल सीएलएटी एकेडमी, मास्टर माइंड्स, पेजेस लाइब्रेरी, द ब्लैक बोर्ड, एके एकेडमी और हिनू स्थित डी-क्यूब क्लासेज समेत कई संस्थान शामिल थे।

भारी बारिश के बाद उत्तराखंड की नदियां उफान पर, भूस्खलन और बाढ़ से बढ़ी चिंता

विश्व केसरी

देहरादून। उत्तराखंड में भारी बारिश के कारण नदियां और नाले उफान पर हैं और कई इलाकों में जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। इस बीच भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने राज्य के कई जिलों में अगले कुछ दिनों तक भारी बारिश के साथ-साथ आंधी-तूफान और बिजली गिरने का अनुमान जताया है। ऐसे में भूस्खलन, मलबा गिरने, जलभराव और संवेदनशील इलाकों में सड़कों पर रुकावट का खतरा और बढ़ सकता है।

ऋषिकेश में बिन नदी पहले से ही उफान पर थी, जबकि हल्द्वानी में गौला नदी के जलस्तर में भी काफी बढ़ोतरी देखी गई। हल्द्वानी में पिछले 24 घंटों में 192 मिमी बारिश दर्ज की गई, जो इस इलाके में बारिश की तीव्रता को दर्शाता है।

इस बीच, कैंची धाम के पास उफनती शिप्रा नदी ने लोगों को हैरान कर दिया। आमतौर पर मंदिर के बाहर शांत बहने वाली यह नदी लगातार बारिश के बाद मंगलवार को बिल्कुल अलग और उग्र रूप में दिखाई दी। भारी मात्रा में पानी से लबालब भरी नदी का दृश्य उसके सामान्य शांत बहाव से बिल्कुल अलग था।

पानी के तेज बहाव के बावजूद मंदिर की सुरक्षा दीवार और पुल को सहारा देने वाले खंभे सुरक्षित रहे और मंदिर को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। मंदिर में धार्मिक गतिविधियां और पूजा-अर्चना सामान्य रूप से जारी रही।

नैनीताल जिले में अल्चौना के पांडेछोड़ गांव के पीछे बहने वाले ककरिया नाले का पानी रिहायशी इलाकों में घुसने लगा, जिससे स्थानीय निवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। दोपहर तक नाले का बहाव काफी तेज हो गया और पानी लगभग दो दर्जन घरों में घुस गया।

संपादकीय

ऐश्वर्य एवं वैराग्य का अद्भुत संगम है श्रीकृष्ण

ललित गर्ग

भगवान श्रीकृष्ण भारत की माटी, भारत की आत्मा और भारत के जनजीवन की धड़कन हैं। वे केवल आराधना के देवता नहीं, बल्कि जीवन को देखने की एक दृष्टि, संघर्षों से जूझने की प्रेरणा और भविष्य की ओर बढ़ने की दिशा हैं। वे ऐश्वर्य एवं वैराग्य का अद्भुत एवं निराला संगम हैं। श्रीकृष्ण के बिना भारतीय जीवन-दर्शन की कल्पना अधूरी है। जीवन के लगभग प्रत्येक आयाम-परिवार, समाज, राजनीति, प्रशासन, अर्थव्यवस्था, युद्ध, शांति, प्रेम, मित्रता, कर्तव्य, त्याग, नेतृत्व और आध्यात्मिकता में श्रीकृष्ण के विचारों और आदर्शों की छाप दिखाई देती है। इसीलिए जन्माष्टमी केवल श्रीकृष्ण के जन्म का उत्सव नहीं, बल्कि उनके विचारों को जीवन में उतारने का अवसर है। श्रीकृष्ण भारतीय संस्कृति के ऐसे अद्भुत एवं विलक्षण महानायक हैं, जिनके व्यक्तित्व में विरोधाभास दिखाई देने वाले अनेक गुण एक साथ समाहित हो जाते हैं। वे द्वारका के शासक हैं, लेकिन उन्हें सामान्यत: 'राजा श्रीकृष्ण' नहीं कहा जाता। वे ब्रजनंदन हैं, नंदलाल हैं, कन्हैया हैं, माखनचोर हैं, गोपियों के चितचोर हैं और रासरचैया हैं। यही उनकी महानता है कि सत्ता के शिखर पर पहुंचकर भी वे जनमानस से कभी दूर नहीं हुए। उनका नेतृत्व राजमहलों तक सीमित नहीं था, वह गांवों की गलियों, ग्वाल-बालों, किसानों, पशुपालकों और सामान्य जन के हृदय तक पहुंचता था।

श्रीकृष्ण का जीवन हमें सिखाता है कि श्रेष्ठ नेतृत्व केवल अधिकार प्राप्त करने का नाम नहीं, बल्कि जिम्मेदारी निभाने की कला है। उन्होंने सत्ता को कभी व्यक्तिगत सुख का साधन नहीं बनाया। समाज और राष्ट्र

की व्यवस्था उनके लिए कर्तव्य थी और धर्म उनकी आत्मनिष्ठा। इसीलिए उन्होंने परिस्थितियों से पलायन नहीं किया। जहां प्रेम की आवश्यकता थी वहां प्रेम दिया, जहां मित्रता की आवश्यकता थी वहां मित्र बने, जहां संवाद जरूरी था वहां संवाद किया और जहां अधर्म का प्रतिकार आवश्यक हुआ वहां अत्यंत कठोर होकर सामने आए। यही संतुलन कुशल नेतृत्व की सबसे बड़ी पहचान है। आज प्रबंधन की दुनिया में निर्णय क्षमता, समय-प्रबंधन, संकट-प्रबंधन, नेतृत्व, संवाद-कौशल, मनोविज्ञान और रणनीति को सफलता की अनिवार्य शर्त माना जाता है। इन सभी क्षेत्रों में श्रीकृष्ण का जीवन असाधारण उदाहरण प्रस्तुत करता है। कुरुक्षेत्र में अर्जुन जब मोह और मानसिक द्वंद्व से घिरकर अपने कर्तव्य से विमुख होने लगे, तब श्रीकृष्ण ने उन्हें केवल युद्ध के लिए प्रेरित नहीं किया, बल्कि जीवन का विराट दर्शन दिया। उन्होंने अर्जुन को कर्म का मर्म समझाया-मनुष्य का अधिकार कर्म पर है, परिणाम पर नहीं। यह संदेश आज भी हर विद्यार्थी, कर्मचारी, उद्यमी, प्रशासक, राजनीतिज्ञ और सामान्य व्यक्ति के लिए उतना ही उपयोगी है।

हमारी सबसे बड़ी कमजोरी अक्सर कर्म से अधिक परिणाम की चिंता होती है। परिणाम की चिंता मन को भय, तनाव और असमंजस से भर देती है। श्रीकृष्ण का कर्मयोग इस मानसिक बोझ से मुक्ति का मार्ग देता है। अपने कर्तव्य को पूरी निष्ठा, क्षमता और ईमानदारी से करना और परिणाम को व्यापक व्यवस्था पर छोड़ देना-यह जीवन-प्रबंधन का ऐसा सूत्र है जिसकी उपयोगिता कभी समाप्त नहीं हो सकती। श्रीकृष्ण की सबसे बड़ी विशेषताओं में से एक थी-स्थिर बुद्धि। शिशुपाल ने राजसूय यज्ञ की सभा में उन्हें लगातार अपमानित किया, फिर भी वे शांत रहे। दुर्योधन के दरबार में शांति-दूत बनकर गए और वहां भी उनका अपमान हुआ, लेकिन वे विचलित नहीं हुए। इससे हमें सीख मिलती है कि उत्तेजना में लिया गया निर्णय प्राय: समस्या बढ़ाता है, जबकि शांत मन समाधान का रास्ता खोलता है। आधुनिक परिवारों से लेकर संसद, प्रशासन और अंतरराष्ट्रीय संबंधों तक, यह प्रबंधन-सूत्र आज भी उतना ही प्रासंगिक है।

श्रीकृष्ण केवल युद्धनीति के ज्ञाता नहीं थे, वे शांति के भी सबसे बड़े समर्थक थे। महाभारत का युद्ध उनकी पहली पसंद नहीं था। उन्होंने युद्ध रोकने के लिए हर संभव प्रयास किया। जब संवाद और न्याय की संभावनाएं समाप्त हो गईं।

अश्लीलता बनाम तात्कालिक सनसनी!

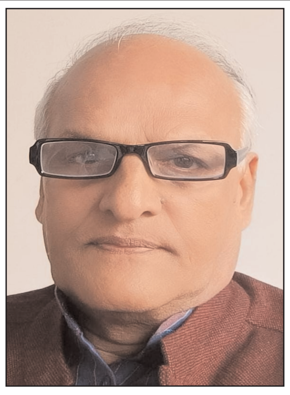

गिरीश पंकज

साहित्य मानव चेतना का सबसे परिष्कृत दर्पण है। यह समाज की संवेदनाओं को दिशा देता है, मनुष्य को उसकी संकीर्णताओं से मुक्त कर व्यापक मानवीय सरोकारों से जोड़ता है और संस्कृति का परिष्कार करता है। भारतीय काव्य परंपरा में 'सत्यं शिवं सुंदरम्' को साहित्य का मूल आधार माना गया है—जहाँ सत्य की अभिव्यक्ति हो, शिवत्व अर्थात लोक-कल्याण की भावना हो और सौंदर्य की उदात्त अनुभूति हो।

दुर्भाग्य से, वर्तमान समय में इस पावन परिसर में एक अत्यंत चिंताजनक और आत्मघाती प्रवृत्ति तेजी से पैर पसार रही है। इधर के कुछ युवा कवियों द्वारा चर्चा पाने, पाठकों का ध्यान अपनी ओर खींचने और रातों-रात सनसनी फैलाने के लिए कविताओं में नग्नता, फूहड़ता और अश्लीलता का खुला सहारा लिया जा रहा है। उससे भी अधिक चिंताजनक यह है कि कुछ पत्र-पत्रिकाएँ, डिजिटल मंच, सोशल मीडिया पृष्ठ और तथाकथित बौद्धिक प्रकाशक इसे 'क्रांति', 'बोल्डनेस' और 'यथार्थवाद' का आवरण पहनाकर न केवल प्रकाशित कर रहे हैं, बल्कि आक्रामक रूप से प्रसारित भी कर रहे हैं। यह प्रवृत्ति कविता के मर्म, साहित्य की गरिमा और समाज की संवेदनशील चेतना के लिए अत्यंत घातक है।

सस्ती लोकप्रियता की मृगमरीचिका और सनसनीखेज लेखन को समझना होगा । एक तरफ वास्तविक सौंदर्य कलात्मक यथार्थ है, तो दूसरी तरफ थोपी गई अश्लीलता, फूहड़ता है ।

सतसाहित्य का उद्देश्य होता है, पाठक की चेतना और सौंदर्य-बोध को जाग्रत करना।जबकि फूहड़ साहित्य का उद्देश्य केवल सस्ती उत्तेजना, तात्कालिक विवाद और सनसनी पैदा करना होता है ।

श्लील साहित्य व्यंजना, प्रतीकात्मकता और भाषा की गरिमा के साथ रचा जाता है । अश्लील साहित्य फूहड़, अशिष्ट और भाषाई मर्यादाओं से रहित होता है। श्रेष्ठ साहित्य व्यापक मानवीय सरोकार, प्रेम और लोक-कल्याण के लिए रचा जाता है, जबकि अश्लील साहित्य एकांगी देह-केंद्रित कुंठा और सतही बौद्धिक पाखंड भर होता है ।उत्तम साहित्य का शाश्वत प्रभाव होता है, वह पाठकों के हृदय में स्थायी स्थान बनाता है। जबकि फूहड़ लेखन तात्कालिक शोर के बाद विस्मृति के गर्त में विलीन हो जाता है । यथार्थवाद का अर्थ यह कदापि नहीं है कि समाज की हर विकृति या एकांत के हर क्षण को बिना किसी कलात्मक रूपांतरण के ज्यों-का-त्यों परोस दिया जाए। यदि कला में चयन, परिष्कार और औचित्य का विवेक ही न रहे, तो कला और अराजकता में क्या अंतर रह जाएगा

इस पतनशील प्रवृत्ति के लिए केवल युवा कवि ही उत्तरदायी नहीं हैं, बल्कि वे मंच और व्यवस्थाएँ भी बराबर की दोषी हैं जो इसे खाद-पानी दे रही है ।सोशल मीडिया के दौर में यह मानसिकता उस सामग्री को अधिक बढ़ावा देती है, जो विवाद पैदा करे। इस 'व्यूज' और 'फॉलोअर्स' की अंधी दौड़ ने गंभीर साहित्य को हाशिए पर धकेलने का काम किया है। कभी साहित्यिक पत्रिकाओं के संपादक नए रचनाकारों के लेखन को परिष्कृत करने का काम करते थे। आज कई तथाकथित डिजिटल प्रकाशक और

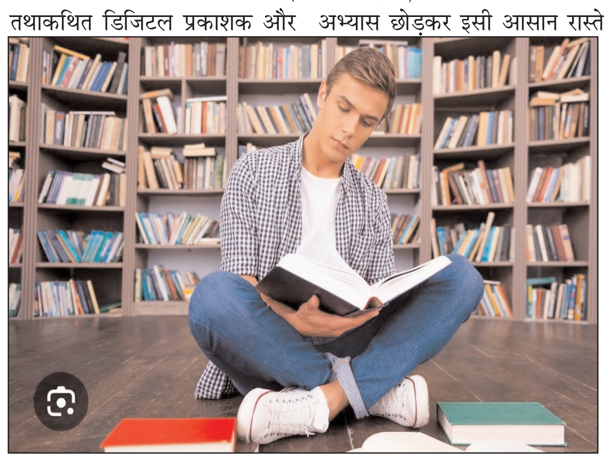

संपादक केवल 'वायरल' होने की लालसा में ऐसी रचनाओं को बिना किसी संकोच के स्थान दे रहे हैं। कुछ स्वयंभू आलोचक और साहित्यिक मठाधीश ऐसी विकृतियों को 'प्रगतिशीलता', 'रूढ़ि-भंजन' और 'नया विमर्श' कहकर महिमामंडित करते हैं। यह वैचारिक पाखंड युवा पीढ़ी को सही दिशा दिखाने के बजाय गलत रास्ते पर भटकने के लिए उकसाता है।

कविता केवल शब्दों का विलास नहीं है, वह समाज के अंत:करण को जाग्रत रखने वाली मशाल है। जब कविता अपनी मर्यादा खोकर अश्लीलता की ओर झुकती है, तो इसके दूरगामी दुष्प्रभाव सामने आते हैं।परिवार और सामान्य पाठक वर्ग, जो साहित्य में जीवन का मार्गदर्शन, सुकून और वैचारिक ऊर्जा तलाशता है, वह ऐसी कविताओं से बिदक जाता है। इससे समूची समकालीन कविता के प्रति पाठकों में अविश्वास और वितृष्णा पैदा होती है। जब नवोदित कवि देखते हैं कि गंभीर साधना करने वालों के बजाय सनसनी फैलाने वालों को जल्दी मंच और प्रशंसा मिल रही है, तो वे भी अध्ययन और अभ्यास छोड़कर इसी आसान रास्ते पर चलने के लिए प्रेरित होते हैं।

भाषा केवल संप्रेषण का माध्यम नहीं, बल्कि सभ्यता की वाहक होती है। जब कविता में मर्यादाहीन और फूहड़ शब्दावली को स्वीकृति मिलने लगती है, तो पूरी सांस्कृतिक भाषा का स्तर नीचे गिरता है। देश, समाज, आमजन की पीड़ा, शोषण, गैर-बराबरी, मानवीय संघर्ष और मानवीय मूल्यों से ध्यान हटकर रचनाकार केवल दैहिक और संकीर्ण वैयक्तिकता के दायरे में सिमट कर रह जाता है। इस आत्मघाती प्रवृत्ति पर विराम लगाने के लिए साहित्यिक समाज को सामूहिक और ठोस पहल करनी होगी ।समकालीन आलोचना को अपनी चुप्पी और गुटबाजी तोड़नी होगी। जो अश्लील, सतही और केवल सनसनी पैदा करने वाला लेखन है, उसे निर्भीकता से नकारा जाना चाहिए। चाटुकारिता या विवाद के डर से गलत को गलत न कहना आलोचना के धर्म का हनन है। पत्रिकाओं, पोर्टलों और प्रकाशकों को कड़े संपादकीय मानदण्ड तय करने होंगे ताकि फूहड़ता को मंच न मिल सके। रचना के स्तर पर कोई समझौता न हो।1वरिष्ठ साहित्यकारों, साहित्यिक संस्थाओं और कार्यशालाओं के माध्यम से नए कवियों को यह समझाया जाए कि मौलिकता भाषा के चमत्कार या सनसनी में नहीं, बल्कि दृष्टि की गहराई और संवेदनशीलता में होती है।पाठकों को भी ऐसे छिछले लेखन को अपनी प्रतिक्रिया या शेयर देकर बढ़ावा देने से बचना चाहिए। उपेक्षा और स्वस्थ आलोचना ऐसे भटकावों का सबसे प्रभावी इलाज है।कविता मनुष्य के भीतर करुणा, विवेक, प्रेम और क्रांति का बीजारोपण करती है। वह समाज की विकृतियों पर चोट करने वाला एक धारदार हथियार है, न कि स्वयं विकृति का प्रदर्शन करने वाली कोई सस्ती दुकान। युवा कवियों को यह गहराई से समझना होगा कि सनसनी का जीवन कुछ दिनों का होता है, किंतु सत्य, सौंदर्य और लोक-मंगल से ओत-प्रोत सृजन युगों-युगों तक जीवित रहता है। साहित्य की पवित्रता और महत्ता की रक्षा के लिए इस घातक प्रवृत्ति को समय रहते पहचानना और इसका दृढ़ता से प्रतिकार करना आज के समय की सबसे बड़ी अनिवार्य माँग है।

सृजन एक अत्यंत धैर्यसाध्य, गंभीर और तपस्यापूर्ण कर्म है। किसी भी रचनाकार को अपनी मौलिक पहचान बनाने, संवेदना को तराशने और भाषा को समृद्ध करने के लिए वर्षों का गहरा अध्ययन और वैचारिक साधना करनी पड़ती है। लेकिन वर्तमान डिजिटल युग के त्वरित प्रसिद्धि के दौर में धैर्य का लोप हो गया है।

यथार्थ और अश्लीलता

अनेक नए रचनाकारों के मन में यह भ्रांति बैठ गई है कि यदि वे समाज के स्वीकृत नैतिक मानदण्डों को अकारण ध्वस्त करेंगे, भाषाई मर्यादाओं को तोड़ेंगे और यौन कुंठाओं या दैहिक विवरणों को कविता का केंद्र बना देंगे, तो वे बहुत जल्दी चर्चा के केंद्र में आ जाएँगे। यह प्रवृत्ति कविता की आंतरिक शक्ति से नहीं, बल्कि पाठक को चौंकाने के छिछले विचार से उपजती है।सनसनीखेज पंक्तियाँ सोशल मीडिया पर कुछ 'लाइक्स', 'शेयर' या तात्कालिक विवाद तो दिला सकती हैं, किंतु वे कभी भी कविता को अमरत्व या पाठकीय आदर नहीं दिला सकतीं। जहाँ विचार, दृष्टि और गहरी जीवन-दृष्टि का अभाव होता है, वहीं अक्सर अश्लीलता का सहारा लिया जाता है।

प्राय: इस प्रकार के लेखन का बचाव यह कहकर किया जाता है कि 'साहित्य यथार्थ का चित्रण करता है' या 'यह तो प्रेम और देह का स्वाभाविक यथार्थ है'। किंतु यह तर्क साहित्य के मूल विवेक को नकारने जैसा है। भारतीय काव्यशास्त्र में शृंगार को 'रसराज' कहा गया है। कालिदास, विद्यापति, रसखान, सूरदास, बिहारी से लेकर छायावाद के कवियों—जयशंकर प्रसाद, निराला, पंत और महादेवी तक—प्रेम, रूप और देह का अत्यंत मनोहारी व मार्मिक चित्रण हुआ है। किंतु वहाँ एक अत्यंत सूक्ष्म सौंदर्य-बोध, संतुलन और कलात्मक संयम रहा है। कालिदास की 'कुमारसंभवम्' हो या प्रसाद की 'कामायनी', वहाँ देह आत्मा का आवरण बनकर आई है, न कि वासना का भद्दा प्रदर्शन।

हिमालय की दर्दभरी पुकार : रोक दो अब अत्याचार

पार्थसारथि थपलियाल

हिमालय केवल पर्वतों की एक विशाल शृंखला नहीं है। वह भारत और समूचे दक्षिण एशिया की जलवायु, जल-सुरक्षा, जैव-विविधता, सभ्यता और संस्कृति का आधार है। भारतीय मनीषा ने इसलिए हिमालय को केवल भूगोल का विषय नहीं माना, बल्कि उसे देवभूमि, तपोभूमि और संस्कृति की जीवंत चेतना के रूप में देखा।

26 अगस्त की घटना में हिमनदीय बर्फ-चट्टान के टूटने से ल्हेंदे खोला-भोते कोशी-त्रिशूली नदी तंत्र में अत्यंत तीव्र बाढ़ आई।

हिमालय की भौगोलिक स्थिति-

हिमालय विश्व की सबसे युवा और सक्रिय वलित पर्वत प्रणालियों में से एक है। लगभग 2,400 किलोमीटर लंबी यह पर्वतमाला पश्चिम में पाकिस्तान और अफगानिस्तान के निकटवर्ती पर्वतीय क्षेत्र से लेकर भारत, नेपाल और भूटान होते हुए पूर्व में अरुणाचल प्रदेश तथा तिब्बत के आसपास तक फैली है। इसके उत्तर में तिब्बती पठार और दक्षिण में भारतीय उपमहाद्वीप का विशाल मैदान स्थित है। भारत के जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश हिमालयी क्षेत्र के महत्वपूर्ण भाग हैं। नेपाल और भूटान का अधिकांश भूगोल हिमालय से जुड़ा है, जबकि चीन का तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र हिमालय की उत्तरी भौगोलिक पृष्ठभूमि बनाता है। पश्चिमी हिमालय का संबंध पाकिस्तान के पर्वतीय क्षेत्र से भी है।

हिमालय की यही भौगोलिक स्थिति उसे अत्यंत संवेदनशील बनाती है। भारतीय और यूरेशियाई प्लेटों की निरंतर टक्कर के कारण यह क्षेत्र भूगर्भीय रूप से सक्रिय है। इसलिए भूकंप, भूस्खलन, हिमस्खलन और चट्टानों के खिसकने की घटनाएं यहां स्वाभाविक जोखिम हैं। जब इन प्राकृतिक जोखिमों के साथ जलवायु परिवर्तन और अवैज्ञानिक निर्माण जुड़ जाते हैं, तो आपदा की तीव्रता कई गुना बढ़ जाती है।

हिमालय : एशिया का जल-भंडार

हिमालय का सबसे बड़ा वरदान उसके हिमनद और हिमक्षेत्र हैं। अंतरराष्ट्रीय एकीकृत पर्वतीय विकास केंद्र (ICIMOD) के अनुसार हिंदूकुश-हिमालय क्षेत्र के ग्लेशियरों का क्षरण 2000 के बाद और तेज हुआ है और 2000 के बाद बर्फ-हानि की दर में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। 2025 में इस क्षेत्र में मौसमी बर्फ की मौजूदगी सामान्य से 23.6 प्रतिशत कम रही, जो लगातार तीसरा कमजोर हिम-वर्ष था।

इसका अर्थ केवल यह नहीं है कि पहाड़ों पर बर्फ कम हो रही है। इसका प्रभाव नदी के प्रवाह, कृषि, पेयजल, जलविद्युत, वनस्पति, पशुपालन और पूरे पर्वतीय जीवन पर पड़ता है। हिमनदों के पीछे हटने से प्रारंभिक दौर में अचानक अधिक जल उपलब्ध हो सकता है, लेकिन दीर्घकाल में जलस्रोतों के कमजोर पड़ने का खतरा बढ़ता है। साथ ही हिमनदीय झीलों का विस्तार और उनका अचानक टूटना, जिसे ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड (यानी त्रस्ह्रस्न) कहा जाता है, नीचे बसे क्षेत्रों के लिए गंभीर खतरा बन सकता है।

बदलता पर्यावरण और असंतुलित विकास

हिमालय की समस्या केवल जलवायु परिवर्तन नहीं है। समस्या तब गंभीर होती है जब प्राकृतिक रूप से संवेदनशील भूभाग पर मनुष्य अत्यधिक दबाव डालता है। सड़क निर्माण के लिए पहाड़ों को काटना, सुरंगों और बांधों के लिए बड़े पैमाने पर विस्फोट, नदी के प्राकृतिक प्रवाह क्षेत्र में निर्माण, अत्यधिक पर्यटन, अनियोजित शहरीकरण, जंगलों की कटाई, होटल-रिसॉर्टों का विस्तार और कूड़े का बढ़ता बोझ हिमालय की वहन क्षमता को प्रभावित कर रहे हैं।

हिमालय को मैदान की तरह नहीं देखा जा सकता। मैदान में जहां एक सड़क के समानांतर दूसरी सड़क बनाई जा सकती है, वहीं पहाड़ में सड़क बनाने के लिए पहाड़ का एक हिस्सा काटना पड़ता है। इससे ढलान अस्थिर हो सकती है। जहां नदी को स्थान चाहिए, वहां यदि भवन खड़े कर दिए जाएं तो बाढ़ का पानी अपना रास्ता स्वयं बनाएगा। इसलिए प्रश्न यह नहीं होना चाहिए कि हिमालय में विकास हो या नहीं। प्रश्न यह होना चाहिए कि हिमालय में विकास किस प्रकार का हो। एक शताब्दी की आपदाएं : प्रकृति की चेतावनी

विगत लगभग सौ वर्षों का इतिहास हिमालय की संवेदनशीलता का प्रमाण है।

बोध कथा

गुरु और शिष्य

नई-नई दीक्षा पाए शिष्य ने अपने गुरु से कहा, 'गुरुदेव, उपासना में बिल्कुल ही मन नहीं लग रहा। बहुत कोशिश करके भी भगवान की ओर चित्त स्थिर नहीं होता।' गुरु कुछ देर तक शिष्य को देखते रहे। लगा जैसे कुछ समझने की कोशिश में हों। बोले, 'सच ही कहते हो वत्स, यहां ध्यान लगेगा भी नहीं। कहीं और चलकर साधना करेंगे। हो सकता है वहां ध्यान लग जाए। आज शाम में ही वहां चल देंगे। सूर्यास्त होते ही वे दोनों एक ओर चल पड़े। गुरु के हाथ में एक कमंडल था, शिष्य के हाथ में थी एक झोली, जिसे वह बड़ी मुश्किल से संभाले हुए चल रहा था। रास्ते में एक कुआं आया। शिष्य ने शौच जाने की इच्छा व्यक्त की। दोनों रुक गए। बहुत सावधानी से शिष्य ने झोला गुरु के पास रखा और शौच के लिए चल दिया। जाते-जाते उसने कई बार झोले पर नजर डाली। 'गड़ाम' एक तीव्र प्रतिध्वनि सुनाई दी और झोले में पड़ी कोई वस्तु कुएं में जा समाई। शिष्य दौड़ा हुआ आया और चिंतित स्वर में बोला, 'भगवन, झोले में सोने की ईंटें थीं, वो कहां गईं?' गुरु बोले, 'वो कुएं में चली गईं।

अब तुम्हारा ध्यान लग जाएगा। क्योंकि उसे भटकाने वाली चीज अब नहीं रही। अब कहो तो आगे बढ़ें या फिर वहीं लौट चलें, जहां से आए है। अब ध्यान न लगने की चिंता नहीं रहेगी।'

कविता

सूख गई वो नदियाँ क्यों?

अंकिता जैन

नदियाँ, जो सूख गईं सदा के लिए
वे इसलिए नहीं
कि गर्मी लील गई उन्हें
बल्कि इसलिए
कि हो गया उनका मोह भंग
बहाव से
कि क्या करेंगी बहकर
उस गंदगी के साथ जो रास्ते में बैठी है
धाक जमाए
पैर फैलाए
जो लील जाती है उनकी निर्मलता
उनका पाक शुद्ध चरित्र
और उनकी कोमलता भी
जो बना देती है उनको दूषित
कसैला और कड़वा
वो नहीं जीना चाहती जीवन
मैली होकर
बस इसलिए
डूब गई हैं विरक्ति में
और सूख गई हैं उस मोह में
जो है उन्हें, अपने सच्चे अस्तित्व से,
क्या कोई फ़र्क है?
इन नदियों और उन स्त्रियों में
जो अपने अस्तित्व के मोह में
चुन लेती हैं विरक्ति
या आत्म-मुक्ति॥

व्यंग्य केसरी

सर्वशक्तिमान सुपर हीरो..

डॉ. भारती यादव मेधा

हमारे राष्ट्रनिर्माता सच में राष्ट्र का अनूठा निर्माण कर रहे हैं। ये अगर अपना कर्तव्य न निभाएं, तो देश में न तो जनगणना हो सकती है, न पल्स पोलियो अभियान सफल हो सकता है, न ही चुनाव और सरकारी सर्वे की कल्पना की जा सकती है। ये राष्ट्रनिर्माता कहलाते ही इसलिए हैं क्योंकि यह माना जाता है कि वे भावी पीढ़ी के चरित्र और प्रतिभा को आकार देते हैं। यही कारण है कि व्यवस्था के हर गैर-शैक्षणिक काम में भी इनकी सहभागिता सबसे पहले नजर आती है।

लोकतंत्र का महापर्व चुनाव इन्हीं के कंधों पर टिका रहता है, जहाँ बीएलओ के रूप में घर-घर जाने वाली इनकी सेवाएं मुख्य होती हैं। आर्थिक गणना हो या जातिगत सर्वे, इनकी योग्यता पर ही प्रशासन को सबसे ज्यादा भरोसा होता है। पोलियो की बूंदें पिलानी हों या महामारी में निगरानी करनी हो, ये अपनी परवाह छोड़ ड्यूटी पर डटे रहते हैं। अब तो सुनने में आ रहा है कि श्वान-गणना की जिम्मेदारी भी इन्हें ही दी जाएगी ।वाकई बहुआयामी व्यक्तित्व हैं तभी तो शासन-प्रशासन इन्हें 'सुपरमैन' मानकर सर्वे, आपदा प्रबंधन और भीड़ जुटाने से लेकर अनुशासन बनाने तक की जिम्मेदारी सौंप देता है।

आज राष्ट्रनिर्माता की योग्यता उनके ज्ञान से नहीं बल्कि उनकी सहनशक्ति से आंकी जाती है। वे धूप में खड़े रहें, बारिश में भीगें, झिड़कियां सुनें, फिर भी मुस्कुराएं क्योंकि वे राष्ट्रनिर्माता हैं, कोई आम इंसान थोड़ी हैं । सबसे अद्भुत बात यह है कि इनकी ड्यूटी हर जगह लगती है पर इनकी बात कहीं नहीं सुनी जाती। वेतन की चर्चा पर बजट आड़े आता है, सुविधा मांगो तो नियम और मना करो तो राष्ट्र निर्माण का कर्तव्य याद दिला दिया जाता है।

राष्ट्रनिर्माता को उस काम को छोड़कर बाकी सब में लगा दिया गया है जिससे वास्तव में राष्ट्र बनता है। अब उनकी डायरी में लेसन प्लान की जगह ड्यूटी रोस्टर होता है—सोमवार को जनगणना, मंगलवार को आर्थिक सर्वे, बुधवार को बीएलओ ड्यूटी, गुरुवार को स्वच्छता की फोटो, शुक्रवार को योजनाओं का प्रचार, शनिवार को मिड-डे मील में आलू-प्याज का हिसाब और रविवार को अगली ड्यूटी की तैयारी।

राष्ट्र निर्माता को सुपरमैन की तरह मानकर कार्य कराना उनकी वास्तविक भूमिका के प्रति नाइंसाफी कतई नहीं कही जा सकती और ना ही व्यवस्था का दोष माना जा सकता है तो क्या हुआ अगर इनका अधिकांश समय रजिस्टर के मिलान, रैलियों के प्रबंधन और आंकड़ों की गणनाओं में बीत जाता है और राष्ट्र निर्माण का वह पवित्र दीपक कक्षा की दीवारों के भीतर जगमगाने की बजाय टिमटिमाने लगता है ।

सबसे मजेदार बात यह है कि साल के अंत में पढ़ाई का स्तर गिरने का सवाल भी इन्हीं से पूछा जाता है। सिलेबस पूरा नहीं होने का कारण भी उन्हें ही बताया जाता है लेकिन फिर भी राष्ट्र निर्माता देश के प्रति उसकी अटूट निष्ठा दर्शाते हुए मुस्कुराते हैं, चुप रहते हैं और अगली ड्यूटी की प्रतीक्षा करते हैं क्योंकि वे जानते हैं कि देश की नींव उन्हीं के सब्र पर टिकी है, उनकी ड्यूटी बदल सकती है पर राष्ट्र निर्माता की जिम्मेदारी कभी खत्म नहीं हो सकती

रायपुर

इतिहास

3 सितंबर का दिन भारत और विश्व इतिहास में कई महत्वपूर्ण घटनाओं, जन्म और ऐतिहासिक समझौतों के लिए जाना जाता है।

प्रमुख ऐतिहासिक घटनाएँ1783: अमेरिका और ब्रिटेन के बीच पेरिस की संधि पर हस्ताक्षर किए गए, जिससे अमेरिकी क्रांतिकारी युद्ध आधिकारिक रूप से समाप्त हुआ और ब्रिटेन ने अमेरिका की स्वतंत्रता को स्वीकार किया।

1875: अर्जेंटीना ओपन पोलो टूर्नामेंट के दौरान दुनिया का पहला आधिकारिक पोलो मैच खेला गया।

1971: कतर देश को 55 वर्षों के ब्रिटिश शासन के बाद स्वतंत्रता मिली।

1995: पियरे ओमिडयार द्वारा प्रसिद्ध इंटरनेट कंपनी eBay की स्थापना की गई।

प्रसिद्ध व्यक्तियों के जन्म1905: कमलापति त्रिपाठी - प्रसिद्ध भारतीय राजनीतिज्ञ, लेखक, पत्रकार और स्वतंत्रता सेनानी।

पीयूष गोयल जी20 व्यापार मंत्रियों की बैठक और भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता के लिए अमेरिका जाएंगे: सर्जियो गोर

विश्व केसरी

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल इस महीने के अंत में अमेरिका की यात्रा करेंगे, जहां वह जी20 व्यापार मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेने के साथ-साथ दोनों देशों के बीच जारी द्विपक्षीय व्यापार समझौते की वार्ता पर चर्चा करेंगे। यह जानकारी भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने बुधवार को दी।

ऑटोमोटिव कंपोनेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसीएमए) के 66वें वार्षिक सत्र को संबोधित करते हुए गोर ने कहा कि भारत और अमेरिका अपने व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं और वार्ता में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है।

अमेरिकी राजदूत ने कहा कि आने वाले हफ्तों में वॉशिंगटन में जी20 वार्ता की मेजबानी के दौरान गोयल अमेरिका का दौरा करेंगे। उन्होंने कहा कि दोनों सरकारें ऐसे व्यापारिक संबंध बनाने की दिशा में काम कर रही हैं, जो निष्पक्ष, पारस्परिक और दोनों देशों के लिए लाभकारी हों।

यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब भारत और अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं।

गोर ने कहा, 'अपने अच्छे मित्र और वाणिज्य मंत्री के साथ होना बहुत अच्छा है। अमेरिका और भारत बहुत करीबी से मिलकर काम कर रहे हैं और बहुत कुछ हो रहा है। उन्होंने कहा कि वॉशिंगटन जी20 बैठकों के लिए गोयल की मेजबानी करने को लेकर उत्सुक है।

गोर ने दोनों देशों के बीच हुई प्रगति का भी जिक्र किया, जिसमें दोनों सरकारों के बीच बनी व्यापार संबंधी समझ भी शामिल है। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच सहयोग केवल वस्तुओं के व्यापार तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें कई अन्य क्षेत्र भी शामिल हैं।

व्यापक सहयोग पर प्रकाश डालते हुए अमेरिकी राजदूत ने कहा कि दोनों देश कई क्षेत्रों में साझेदारी कर रहे हैं। उन्होंने इस साल की शुरुआत में हस्ताक्षरित पैक्ट सिलिका घोषणा का भी जिक्र किया। गोर के अनुसार, इस घोषणा का उद्देश्य नवाचार को बढ़ावा देने वाला नियामकीय ढांचा तैयार करना और अमेरिकी एवं भारतीय कंपनियों द्वारा सीमा-पार निवेश को बढ़ावा देना है।

उन्होंने कहा कि यह पहल दोनों देशों में उद्यमियों और नए कारोबार खड़े करने वाली अगली पीढ़ी को सशक्त बनाने में भी मदद करेगी।

सरकार के मुखिया का चरित्र ही दागदार है तो ऐसी घटनाएं सुनने को मिलती रहेंगी : प्रशांत किशोर

विश्व केसरी

मुजफ्फरपुर। जन सुराज के संस्थापक एवं विधायक प्रशांत किशोर ने बुधवार को कथित डस्टबिन घोटाले को लेकर पूर्व स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय और राजद नेता तेजस्वी यादव पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि डस्टबिन की खरीद प्रक्रिया तेजस्वी यादव के स्वास्थ्य मंत्री रहते शुरू हुई और पूरी मंगल पांडेय के कार्यकाल में हुई। ऐसे में दोनों पूर्व स्वास्थ्य मंत्रियों की भूमिका की जांच होनी चाहिए।

मुजफ्फरपुर में पत्रकारों से बातचीत के दौरान प्रशांत किशोर ने कहा कि मीडिया में सामने आई डस्टबिन खरीद से जुड़ी बातें चिंताजनक हैं। यदि पांच हजार रुपए का डस्टबिन 15 हजार रुपए में खरीदा गया है तो संबंधित विभाग के मंत्री और अधिकारी इसके लिए जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा कि उपलब्ध कागजात और जानकारी के आधार पर इस मामले में दोनों स्वास्थ्य मंत्रियों के कार्यकाल की जांच जरूरी है। उन्होंने कहा कि एक ऐसे पदाधिकारी की भूमिका भी सामने आ रही है, जो दोनों स्वास्थ्य मंत्रियों के कार्यकाल में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी में रहे।

प्रशांत किशोर ने कहा कि वह इस मामले में पूरी जानकारी सामने आने और संबंधित पक्ष की ओर से स्पष्टीकरण का इंतजार कर रहे हैं। प्रशांत किशोर ने कहा, 'मंगल पांडेय पर सबसे पहले सबूत के साथ भ्रष्टाचार का आरोप लगाने वाला व्यक्ति यही प्रशांत किशोर है।' उन्होंने कहा कि आज मंगल पांडेय मंत्री नहीं हैं, इसलिए किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई की मांग करने में राजनीतिक स्वार्थ नहीं होना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि भ्रष्टाचार करने वाला व्यक्ति चाहे किसी भी दल, जाति, या समूह से जुड़ा हो, उसे बचाने का सवाल नहीं उठता। उन्होंने मधुबनी में रोशन यादव की कथित हिरासत में पिटाई और बाद में मौत का मामला भी उठाया।

प्रशांत किशोर ने आरोप लगाया कि सरकार कई मामलों में लीपापोती कर रही है। उन्होंने कहा कि जन सुराज जहां भी व्यवस्था या व्यवस्था से जुड़े लोगों द्वारा किसी व्यक्ति के साथ अन्याय देखता है, वहां उसकी आवाज उठाने का प्रयास करता है। दिल्ली में एक मंत्री पर लड़की से कथित छेड़खानी और चप्पल-जूते से मारने के आरोप से जुड़े सवाल पर प्रशांत किशोर ने मुख्यमंत्री पर निशाना साधा।

हरियाणा के 504 करोड़ रुपए घोटाले में सीबीआई की तीसरी चार्जशीट, 19 और आरोपी नामजद

विश्व केसरी

पंचकूला। केंद्रीय जांच ब्यूरो ने बुधवार को हरियाणा सरकार के 504 करोड़ रुपए के धन के गबन से जुड़े मामले में पंचकूला स्थित सीबीआई मामलों की विशेष अदालत में तीसरी चार्जशीट दाखिल की। इस चार्जशीट में 19 आरोपियों को नामजद किया गया है।

इस मामले में सरकारी धन आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक में जमा था। नई चार्जशीट में हरियाणा कैडर के 6 आईएएस अधिकारियों, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के 3 अधिकारियों, एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के 1 अधिकारी और राज्य सरकार के 9 अन्य अधिकारियों को आरोपी बनाया गया है। इन पर आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी, सबूत नष्ट करने, जालसाजी, फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल, खातों में हेराफेरी, आपराधिक विश्वासघात, रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार जैसे आरोप लगाए गए हैं।

सीबीआई के अनुसार, जांच में पता चला कि सरकारी अधिकारियों ने बैंक अधिकारियों के साथ मिलकर सुनियोजित तरीके से इस धोखाधड़ी को अंजाम दिया।

साजिश के तहत राज्य सरकार के 8 विभागों के धन को विभिन्न अधिकृत बैंकों से निकालकर आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक की कुछ शाखाओं में खोले गए खातों में स्थानांतरित किया गया।

इस दौरान राज्य वित्त विभाग के वित्तीय अनुशासन और धोखाधड़ी रोकने संबंधी दिशानिर्देशों का उल्लंघन किया गया।

सीबीआई ने बताया कि इन खातों से धोखाधड़ी के जरिए पैसा निकालकर ऐसे तीसरे पक्षों के खातों में भेजा गया, जिनका सरकारी विभागों से कोई संबंध नहीं था। बाद में इस रकम को कई बैंक खातों के जरिए घुमाया गया और नकदी में बदला गया। आरोप है कि इस प्रक्रिया से आरोपियों ने अवैध रूप से आर्थिक लाभ कमाया।

एशिया का सबसे बड़ा हवाई शो 'एयरो इंडिया' बिखेरेगा अपनी चमक, 8 से 12 फरवरी येलहंका में होगा आयोजन

विश्व केसरी

नई दिल्ली। एशिया का सबसे बड़ा हवाई शो 'एयरो इंडिया' एक बार फिर आसमान में अपनी चमक बिखेरने को तैयार है। इसके 16वें संस्करण का आयोजन 8 से 12 फरवरी 2027 तक बेंगलुरु के वायुसेना स्टेशन, येलहंका में किया जाएगा।

गौरतलब है कि 'एयरो इंडिया' दुनिया की प्रमुख विमानन एवं रक्षा प्रदर्शनियों में शामिल है। यह रक्षा मंत्रालय के रक्षा उत्पादन विभाग की ओर से आयोजित किया जा रहा है। इस पांच दिवसीय आयोजन में दुनिया भर की प्रमुख विमानन और रक्षा कंपनियां, नीति निर्माता, तकनीकी विशेषज्ञ, नवाचारकर्ता, उद्योग जगत के प्रतिनिधि व रक्षा बलों के अधिकारी एक ही मंच पर जुटेंगे। एयरो इंडिया 2027 की सबसे बड़ी खासियतों में से एक शानदार हवाई प्रदर्शन होगा। भारतीय वायुसेना के साथ-साथ विभिन्न देशों की उड़ान टीमें भी इसमें हिस्सा लेंगी।

दर्शकों को आसमान में अत्याधुनिक लड़ाकू विमानों की क्षमता और रोमांचक उड़ान करतब देखने का मौका मिलेगा। यानी येलहंका का आसमान फरवरी में सिर्फ विमानों की गर्जना से नहीं गूंजेगा, बल्कि दुनिया के सामने भारत की बढ़ती विमानन और रक्षा क्षमता की तस्वीर भी पेश करेगा। यहां देश विदेश के लड़ाकू विमान, हेलीकॉप्टर व परिवहन विमान मौजूद रहेंगे।

एयरो इंडिया केवल हवाई करतबों का आयोजन नहीं है। यह दुनिया भर के रक्षा और विमानन उद्योग के लिए व्यापार, तकनीक और रणनीतिक सहयोग का बड़ा मंच बन चुका है। पांच दिनों के दौरान इंडस्ट्री टू इंडस्ट्री के बीच बातचीत, सरकार और उद्योग के बीच बैठकें, तकनीकी प्रदर्शन तथा विभिन्न प्रकार के सहयोग और साझेदारी के अवसर उपलब्ध होंगे। इससे कंपनियों को नई तकनीकों, निवेश और कारोबारी साझेदारियों की संभावनाएं तलाशने का अवसर मिलेगा।

कानपुर में बीएसएफ कांस्टेबल भर्ती परीक्षा के दौरान बड़ा हंगामा, उम्मीदवारों की री-एग्जाम की मांग

विश्व केसरी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के कानपुर में बीएसएफ हेड कांस्टेबल मिनिस्ट्रियल (बीएसएफ एचसीएम) भर्ती परीक्षा के दौरान बड़ा हंगामा हुआ है। तकनीकी खराबी के कारण परीक्षा रद्द कर दी गई और 18 सितंबर को पुनर्निर्धारित की गई है।

गाजीपुर जिले के रहने वाले आलोक यादव ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि परीक्षा के दौरान बार-बार सर्वर डाउन हो रहा था। इसके अतिरिक्त, 1 घंटा 40 मिनट की परीक्षा में कम से कम 5 बार इनविजिलेटरों ने परीक्षार्थियों को परेशान किया। इसका वीडियो भी अभ्यर्थियों के पास मौजूद है। इन सबके बाबजूद छात्रों को नोटिस नहीं दिया जा रहा है कि यह परीक्षा फिर से आयोजित की जाएगी या नहीं। इसी को लेकर हमलोग प्रदर्शन कर रहे हैं। हालांकि, कुछ देर के प्रदर्शन के बाद ये लोग आनन-फानन में हमलोग के सामने एक झूठा नोटिस लेकर आते हैं, जिसके बारे में नहीं बताया जा सकता है कि यह सही है या गलत।

उन्होंने बताया कि इस भर्ती परीक्षा का पेपर पिछले 2 वर्षों से अटका हुआ था।

अहमदाबाद हवाई अड्डे पर 1.93 किलोग्राम गांजा जब्त, पति-पत्नी गिरफ्तार

विश्व केसरी

अहमदाबाद। अहमदाबाद सीमा शुल्क अधिकारियों ने बुधवार को ट्रॉली बैग के अंदर विशेष रूप से बनाए गए स्थान से 1.928 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक मारिजुआना जब्त करने में सफलता पाई। इसके साथ ही बैंकॉक से आए पति-पत्नी को गिरफ्तार किया गया। यह सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (एसवीपीआईए) पर दो दिनों में दूसरी ऐसी जब्ती है।

यात्रियों की प्रोफाइलिंग और एक्स-रे स्कैनिंग के आधार पर कार्रवाई करते हुए अहमदाबाद सीमा शुल्क की वायु खुफिया इकाई (एआईयू) के अधिकारियों ने बैंकॉक से थाई एयरवेज की उड़ान टीजी-343 से आए दो यात्रियों को रोका। वडोदरा के रहने वाले दोनों 50 वर्षीय यात्रियों के सामान की विस्तृत जांच की गई। जांच के दौरान, अधिकारियों ने ट्रॉली बैग के अंदर बनाई गई जगहों का पता लगाया। इसकी जांच में वैक्यूम-पैक पारदर्शी पॉलीथीन पैकेटों में छिपाए गए हरे रंग के पदार्थ मिले।

बरामद पदार्थ के प्रारंभिक परीक्षण से 'गांजा' (हाइड्रोपोनिक मारिजुआना) की उपस्थिति का पता चला। अहमदाबाद सीमा शुल्क के अनुसार, 10 पैकेटों में कुल 1,928 ग्राम गांजा पाया गया।

तेलंगाना रक्षणा सेना ने पुलिस कांस्टेबल की कथित अभद्र पोस्ट पर सीएम और डीजीपी का इस्तीफा मांगा

विश्व केसरी

हैदराबाद। तेलंगाना में सत्तारूढ़ सरकार और पुलिस प्रशासन पर राजनीतिक दबाव बढ़ाते हुए तेलंगाना रक्षणा सेना (टीआरएस) ने एक पुलिस कांस्टेबल की कथित सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) के इस्तीफे की मांग की है।

विवाद उस समय शुरू हुआ जब एक कार्यरत पुलिस कांस्टेबल पर टीआरएस नेता के. कविता के खिलाफ सोशल मीडिया पर कथित तौर पर अश्लील और अभद्र टिप्पणी करने का आरोप लगा। पार्टी नेतृत्व ने इसे महिलाओं के सम्मान पर हमला बताते हुए आरोपी कांस्टेबल के खिलाफ औपचारिक पुलिस शिकायत दर्ज कराई है।

टीआरएस के राष्ट्रीय प्रवक्ता आकाश कोल्लुरु ने मामले को लेकर राज्य की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि यह टिप्पणी बेहद आपत्तिजनक है और मामला इसलिए और गंभीर हो जाता है क्योंकि इसे करने का आरोप एक वर्दीधारी पुलिसकर्मी पर है।

कोल्लुरु ने आरोप लगाया कि घटना के 24 घंटे से अधिक समय बीत जाने के बावजूद आरोपी कांस्टेबल के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने कहा कि सरकार सोशल मीडिया पर विरोध दर्ज कराने वालों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई करती है, लेकिन अपने ही विभाग के कर्मचारी पर कार्रवाई करने से बच रही है।

जम्मू : सांबा-बट्टल रोड के पुनर्वास के लिए 38.84 करोड़ रुपए मंजूर, केंद्रीय राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने दी जानकारी

विश्व केसरी

जम्मू। केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने सांबा, उधमपुर और कठुआ जिलों के लोगों के लिए बड़ी राहत की घोषणा की है। उन्होंने बताया कि स्थानीय लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांग पर कार्रवाई करते हुए सीमा सड़क संगठन ने सांबा-बट्टल रोड के पुनर्वास कार्य के लिए 38.84 करोड़ रुपए आवंटित करने के आदेश जारी कर दिए हैं।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी साझा करते हुए कहा, '31 अगस्त को स्थानीय लोगों को आश्वासन दिया गया था कि बीआरओ के माध्यम से सड़क की मरम्मत और पुनर्स्थापना से जुड़ी समस्याओं का जल्द समाधान किया जाएगा।' उन्होंने कहा कि मात्र 48 घंटे के भीतर बीआरओ ने आवश्यक राशि आवंटित करने का आदेश जारी कर दिया है। उन्होंने बताया कि 38.84 करोड़ रुपए की राशि एक सप्ताह के भीतर जारी कर दी जाएगी, जबकि सड़क पर काम तुरंत शुरू किया जा रहा है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की संवेदनशीलता और त्वरित कार्यशैली का एक और उदाहरण है, जिसमें नागरिकों की वास्तविक समस्याओं का तेजी से समाधान किया जाता है।

बीआरओ की ओर से जारी पत्र के अनुसार, जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश में 'प्रोजेक्ट संपर्क' के तहत सांबा-बट्टल रोड के किलोमीटर 0.00 से 26.70 तक के हिस्से पर पुनर्वास कार्य किया जाएगा। वर्तमान में सड़क पर स्पेशल रेस्टोरेशन ऑफ मानसून डैमेज और इमीडिएट रेस्टोरेशन ऑफ मानसून डैमेज के तहत मरम्मत कार्य जारी हैं।

पत्र के अनुसार, अंतरिम रखरखाव कार्यों के तहत 22 टो वॉल और रिटेनिंग वॉल का निर्माण किया जा रहा है। दो पुलिया (कल्वर्ट) का निर्माण कार्य प्रगति पर है। खराब हिस्सों में 422 मीटर सड़क पर सर्फेसिंग का काम चल रहा है। बीआरओ ने कहा कि ये कार्य सड़क की तत्काल जरूरतों को पूरा करने के लिए किए जा रहे हैं, जबकि व्यापक पुनर्वास योजना अलग से लागू की जाएगी।

गुजरात: 150 रुपए के 'रील टास्क' का लालच देकर 26.12 लाख की धोखाधड़ी, छात्र गिरफ्तार

विश्व केसरी

सूरत। 26.12 लाख रुपए के कथित साइबर फ्रॉड के मामले में सिलवासा से एक 20 साल के छात्र को गिरफ्तार किया गया है। इस मामले में सूरत के एक निवासी को पहले सोशल मीडिया रील्स देखने और उन्हें लाइक करने के लिए छोटे-छोटे पेमेंट का लालच दिया गया, और फिर बाद में उसे बड़े 'इन्वेस्टमेंट' पेमेंट करने के लिए मनाया गया।

आरोपी की पहचान आदित्य पांडे के तौर पर हुई है, जो दादरा और नगर हवेली का रहने वाला है और मूल रूप से उत्तर प्रदेश के गाजीपुर का है। उसे सूरत शहर पुलिस की साइबर क्राइम सेल ने तकनीकी जांच के बाद गिरफ्तार किया।

पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता से शुरू में टेलीग्राम के जरिए संपर्क किया गया और 'शेयरचैट' रील्स देखने जैसे काम करने का ऑफर दिया गया।

पीड़ित का भरोसा जीतने के लिए, धोखाधड़ी करने वालों ने शुरुआती काम के बाद शिकायतकर्ता के बैंक खाते में 150 रुपए जमा किए। इसके बाद शिकायतकर्ता को बताया गया कि पेमेंट और इन्वेस्टमेंट वाले कामों से ज्यादा कमाई की जा सकती है। आरोपी ने कथित तौर पर टेलीग्राम के जरिए नकली और फर्जी वेबसाइटों के लिंक भेजे, जहां शिकायतकर्ता से अकाउंट बनाने और कथित इन्वेस्टमेंट के कामों के तहत अलग-अलग बैंक खातों में पैसे ट्रांसफर करने के लिए कहा गया।

पुलिस ने बताया कि शिकायतकर्ता ने आखिरकार 26,12,791 रुपए ट्रांसफर कर दिए। जब ??शिकायतकर्ता ने बाद में पैसे निकालने की कोशिश की, तो निकासी प्रोसेस नहीं हो पाई, जिससे उन्हें एहसास हुआ कि ये ट्रांजैक्शन धोखाधड़ी वाले थे।

मध्य पूर्व में तनाव से भारतीय शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद, सेंसेक्स 374 अंक फिसला

विश्व केसरी

मुंबई। मध्य पूर्व में तनाव बढ़ने के कारण भारतीय शेयर बाजार बुधवार के कारोबारी सत्र में लाल निशान में बंद हुआ। दिन के अंत में सेंसेक्स 373.93 अंक या 0.49 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 76,570.35 और निफ्टी 141.35 अंक या 0.59 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,914.45 पर था।

बाजार में गिरावट व्यापक आधार पर थी। लार्जकैप के साथ-साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी कमजोरी देखने को मिली। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 332.90 अंक या 0.53 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 63,001.60 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 74 अंक या 0.37 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 19,812.25 पर था।

बाजार में गिरावट का नेतृत्व ऑटो और आईटी शेयरों में किया। निफ्टी ऑटो 1.79 प्रतिशत, निफ्टी मीडिया 1.75 प्रतिशत, निफ्टी आईटी 1.25 प्रतिशत, निफ्टी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग 0.81 प्रतिशत, निफ्टी सर्विसेज 0.75 प्रतिशत, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज 0.73 प्रतिशत और निफ्टी कंजम्प्शन 0.67 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ।

दूसरी तरफ निफ्टी एनर्जी 0.59 प्रतिशत, निफ्टी कमोडिटीज 0.54 प्रतिशत, निफ्टी पीएसई 0.38 प्रतिशत, निफ्टी ऑयलएंडगैस 0.33 प्रतिशत, निफ्टी रियल्टी 0.21 प्रतिशत और निफ्टी इन्फ्रा 0.03 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ।

सेंसेक्स पैक में अदाणी पोर्ट्स, बजाज फिनसर्व, पावर ग्रिड, एनटीपीसी, टाइटन, ट्रेंट, बजाज फाइनेंस, सन फार्मा और आईटीसी गेनर्स थे। एशियन पेंट्स, एमएंडएम, एचडीएफसी बैंक, एचसीएल टेक, बीईएल, इन्फोसिस, एसबीआई, इंडिगो, एचयूएल, टीसीएस, टेक महिंद्रा, आईसीआईसीआई बैंक, मारुति सुजुकी, भारती एयरटेल, एक्सिस बैंक, इटरनल, टाटा स्टील और अल्ट्राटेक सीमेंट लूजर्स थे।

बाजार के जानकारों ने कहा कि अमेरिका-ईरान के बीच युद्ध फिर से शुरू होने से मध्य पूर्व में तनाव बढ़ गया है। इससे कच्चे तेल की कीमतें फिर से 95 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई हैं। यह भारत के साथ वैश्विक बाजारों पर भी दबाव बनाने का काम कर रहा है। इससे ऑटो, आईटी और मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं।

सीसीपीए ने विस्फोटक पदार्थों को ऑनलाइन बेचने पर की कार्रवाई, डायल4ट्रेड पर लगाया 10 लाख रुपए का जुर्माना

विश्व केसरी

मुंबई। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने बिना अनिवार्य सुरक्षा उपायों के विस्फोटक पदार्थों को ऑनलाइन बेचने पर बड़ी कार्रवाई करते हुए डायल4ट्रेड टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड पर 10 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। यह जानकारी उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय की ओर से बुधवार को दी गई।

मंत्रालय ने कहा कि यह कार्रवाई विनियमित खतरनाक और विस्फोटक पदार्थों की लिस्टिंग और बिक्री के संदर्भ में ऑनलाइन प्लेटफॉर्मों की क्षेत्र-व्यापी जांच के बाद हुई है। इसमें लाइसेंस सत्यापन, खरीदार की पात्रता जांच और अनिवार्य सुरक्षा संबंधी जानकारी के बिना अपने प्लेटफॉर्म पर अमोनियम नाइट्रेट की ऑनलाइन लिस्टिंग की सुविधा देने के लिए डायल4ट्रेड दोषी पाया गया है।

साथ ही, सीसीपीए ने डायल4ट्रेड को अपने प्लेटफॉर्म पर अमोनियम नाइट्रेट या विस्फोटक अधिनियम, 1884 के तहत विस्फोटक के रूप में वर्गीकृत किसी भी अन्य पदार्थ की लिस्टिंग, होस्टिंग, विज्ञापन या बिक्री को तुरंत बंद करने का निर्देश भी दिया है। सीसीपीए ने माना कि किसी डिजिटल मार्केटप्लेस पर उपलब्ध कराई गई और इंटरनेट के माध्यम से जनता तक पहुंचाई गई उत्पाद सूची उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 की धारा 2(1) के तहत 'विज्ञापन' की परिभाषा के अंतर्गत आती है। किसी विनियमित विस्फोटक पदार्थ को सामान्य उपभोक्ता उत्पाद की तरह बिक्री के लिए प्रस्तुत करना और उपयोगकर्ताओं को यह सूचित नहीं करना कि इसकी वैध खरीद के लिए निर्धारित लाइसेंस आवश्यक है, इस अधिनियम की धारा 2(28) और 2(47) के तहत भ्रामक विज्ञापन और अनुचित व्यापार व्यवहार है।

डायल4ट्रेड ने तर्क दिया कि वह एक बिजनेस-टू-बिजनेस (बी2बी) मार्केटप्लेस मध्यस्थ के रूप में काम करता है और इसलिए तीसरे पक्ष के विक्रेताओं द्वारा अपलोड की गई सूचियों के लिए उसे जिम्मेदार नहीं ठहराया जाना चाहिए।

आर्थिक मोर्चे पर खुशखबरी, जापान क्रेडिट रेटिंग एजेंसी ने भारत की रेटिंग को बढ़ाकर 'ए- स्टेबल' किया

विश्व केसरी

मुंबई। देश के लिए आर्थिक मोर्चे पर खुशखबरी है। जापान क्रेडिट रेटिंग (जेसीआर) एजेंसी ने भारत की 'फॉरेन करेंसी लॉन्ग-टर्म इश्यूअर रेटिंग' और 'लोकल करेंसी लॉन्ग-टर्म इश्यूअर रेटिंग' को 'बीबीबी+' से बढ़ाकर 'ए-स्टेबल' कर दिया है। इसकी वजह अर्थव्यवस्था की तेज रफ्तार को बताया है।

जेसीआर ने अपने नोट में कहा कि भारत की आर्थिक विकास दर 7 प्रतिशत के उच्च स्तर पर बनी हुई है और इसे निजी खपत और सरकारी निवेश का समर्थन मिल रहा है।

भारत सरकार की नीतियां भी लगातार आर्थिक वृद्धि में मदद कर रही हैं, इसमें डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास और गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (जीएसटी) को लागू करना शामिल है। इससे देश का आर्थिक आधार पहले के मुकाबले मजबूत हुआ है।

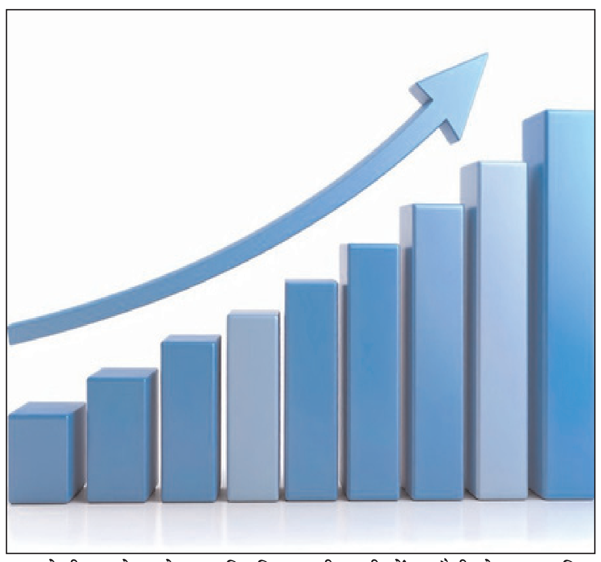

जेसीआर ने आगे कहा कि वित्त वर्ष 26 में भारत की अर्थव्यवस्था 7.7 प्रतिशत की दर से बढ़ी है और वित्त वर्ष 27 में इसके 6 प्रतिशत से अधिक की तेजी से बढ़ने का अनुमान है।

इसे इनकम टैक्स और जीएसटी में कटौती से सहारा मिल रहा है। हालांकि, मध्य पूर्व में तनाव बढ़ने के कारण खाद्य उत्पादों की कीमतों में इजाफा हुआ है और इस कारण से महंगाई में बढ़ोतरी हो रही है, लेकिन यह अभी भी आरबीआई के लक्ष्य के अंदर बनी हुई है।

नोट में देश के बैंकिंग सेक्टर की सराहना करते हुए जेसीआर ने आगे कहा कि भारत का बैंकिंग सेक्टर मजबूत स्थिति में है और नॉन-परफॉरमिंग लोन रेश्यो 2 प्रतिशत की नीचे चला गया है। इसकी वजह भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से कड़ी निगरानी और नई दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता लागू करना है।

वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में विकास दर 7.8 प्रतिशत रही है। यह पिछले साल की समान अवधि की विकास दर 6.9 प्रतिशत से 0.9 प्रतिशत ज्यादा है।

यह आरबीआई के अनुमान से ज्यादा है। अगस्त की शुरुआत में मौद्रिक नीति कमेटी (एमपीसी) के फैसलों के ऐलान के दौरान आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही के लिए जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 7 प्रतिशत बताया था।

आईसीआईसीआई बैंक ने आरबीआई की एफसीएनआर (बी) स्वैप सुविधा के तहत 17.88 अरब डॉलर जुटाए

विश्व केसरी

नई दिल्ली। आईसीआईसीआई बैंक ने बुधवार को एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि उसने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की विशेष डॉलर-रुपया स्वैप सुविधा के तहत विदेशी मुद्रा अनिवासी (एफसीएनआर(बी)) जमा के जरिए करीब 17.88 अरब डॉलर जुटाए हैं।

बैंक ने बताया कि जुटाई गई राशि में से ऐसी जमाओं के बदले बैंक की अंतरराष्ट्रीय शाखाओं और सहायक कंपनियों द्वारा दिए गए ऋण की राशि करीब 9 अरब डॉलर रही। वहीं, ऐसी जमाओं से समर्थित ऋण के बदले बैंक द्वारा अन्य ऋणदाताओं को जारी किए गए स्टैंडबाय लेटर ऑफ क्रेडिट (एसबीएलसी) करीब 3.63 अरब डॉलर के रहे।

हालांकि, रिपोर्टों में दावा किया गया है कि आरबीआई की डॉलर जमा योजना के जरिए 100 अरब डॉलर से अधिक की राशि जुटाई गई है।

इसके अलावा, आईसीआईसीआई बैंक ने बताया कि उसने जुलाई और अगस्त 2026 के दौरान कुल 3.55 अरब डॉलर के अमेरिकी डॉलर-मूल्य वाले बॉन्ड जारी किए हैं।

आरबीआई ने रुपए पर दबाव के बीच विदेशी मुद्रा का प्रवाह बढ़ाने के लिए 8 जून को यह सुविधा शुरू की थी।

केंद्रीय बैंक के अनुसार, 21 अगस्त तक अधिकृत डीलर बैंकों ने इस योजना के तहत 72.848 अरब डॉलर का विदेशी मुद्रा प्रवाह जुटाया था। इसमें एफसीएनआर(बी) जमा की हिस्सेदारी 65.397 अरब डॉलर थी।

वहीं, 21 अगस्त तक इस सुविधा के तहत ईसीबी और ओएफसीबी के जरिए 7.451 अरब डॉलर का अतिरिक्त विदेशी मुद्रा प्रवाह आया था। ईसीबी और ओएफसीबी के लिए यह सुविधा 31 दिसंबर 2026 तक खुली रहेगी।

सरकार ने अगस्त में कहा था कि इस योजना से विदेशी मुद्रा के प्रवाह में तेज वृद्धि हुई है और इसे भारत द्वारा अब तक की गई सबसे बड़ी और सबसे तेज विदेशी मुद्रा जुटाने की कवायद बताया था। यह 2013 की एफसीएनआर(बी) स्वैप योजना के स्तर को भी पार कर गई है।आरबीआई ने शुरुआत में घोषणा की थी कि एफसीएनआर(बी) विंडो 30 सितंबर तक खुली रहेगी, लेकिन उत्साहजनक प्रतिक्रिया और पर्याप्त विदेशी मुद्रा जुटाए जाने का हवाला देते हुए ।

जीडीपी की वृद्धि दर 2.6 प्रतिशत होने के दावे को केंद्र ने किया खारिज, कहा- नई सीरीज पर आधारित है डेटा

विश्व केसरी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने बुधवार को उन दावों को खारिज कर दिया, जिसमें दावा किया गया था कि वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही के आंकड़े को अच्छा दिखाने के लिए पिछले साल की पहली तिमाही की चालू जीडीपी के आंकड़े को संशोधित करके 86 लाख करोड़ रुपए से घटाकर 80 लाख करोड़ रुपए कर दिया गया है। अगर ऐसा नहीं किया गया होता तो चालू कीमतों में जीडीपी की ग्रोथ 2.6 प्रतिशत थी।

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की ओर जारी बयान में कहा गया कि 2026-27 की पहली तिमाही की जीडीपी का अनुमान 2022-23 को आधार वर्ष मानकर नई सीरीज के आधार पर लगाया गया है। इस कारण, इसकी तुलना 2025-26 की पहली तिमाही के 86 लाख करोड़ रुपए के आंकड़े से नहीं की जा सकती, क्योंकि वह आंकड़ा पुरानी सीरीज का हिस्सा था जिसमें 2011-12 आधार वर्ष था। सही तुलना केवल 2022-23 को आधार वर्ष मानकर नई सीरीज के डेटा के आधार पर निकाले गए 80 लाख करोड़ रुपए के आंकड़े से ही की जा सकती है।

मंत्रालय ने कहा कि पहली तिमाही के जीडीपी अनुमानों की तुलना से पहले जीडीपी सीरीज में किए गए बदलावों को समझना जरूरी है। पहली तिमाही 2025-26 के अनुमान में बदलाव का मतलब यह नहीं है कि मौजूदा साल की ग्रोथ को ज्यादा दिखाने के लिए इसे घटाया गया है। यह जीडीपी सीरीज में लगातार किए गए तरीके और डेटा से जुड़े बदलावों को दिखाता है। तिमाही जीडीपी के अनुमान 'बेंचमार्क-इंडिकेटर' तरीके से तैयार किए जाते हैं। इस तरीके में तिमाही अनुमानों में बदलाव संबंधित 'हाई-फ्रीक्वेंसी इंडिकेटर्स' में होने वाले संशोधनों के आधार पर तय होता है। बयान में कहा गया है कि तिमाही सीरीज में सौ से ज्यादा वॉल्यूम या वैल्यू इंडिकेटर्स का इस्तेमाल किया जाता है, जैसे कि फसल उत्पादन में बढ़ोतरी, सीमेंट उत्पादन इंडेक्स में बढ़ोतरी, तैयार स्टील की खपत में बढ़ोतरी और कमर्शियल गाड़ियों की बिक्री में बढ़ोतरी आदि। पिछले साल के बेंचमार्क में बदलाव से, अपने आप चालू वर्ष की वास्तविक आर्थिक गतिविधि या अनुमान लगाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले संकेतकों में कोई बनावटी बढ़ोतरी नहीं होती है।

अदाणी पोर्ट्स ने अगस्त में संभाला 5 करोड़ मीट्रिक टन कार्गो, 19 प्रतिशत की हुई वृद्धि

विश्व केसरी

अहमदाबाद। अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड (एपीएसईजेड) ने बुधवार को कहा कि अगस्त 2026 में कंपनी ने 5 करोड़ मीट्रिक टन कार्गो संभाला है। इसमें सालाना आधार पर 19 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

कंपनी ने कहा कि यह कंपनी द्वारा किसी एक महीने में संभाला गया, अब तक का सबसे अधिक कार्गो है, जो उसके राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पोर्ट्स की क्षमता को दिखाता है।

अगस्त में कार्गो ढुलाई में वृद्धि की वजह ड्राई कार्गो का सालाना आधार पर 25 प्रतिशत और कंटेनर वॉल्यूम का सालाना आधार पर 15 प्रतिशत बढ़ना था।

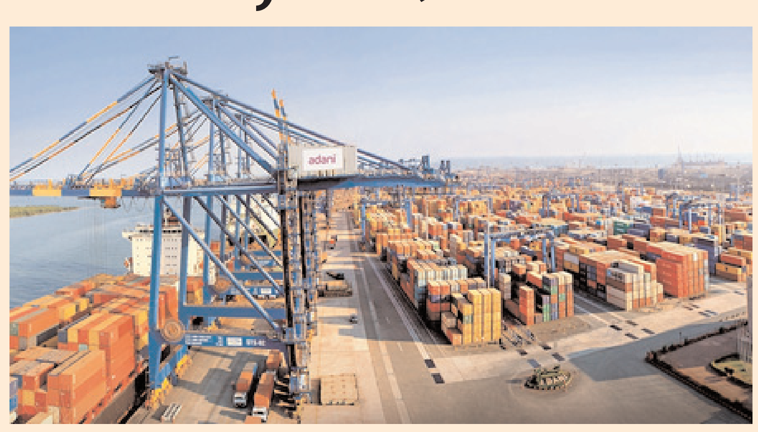

एपीएसईजेड ने कहा कि यह प्रदर्शन उसकी अलग-अलग तरह से ग्रोथ करने की रणनीति की सफलता को दिखाती है, जिसमें विझिंजम और कोलंबो में ट्रांसशिपमेंट ऑपरेशन्स की वजह से कंटेनर वॉल्यूम में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है।

अगस्त तक, इस साल अब तक एपीएसईजेड ने 23.44 करोड़ मीट्रिक टन कार्गो संभाला, जो पिछले साल के मुकाबले 16 प्रतिशत ज्यादा है। इस बढ़ोतरी में ड्राई कार्गो (17 प्रतिशत की वृद्धि) और कंटेनर (15 प्रतिशत की वृद्धि) का अहम योगदान रहा।

कंपनी ने कहा कि महीने का यह शानदार प्रदर्शन एपीएसईजेड को वित्त वर्ष 2031 तक सालाना 100 करोड़ मीट्रिक टन कार्गो संभालने के अपने लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढ़ने में मदद करेगा।

इसके बाद, बुधवार को बीएसई पर एपीएसईजेड के शेयरों में तेजी देखी गई। शेयर 1.61 प्रतिशत या 27 रुपए प्रति शेयर चढ़कर दोपहर 1:20 बजे तक 1,674 रुपए के इंट्राडे हाई पर पहुंच गए।

एपीएसईजेड का 52-हफ्ते का उच्चतम स्तर 1,891.80 रुपए और निचला स्तर 1,293.10 रुपए छुआ है।

चीन ने व्यापार असंतुलन से जुड़े प्रस्तावों पर जी20 की आम सहमति को रोका

विश्व केसरी

एशविले। अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने कहा कि चीन ने जी20 वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक गवर्नरों की बैठक में आम सहमति बनने से रोक दिया। चीन ने व्यापार में लगातार असंतुलन और गैर-बाजार आर्थिक तौर-तरीकों को लक्षित करने वाले प्रस्तावों पर आपत्ति जताई थी।

बाकी 19 सदस्यों ने चेयरमैन के उस बयान का समर्थन किया, जिसमें कहा गया था कि जिन देशों का बाहरी सरप्लस बहुत ज्यादा है, उन्हें ऐसी नीतियां हटानी चाहिए जो घरेलू खपत को रोकती हैं और निर्यात पर बहुत अधिक निर्भरता पैदा करती हैं। भारत भी उन सदस्यों में शामिल था, जिन्होंने इस बयान का समर्थन किया।

नॉर्थ कैरोलिना के ऐशविले में दो दिन की बैठक के बाद मंगलवार (स्थानीय समय) को बेसेंट ने पत्रकारों से कहा, 'यह साफ है कि दुनिया में सबसे अधिक और टिकाऊ न रहने वाले करंट अकाउंट सरप्लस वाला देश, यानी पीपल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना, इस बात से असहमत था। उन्होंने कहा, 'हमारे साथ 19 और सदस्य हैं और जैसा कि मैंने कहा, मेरे चेयरमैन का बयान उसी बात को दोहराएगा।

बयान में कहा गया कि बहुत ज्यादा और लगातार असंतुलन बाजारों को बिगाड़ सकते हैं, सप्लाई चेन को कमजोर कर सकते हैं और दूसरी अर्थव्यवस्थाओं पर बुरा असर डाल सकते हैं। इसमें देशों से कहा गया कि वे ऐसी गैर-बाजार नीतियां और तौर-तरीके खत्म करें, जो इस तरह के असंतुलन को और बढ़ाते हैं। चीन ने चार हिस्सों पर आपत्ति जताई, जिनमें एनर्जी ट्रेड और होर्मुज जलडमरूमध्य, ग्लोबल इकोनॉमिक असंतुलन, इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड की निगरानी और सॉवरेन डेट रीस्ट्रक्चरिंग (सरकारी कर्ज का पुनर्गठन) शामिल थे। बेसेंट ने कहा कि दूसरे सदस्यों के बीच हुआ समझौता, उन अर्थव्यवस्थाओं के बारे में बढ़ती अंतरराष्ट्रीय चिंता को दिखाता है जो सब्सिडी वाले प्रोडक्शन और एक्सपोर्ट पर बहुत ज्यादा निर्भर हैं। उन्होंने कहा, 'हमारा मानना ??है कि पूरी दुनिया में नॉन-मार्केट-बेस्ड अर्थव्यवस्थाओं द्वारा सस्ते एक्सपोर्ट की कभी न खत्म होने वाली बाढ़ लाना टिकाऊ नहीं है।' बेसेंट ने आगे कहा, 'मुझे लगता है कि 19 देशों का इस मुद्दे पर बात करना ही समस्या की गंभीरता और हमारी सहमति को दिखाता है।

हर सुबह स्कूल के नाम पर होता था ड्रामा, मां ने रात की एक आदत बदली और 60 दिन में दिखा फर्क

सात साल की बच्ची रोज स्कूल जाने से बचती थी. मां ने डांटने के बजाय उसकी नींद का रूटीन बदला और 60 दिनों तक उसे लगातार फॉलो किया. धीरे-धीरे बच्ची के मूड, ध्यान और पढ़ाई में सुधार नजर आया.

स्कूल जाने के नाम पर रोज होता था बहाना कई घरों में सुबह का समय किसी छोटी-सी जंग से कम नहीं होता. बच्चे को उठाना, तैयार कराना और फिर स्कूल भेजना कई बार पेरेंट्स के लिए रोज की चुनौती बन जाता है. सात साल की एक बच्ची के साथ भी कुछ ऐसा ही हो रहा था. वह स्कूल जाने के नाम पर कभी पेट दर्द तो कभी थकान का बहाना बनाती और मां से बहस करने लगती थी. मां को समझ नहीं आ रहा था कि आखिर बच्ची अचानक स्कूल से इतना क्यों बच रही है. पीडियाट्रिशियन डॉक्टर पवन मंदाविया ने एक मामले का जिक्र करते हुए बताया कि बच्ची के व्यवहार को बदलने के लिए उसकी मां ने डांट-फटकार का सहारा नहीं लिया.

इसके बजाय उन्होंने उसकी नींद और रात के रूटीन पर ध्यान दिया. करीब 60 दिनों तक एक तय समय पर सोने की आदत डाली गई. कुछ ही समय बाद बच्ची के व्यवहार में बदलाव दिखाई देने लगा. वह सुबह आसानी से उठने लगी और स्कूल जाने को लेकर पहले जैसी परेशानी नहीं करती थी.

रात 8 बजे सोने का बनाया नियम

डॉक्टर के मुताबिक, बच्ची की मां ने तय किया कि रात 8 बजे घर की लाइट बंद कर दी जाएगी और बच्ची सोने चली जाएगी. खास बात यह थी कि इस नियम को सिर्फ स्कूल वाले दिनों तक सीमित नहीं रखा गया. वीकेंड हो या घर में मेहमान आए हों, सोने का समय लगभग वही रखा गया. शुरुआत में यह आसान नहीं था. बच्ची बार-बार पानी मांगती, उठती और सोने में देर करने के लिए नए-नए बहाने बनाती, लेकिन मां ने हर दिन नियम बदलने के बजाय उसे लगातार फॉलो किया. धीरे-धीरे बच्ची का शरीर इस समय का आदी होने लगा.

इस पूरे मामले में एक बात खास रही. मां ने जल्दी सोने को बच्ची के लिए सजा की तरह पेश नहीं किया. इसे रोज की सामान्य दिनचर्या का हिस्सा बनाया गया. सोने से पहले की गतिविधियां भी धीरे-धीरे शांत रखी गईं, ताकि बच्ची को आराम करने का समय मिल सके. करीब एक सप्ताह बाद परिवार को फर्क नजर आने लगा. बच्ची सुबह पहले की तुलना में आसानी से उठने लगी. सुबह की चिड़चिड़ाहट और स्कूल जाने को लेकर होने वाली बहस कम होने लगी. मां के लिए भी सुबह का समय पहले की तरह तनाव भरा नहीं रहा.

ध्यान और पढ़ाई में भी दिखा बदलाव

डॉक्टर ने बताया कि कुछ सप्ताह बाद बच्ची की अटेंशन स्पैन और लर्निंग में भी सुधार देखा गया. वह पढ़ाई के दौरान ज्यादा देर तक ध्यान लगा पा रही थी. छोटी-छोटी बातों पर परेशान होने के बजाय काम पूरा करने की कोशिश करती थी. टीचर ने भी बच्ची के व्यवहार में आए बदलाव को नोटिस किया. इससे यह बात सामने आती है कि बच्चों के व्यवहार को समझते समय केवल उनकी जिद पर ध्यान देना काफी नहीं है. कई बार उनकी दिनचर्या में मौजूद कोई छोटी समस्या भी पूरे दिन के मूड और काम करने की क्षमता पर असर डाल सकती है.

पेरेंट्स के लिए क्या है सीख?

बच्चे के स्कूल जाने से इनकार करने पर सबसे पहले उसे जिद्दी या आलसी कहना आसान होता है, लेकिन पेरेंट्स को यह भी देखना चाहिए कि बच्चा रात में कितने बजे सो रहा है, सुबह कितनी नींद पूरी हो रही है और सोने से पहले उसका रूटीन कैसा रहता है।

नाम सुना है जीराफूल चावल का? खुशबू ऐसी कि पकते ही आसपास के घरों तक पहुंच जाए, जानें इसकी खासियत

जीराफूल चावल छत्तीसगढ़ की पारंपरिक और खुशबूदार चावल की खास किस्मों में शामिल है. इसके छोटे, पतले दाने और पकने के बाद आने वाली प्राकृतिक खुशबू इसे दूसरे चावलों से अलग बनाती है. यही वजह है कि इसे कई पारंपरिक व्यंजनों में खास पसंद किया जाता है.

भारत में चावल की कई देसी किस्में हैं, जिनकी अपनी अलग पहचान और खासियत है. इन्हीं में से एक है जीराफूल चावल, जो अपने छोटे और पतले दानों के साथ-साथ खास खुशबू के लिए जाना जाता है. इसका नाम भी इसके दानों के आकार की वजह से पड़ा है, क्योंकि ये देखने में कुछ-कुछ जीरे जैसे नजर आते हैं. पकने के बाद इसकी खुशबू पूरे घर में फैल जाती है और चावल की बनावट भी काफी नरम रहती है. जीराफूल सिर्फ खाने की चीज नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की पारंपरिक खेती और स्थानीय खान-पान से जुड़ी एक खास पहचान भी है.

कहां उगाया जाता है जीराफूल चावल?

जीराफूल चावल की सबसे खास पहचान छत्तीसगढ़ के सरगुजा क्षेत्र से जुड़ी है. सरगुजा और इसके आसपास के इलाकों में लंबे समय से किसान इसकी खेती करते आए हैं. यहां की जलवायु, मिट्टी और पारंपरिक खेती के तरीके इस चावल की खासियत बनाए रखने में अहम भूमिका निभाते हैं. सरगुजा के अलावा आसपास के कुछ क्षेत्रों में भी इसकी खेती की जाती है, लेकिन इसकी मुख्य पहचान सरगुजा से ही मानी जाती है.

इस पारंपरिक चावल को क्षेत्रीय पहचान दिलाने के लिए इसे त्द्ध टैग भी मिल चुका है. इससे इसकी खास भौगोलिक पहचान और पारंपरिक महत्व को मान्यता मिली है.

जीराफूल की सबसे बड़ी खासियत इसकी प्राकृतिक खुशबू है. इसे पकाते समय ही इसकी सुगंध महसूस होने लगती है. इसके दाने सामान्य लंबे बासमती चावल की तुलना में छोटे और पतले होते हैं. पकने के बाद यह नरम और स्वादिष्ट लगता है. इसकी खुशबू और स्वाद की वजह से इसे पारंपरिक व्यंजनों में खास तौर पर इस्तेमाल किया जाता है. एक और खास बात यह है कि जीराफूल चावल का इस्तेमाल केवल उबले हुए चावल के रूप में नहीं होता. इससे आटा तैयार करके कई तरह के स्थानीय पकवान भी बनाए जाते हैं.

जीराफूल चावल के क्या फायदे हैं?

जीराफूल एक पारंपरिक चावल की किस्म है, इसलिए इसके फायदे को किसी औषधि की तरह नहीं देखना चाहिए. इसमें दूसरे चावलों की तरह कार्बोहाइड्रेट और ऊर्जा मिलती है, जो शरीर के लिए जरूरी हैं. इसे संतुलित मात्रा में दाल, सब्जियों, प्रोटीन और अन्य पौष्टिक खाद्य पदार्थों के साथ खाया जा सकता है.

चाय की चुस्की के साथ दिखता है जयपुर का खूबसूरत नजारा, पर्यटकों की पसंद बना 'चायसा' कैफे

जयपुर के चौड़ा रास्ता में स्थित 'चायसा' केफै जो बेहतरीन चाय के साथ लोगों को यहां से जयपुर की सुंदरता और हेरिटेज को लुक देखने को मिलता हैं, इसलिए लोग इस केफै में चाय की चुस्कियां लेने के लिए पहुंचते हैं.

जयपुर अपने किलों महलों, सुंदर हवेलियों और इमारतों के लिए दुनियाभर में प्रसिद्ध हैं. जहां आज भी लोगों ने इन खास इमारतों की सुंदरता को बरकरार रखा हैं. जहां इन इमारतों में बेहतरीन रेस्तरां, होटल्स और केफै खुले हुए हैं जो जयपुर में पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र रहते हैं. खासतौर जयपुर का चारदीवारी बाजार जहां की पुरानी इमारतें आज पर्यटकों के सिर्फ टूरिज्म के लिहाज से नहीं बल्कि यहां की सुंदरता के लिहाज से भी खास हैं. जहां बाजारों से जयपुर के चारदीवारी बाजार का सुंदर नजारा लोगों को सबसे ज्यादा आकर्षित करता हैं.

ऐसे ही जयपुर के चौड़ा रास्ता में स्थित 'चायसा' केफै जो बेहतरीन चाय के साथ लोगों को यहां से जयपुर की सुंदरता और हेरिटेज को लुक देखने को मिलता हैं, इसलिए लोग इस केफै में चाय की चुस्कियां लेने के लिए पहुंचते हैं. लोकल-18 ने जयपुर के इस चायसा केफै में पहुंच कर यहां के लोगों से बात की तो वह बताते हैं कि नाम में ही चायसा हैं. मतलब हमारी चाय का स्वाद लोगों को खूब पंसद आता हैं. जिसकी शुरुआत 40 साल पहले हुई थी जयपुर में अलग-अलग जगहों पर चायसा के केफै हैं, लेकिन लोगों को गुलाबी नगर की सुंदरता के साथ यहां चाय का आनंद मिलता हैं।

महंगे परफ्यूम छोड़ नेचुरल बॉडी स्मेल पर जेन-जी का भरोसा, डेट पर बिना नहाए जाना बना नया ट्रेंड

इन दिनों एक नया डेटिंग ट्रेंड फेरोमोन-मैक्सिंग वायरल हो रहा है. इसका दावा है कि आपके शरीर की नेचुरल गंध आपको ज्यादा आकर्षक बना सकती है. इस बात में कितनी सच्चाई है और साइंस क्या कहता है चलिए इस लेख की मदद से समझते हैं.

किसी से मिलने जाना हो तो सबसे पहले आप क्या करते हैं, खासकर जब बात डेट पर जाने की हो? आपमें से ज्यादातर लोगों का जवाब होगा अच्छी तरह से तैयार होते हैं, जिसमें साफ-सुथरे कपड़े, अच्छा परफ्यूम और नहाना तो मुख्य रूप से शामिल होता है. लेकिन अब नई जनरेशन इन चीजों में भरोसा नहीं रखती है. उनका मानना हैं कि शरीर की गंध यानी नेचुरल बॉडी सेंट किसी भी महंगे परफ्यूम से ज्यादा आपको अट्रैक्टिव दिखा सकती है. इसलिए वो कि डेट पर जाने से पहले शॉवर भी स्किप कर रहे हैं.

इस ट्रेंड को फेरोमोन-मैक्सिंग (Pheromone Ma&&ing) कहा जा रहा है, जिसका मतलब बॉडी से निकलने वाले उस केमिकल के हाई लेवल से है, जो आपके नचुरल स्मेल के रूप में पहचानी जाती है. हालांकि यह ट्रेंड जितना दिलचस्प लगता है, लेकिन वैज्ञानिक नजरिए से इसकी सच्चाई थोड़ी अलग है. ऐसे कोई ठोस सबूत नहीं मिलते हैं कि किसी व्यक्ति को आप अपने नेचुरल बॉडी सेंट से अपनी ओर सेक्सुअली अट्रैक्ट कर सकते हैं. हालांकि इससे भी इंकार नहीं किया जा सकता है कि कुछ लोग अपने पार्टनर की बॉडी स्मेल से एडिक्ट होते हैं, हालांकि ऐसा आमतौर पर लंबे समय तक साथ रहने पर होता है

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर कई इंफ्लुएंसर्स दावा कर रहे हैं कि शरीर की प्राकृतिक खुशबू व्यक्ति की पहचान और आकर्षण का हिस्सा होती है. ऐसे में यंग जनरेशन परफ्यूम छोड़कर अपनी नेचुरल बॉडी सेंट को अपनाने की कोशिश कर रहे हैं. उनका मानना है कि इससे रिश्तों में 'ऑथेंटिसिटी' यानी वास्तविकता बनी रहती है.

क्या बिना नहाएं डेट पर जाना फायदेमंद?

फेरोमोन्स ऐसे रासायनिक संकेत (Chemical Signals) होते हैं जो शरीर से निकलते हैं और दूसरे लोगों के व्यवहार या प्रतिक्रिया को प्रभावित कर सकते हैं जानवरों में इनकी भूमिका अच्छी तरह साबित हो चुकी है, लेकिन इंसानों में फेरोमोन्स सीधे किसी को रोमांटिक रूप से आकर्षित कर सकते हैं, इसका दावा नहीं किया जा सकता. ऐसे में अगर आप कई दिनों तक शॉवर को स्किप करके डेट पर जाते हैं, तो हो सकता है वो गंध से असहज हो जाए. क्योंकि आपकी बॉडी की स्मेल आपके हेल्थ कंडीशन, हाइजीन, डाइट पर निर्भर करती है.

बॉडी की नेचुरल स्मेल को कैसे अट्रैक्टिव बनाएं?

शरीर की प्राकृतिक खुशबू को बेहतर बनाने के लिए हरी पत्तेदार सब्जियां, खट्टे फल, खीरा, सेब, दही, ग्रीन टी और पर्याप्त पानी फायदेमंद माने जाते हैं. वहीं लहसुन, प्याज, शराब और बहुत मसालेदार भोजन कुछ लोगों में शरीर की गंध को तेज कर सकते हैं।

हरी पत्तियों के बीच लाल पंखुड़ियां...न फूल न घास, ये पौधा खुजली का दुश्मन, जानिए कैसे?

लाल दूधी की हरी पत्तियों के बीच लाल रंग की पंखुड़ी इसे दूसरे पौधों से अलग बनाती है. इसका दूधिया रस अनमोल है. खेतों की मेड़ों, बाग-बगीचों और खाली पड़ी जमीन पर बरसात में इसका पौधा अपने आप उग आता है. लोकल 18 से गोंडा के वैद्य विष्णु दत्त प्रजापति बताते हैं कि भारत में इसे लाल दूधी, दूधिया घास या जंगली पॉइन्सेटिया के नाम से जाना जाता है. ये बरसात के दौरान तेजी से बढ़ता है. ऊपर की कुछ पत्तियां चमकीले लाल रंग की दिखाई देती हैं. तना तोड़ने पर सफेद दूध जैसा रस निकलता है. इसकी पत्तियों को पीसकर लगाने से खुजली, जलन और त्वचा रोग में राहत मिलती है. अगर घाव से अधिक खून निकल रहा हो, सूजन, पस या तेज दर्द हो, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें.

खेतों की मेड़ों, बाग-बगीचों और खाली पड़ी जमीन पर बरसात में उगने वाला लाल दूधी का पौधा देखने में बेहद आकर्षक होता है. इसकी हरी पत्तियों के बीच लाल रंग की पंखुड़ी इसे दूसरे पौधों से अलग बनाती है. बहुत से लोग इसे केवल जंगली पौधा समझकर उखाड़ देते हैं, लेकिन आयुर्वेद और लोक चिकित्सा में इसका सदियों से प्रयोग होता आया है. इसका दूधिया रस अनमोल है। लोकल 18 से गोंडा के वैद्य विष्णु दत्त प्रजापति बताते हैं कि लाल दूधी का वैज्ञानिक नाम Euphorbia heterophylla है. यह यूफोर्बिएसी (Euphorbiaceae) कुल का पौधा है. भारत में इसे लाल दूधी, दूधिया घास, जंगली पॉइन्सेटिया और कई क्षेत्रों में अलग-अलग स्थानीय नामों से जाना जाता है. यह पौधा 30 से 80 सेंटीमीटर तक ऊंचा होता है।

कोल्हापुर में संपत्ति के लिए मा-बाप का कत्ल, लालच के आगे आखिर क्यों टूट जाते हैं ममत्व के धागे? 3 काम किए होते तो न देखना पड़ता ये दिन

जिस मां ने अपने गर्भ में 9 महीने रखकर उसे जन्म दिया और जिस पिता ने उंगली पकड़कर उसे चलना सिखाया, उसी बेटे ने एक ही दिन में माता-पिता को बेरहमी से मौत के घाट उतार दिए. कोल्हापुर के हुपरी क्षेत्र की इस घटना ने पूरे समाज को हिलाकर रख दिया है. यह केवल अपराध की खबर नहीं है बल्कि समाज के उस सड़ते हुए ताने-बाने की त्रासदी है, जहां संपत्ति और लालच के आगे ममत्व के सारे धागे छिन्न-भिन्न हो जाते हैं. आखिर कोई औलाद उस हद तक कैसे गिर सकती है कि जन्म देने वालों का ही कत्ल कर दे आइए, इस मानसिक विकृति, संस्कारों की कमी और उन कानूनी कदमों को समझते हैं, जो ऐसी नौबत आने से रोक सकते थे.

कोल्हापुर में जो घटना हुई है वह मानवता को शर्मसार करती है.आपने कई ऐसे जानवरों की भी कहानी सुनी होगी जो अपने बच्चों के लिए अपनी जान तक कुर्बान कर देते हैं. लेकिन लालच के आगे आज इंसान इतने विकृत हो गए हैं कि वे अपने माता-पिता को भी नहीं छोड़ता. जिन हाथों ने कभी उंगली पकड़कर चलना सिखाया, जिन कंधों पर बिठाकर दुनिया दिखाई, जब वही हाथ संपत्ति के कुछ टुकड़ों के लिए माता-पिता की गर्दन पर उतर आएं तो यह केवल एक अपराध नहीं, बल्कि पूरी इंसानियत और रिश्तों के भरोसे की हत्या है. महाराष्ट्र के कोल्हापुर में संपत्ति अपने नाम न होने पर 48 वर्षीय बेटे द्वारा अपने बुजुर्ग माता-पिता की बेरहमी से की गई हत्या ने समाज को हिलाकर रख दिया है. लेकिन सवाल यह उठता है कि जिस औलाद को नौ महीने कोख में पाला और उम्र भर की कमाई उस पर लुटा दी, उसके दिल में इतना विषैला जहर कहां से भर जाता है क्या यह परवरिश की कमी है या कानूनी समझ से अनजान होने का नतीजा.

विषैले रिश्तों को मनोवैज्ञानिक सच

माता-पिता और बच्चों के रिश्तों में विषैला जहर रातों-रात नहीं भरता. इसके पीछे के मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण को समझना होगा. बचपन से भौतिक सुख-सुविधाओं को प्राथमिकता में रखना, नैतिकता का पाठ नहीं पढ़ाना और संपत्ति को लेकर पारदर्शिता न होना इसके मुख्य कारण हो सकते हैं लेकिन मनोवैज्ञानिक दृष्टि से कोई भी संबंध रातों-रात या अचानक हिंसक नहीं बनता. यह साल दर साल धीरे-धीरे पनप रही मानसिक विकृतियों का परिणाम होता है. साइकोलॉजी में नारसिस्टिक पैरेंटिंग एक शब्द है. कई बार कई बार माता-पिता अपने बच्चों को एक स्वतंत्र व्यक्ति मानने के बजाय अपनी संपत्ति समझने लगता है या अपनी इच्छाओं को पूरा करने का साधन मान लेते हैं. इसे ही नारसिस्टिक पैरेंटिंग कहा जाता है. इसमें माता-पिता को लगता है कि इसे मैंने पैदा किया है तो जिस तरह से मैं इसे बनाना चाहता हूं वह वही करे. बचपन में डर या दबाव के कारण उनकी सारी बातें पूरी होने लगती है तो माता-पिता को और बल मिलता है. लेकिन जैसे ही बच्चे बड़े होते हैं और अपनी मनमानी करने लगते हैं तो माता-पिता इसे विद्रोह या अपमान समझते लगते हैं. इससे दोनों के बीच संवाद बंद होने लगता है और केवल नियंत्रण की जंग शुरू हो जाती है. दूसरी ओर इसका उलट भी है. यही बात बच्चे अपने दृष्टिकोण से समझते हैं. जब बच्चों को शुरुआत से ही बिना किसी प्रयास के सब कुछ मिलता रहा हो, तो उनमें एंटाइटेलमेंट कॉम्प्लेक्स विकसित हो जाता है. मतलब बच्चा यह मानने लगता है कि माता-पिता की कमाई और संपत्ति पर उसका स्वाभाविक और पूर्ण अधिकार है. जब माता-पिता उसकी किसी मांग को खारिज करते हैं या संपत्ति उनके नाम करने से मना करते हैं, तो बच्चे में अत्यधिक घृणा और हिंसक भावनाएं उत्पन्न होने लगती हैं. कोल्हापुर के मामलों में शायद यही बात सामने आई होगी.

बचपन का ट्रॉमा और अटैचमेंट डिसऑर्डर

कई बार बच्चे माता-पिता के साथ असुरक्षित जुड़ाव में बंधा रहता है.यदि बचपन में बच्चों को माता-पिता की तरफ से भावनात्मक सुरक्षा नहीं मिलती या केवल आलोचना मिली है तो उसके भीतर माता-पिता के प्रति एक गहरा आक्रोश जमा होने लगता है. बड़े होने पर यह कड़वाहट गंभीर विवादों में बदल जाती है. इसी तरह जब किसी परिवार में समस्याओं पर खुलकर बात करने के बजाय उन्हें दबाया जाता है, तो वहां पैसिव अग्रेसिव वाला माहौल बन जाता है. यानी एक-दूसरे के प्रति मन में जहर घुलने लगता है जो छोटी-छोटी बातों पर फट पड़ती है. यह छोटी-छोटी बातें सालों तक मन में पकी रहती हैं. समय के साथ यह भावनात्मक दूरी इतनी बढ़ जाती है कि दोनों एक-दूसरे के प्रति अपनी संवेदनशीलता पूरी तरह खो देते हैं. जब संवेदनशीलता खत्म होती है, तभी हिंसा जन्म लेती है. आज जिस तरह का समाज बन रहा है उसमें व्यक्ति की पहचान और खुशी उसकी भौतिक संपत्ति से जुड़ गई है. इसलिए आज रिश्तों का मूल्यांकन प्रेम और सम्मान के बजाय जमीन, मकान और बैंक बैलेंस के आधार पर होने लगा है. इस तरह के रिश्तों में इंसानियत खो जाती है. ऐसी स्थिति में औलाद को जन्म देने वाले माता-पिता में सिर्फ अपनी राह का रोड़ा नजर आने लगता है.

माता-पिता की कत्ल तक मामले का पहुंचना बेशक विरले है लेकिन हर माता-पिता को अपने बच्चों में शुरुआत से ही कुछ संस्कार देने चाहिए ताकि आगे जाकर ऐसी नौबत न आए. बच्चों को कोई भी चीज तुरंत में न दें. पैसा देने से पहले उसमें पहले संस्कार दें. उसे समझाएं कि ये चीज कितने महत्व का है और उसे खरीदने से पहले उन पैसे के बारे में बताएं कि इसका क्या महत्व है।

फरहाना भट्ट ने रोहित शेट्टी के सामने किया कार स्टंट, बोलीं- हर डर पीछे छूट गया

मुंबई। अभिनेत्री फरहाना भट्ट इन दिनों लोकप्रिय स्टंट-आधारित रिलिटी टेलीविजन शो 'खतरों के खिलाड़ी-15' में नजर आ रही हैं। फरहाना ने बताया कि उन्हेंनों शों के होस्ट और फिल्ममेकर रोहित शेट्टी के सामने कार स्टंट करने सपना देखा था।

- आगामी एपिसोड में फरहाना कार वाला स्टंट करती नजर आएंगी। अपने इस स्टंट के बारे में बात करते हुए फरहाना ने कहा, "सच कहूं, तो इस सीजन में खतरों के खिलाड़ी में कार स्टंट करना मेरा सपना था। शो साइन करने से यहले मेरे डोवेंटसे ने मुझे मना किया था कि अपनी हेल्थ की वजह से खुद पर ज्वादा जोर न दें। इस पुरे सफर की थकान ने तो मुझे ऐसा महसूस कराया कि बस ब्रेक लगा दूं, और छोड़दूं,लेकिन मैंने मन में ठान लिया था कि मुझे रोहित शेट्टी सर के सामने कार स्टंट करना है।"
- अभिनेत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि वे अपनी डर या हेल्थ को रास्ते में नहीं आने देंगी। उन्हेंनों कहा, "जैसे ही मैं उस गाड़ी के पीछे बैठी, मेरा हर डर पीछे छूट गया। बेशक रोहित सर के मार्गदर्शक में कार स्टंट करना एक अलग ही दबाव लेकर आता है,क्योंकि वो कार एदशन के बेताज बादशाह हैं।"
- फरहाना ने बताया कि उनकी दिली तमन्ना थी कि जिस स्टंट के लिए उन्हेंनों प्रार्थना कीं, उसे वह अच्छे से कर पाएंगे। उन्हेंनों कहा, "रास्ते में कई अजीब और अनचाही रूकावटें आईं। एक पल तो ऐसा लगा यैंसे रोहित सर मुझे किसी पुरी एदशन फिल्म में डाय़रेक्ट कर रहे हों और दुसरी तरफ मैंने सोचा, 'वाह, तुम्हें वाकई इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि तुम क्या मांग रही हो!

'आई एम गेम' में कथिर के अभिनय को देख दुलकर सलमान हुए फैन, बोले- 'आप तो पैदाइशी कलाकार हैं'

विश्व केसरी ■

चेन्नई। पैन इंडिया स्टार दुलकर सलमान इन दिनों अपनी आने वाली एक्शन फिल्म 'आई एम गेम' को लेकर चर्चा में हैं। निर्देशक नहास हिदायत की इस फिल्म का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। फिल्म की रिलीज से पहले चेन्नई में इसका प्री-रिलीज इवेंट आयोजित किया गया, जहां दुलकर सलमान ने अपने को-स्टार कथिर की जमकर तारीफ की। दुलकर ने बताया कि वह खुद कथिर के फैन हैं और उन्हें उनके अभिनय में एक अलग ही गहराई नजर आती है।

इवेंट के दौरान दुलकर ने कथिर को संबोधित करते हुए कहा, ''कथिर भाई, मैं आपका बहुत बड़ा फैन हूं। आप तो पैदाइशी कलाकार हैं। जब भी आप पर्दे पर अभिनय करते हैं तो आपका अभिनय बेहद सहज नजर आता है। आपके अभिनय को देखकर ऐसा बिल्कुल नहीं लगता कि आप किसी तरह की मेहनत कर रहे हैं, बल्कि सब कुछ बहुत स्वाभाविक तरीके से होता हुआ दिखाई देता है।''

दुलकर ने कहा, ''कथिर का अभिनय काफी असरदार है। वह जिस तरह से अपने किरदार को निभाते हैं, उसमें एक अलग तरह की गहराई दिखाई देती है।''

फिल्म में कथिर एक क्रिकेटर का किरदार निभा रहे हैं। इस किरदार को लेकर कथिर ने कहा, ''मैंने असल जिंदगी में कभी ठीक से क्रिकेट नहीं खेला। मैंने पूरी जिंदगी में मुश्किल से चार बार क्रिकेट खेला होगा और वह भी स्कूल के दिनों में। उस समय भी मैं सामान्य क्रिकेट नहीं, बल्कि 'पैड क्रिकेट' खेलता था।''

कथिर ने कहा, ''जब निर्देशक नहास हिदायत ने मुझे फिल्म की कहानी सुनाई और बताया कि मुझे क्रिकेट टीम के कप्तान की भूमिका निभानी है तो मैं हैरान रह गया। मैंने निर्देशक से पूछा कि क्या वह सच में मेरे जैसे व्यक्ति को क्रिकेट टीम के कप्तान के रूप में दिखाना चाहते हैं?, इस पर उन्होंने बिना किसी झिझक के हां कहा। सच में उनके अंदर हिम्मत और जोखिम उठाने की क्षमता है, लेकिन मुझे नहीं लगता कि उनके अलावा, कोई दूसरा निर्देशक इतना बड़ा जोखिम ले सकता है।''

कथिर ने आगे मजाकिया अंदाज में कहा कि वह इस फिल्म के बाद क्रिकेट से संन्यास ले रहे हैं। इस पर जब एक ने उनसे सवाल पूछा कि वह ऐसा क्यों कह रहे हैं, तो कथिर ने कहा, ''मैंने फिल्म में जितना अच्छा क्रिकेट खेल लिया है, उससे बेहतर अब मैं कुछ नहीं कर सकता।

इस किताब को पढ़कर बदला राशि खन्ना का नजरिया, बोली- ये किताब थेरेपी जैसी लगी

मुंबई। अभिनेत्री राशि खन्ना धीरे धीरे अब हिंदी सिनेमा में अपनी धाक जमाकर रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि उन्होंने हाल ही में 'द मिडनाइट लाइब्रेरी' पढ़ी, जिसने उनके नजरिए को बदलकर रख दिया है।

अभिनेत्री राशि खन्ना ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें वे 'द मिडनाइट लाइब्रेरी' पढ़ती नजर आ रही हैं। अभिनेत्री का कहना है कि इस किताब ने उनके जीवन में थेरेपी की तरह काम किया है।

तस्वीरें पोस्ट कर लिखा, ''द मिडनाइट लाइब्रेरी- मैट हेग की किताब'। ये किताब मुझे एक थेरेपी की तरह लगी, जिसके बारे में मुझे पता ही नहीं था कि मुझे इसकी जरूरत है।'

अभिनेत्री ने बताया कि इस किताब ने उनके जीवन को उन पहलुओं पर सोचने पर मजबूर किया है, जिसके बारे में उन्होंने कभी सोचा ही नहीं था। उन्होंने लिखा, 'इसने मुझे सोचने पर मजबूर किया कि हम कितनी आसानी से उन जिंदगियों को अच्छा समझ लेते हैं जो हम जी सकते थे और उन फैसलों पर पछताते हैं जो हमने नहीं लिए, बिना ये जाने कि क्या वो जिंदगियां सच में बेहतर होतीं।

अभिनेत्री ने आखिरी में लिखा, 'हमें सिर्फ एक ही जिंदगी मिलती है और हम इसे अपने फैसलों से बनाते रहते हैं और शायद जिंदगी का मतलब ये सोचना नहीं है कि हम कौन बन सकते थे, बल्कि उस इंसान को पूरी तरह से जीना है जो हम बन रहे हैं।'

'द मिडनाइट लाइब्रेरी', ब्रिटिश लेखक मैट हेग का एक अत्यंत लोकप्रिय और विश्व स्तर पर प्रशंसित उपन्यास है, जो अगस्त 2020 में प्रकाशित हुआ था। यह पुस्तक जीवन के अर्थ, पछतावे और उम्मीद पर आधारित है।

अक्षरा सिंह ने आम्रपाली दुबे के बयान पर तोड़ी चुप्पी, बोलीं- 'किसी की निजी गरिमा का हिसाब देने नहीं बैठी हूं'

विश्व केसरी ■

पटना। भोजपुरी एक्ट्रेस अक्षरा सिंह एक बार फिर आम्रपाली दुबे के साथ अपने पुराने रिश्ते और पवन सिंह से जुड़े विवाद को लेकर चर्चा में हैं। आम्रपाली दुबे ने हाल ही में शो 'भोजपुरी बवाल' में दावा किया था कि जब अक्षरा के मुश्किल दौर में इंडस्ट्री का एक बड़ा हिस्सा उनसे दूरी बना रहा था, तब उन्होंने खुलकर उनका साथ दिया था।

आम्रपाली ने कहा कि अगर अक्षरा के साथ खड़े होने की वजह से पवन सिंह उनसे नाराज होते या उनके साथ काम नहीं करना चाहते, तो उन्हें इसकी परवाह नहीं थी। अब अक्षरा सिंह ने आम्रपाली के इन बयानों पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि वह किसी की मदद या अपने रिश्तों का हिसाब लेकर मीडिया के सामने नहीं बैठना चाहतीं। यह बहुत पुरानी बात है और अब इसे बार-बार सामने लाने की जरूरत नहीं है।

अक्षरा ने कहा, ''मैं इस बारे में कोई लिस्ट लेकर नहीं बैठी हूं कि मीडिया में आकर यह बताऊं कि मैंने क्या किया, किसने क्या किया या उसने क्या किया। हर इंसान की गरिमा होती है और मुझे लगता है कि हमें इसे मनोरंजन का साधन नहीं बनाना चाहिए। मैं इस बारे में बार-बार क्या ही बोलूं, यह तो बहुत पुरानी बात हो चुकी है। मुझे इन सब बातों पर हंसी आती है। अब यह बात नहीं निकलनी चाहिए। इस बात को जमाना हो गया है।''

अक्षरा ने खास तौर पर आम्रपाली के उस बयान पर भी बात की, जिसमें उन्होंने कहा था कि अक्षरा ने बाहर आकर यह कहा कि इंडस्ट्री में किसी ने उनका साथ नहीं दिया, जबकि वह मुश्किल समय में उनके साथ थीं। अक्षरा ने कहा, ''आम्रपाली को मेरी किसी बात से तकलीफ हुई थी, तो उन्हें सीधे फोन करके पूछना चाहिए था। अगर किसी बात को लेकर गलतफहमी थी, तो दोनों के बीच बातचीत से उसे साफ किया जा सकता था। अब वह किसी एक बात को लेकर रो रही हैं। मुझे इस बारे में इतनी जानकारी नहीं है कि वे वास्तव में किस बात को लेकर रो रही हैं। मुझे अभी तक यह भी समझ में नहीं आया है कि आखिर क्या बात हुई है?''

इस पूरे मामले की शुरुआत आम्रपाली दुबे के 'भोजपुरी बवाल' में दिए बयान से हुई। शो में होस्ट शुभंकर मिश्रा ने उनसे सवाल किया था कि उन पर आरोप है कि उन्होंने अक्षरा को छोटी बहन माना, उनके साथ तस्वीरें शेयर कीं, लेकिन जब अक्षरा मुश्किल दौर से गुजर रही थीं, तब वह उनके साथ खड़ी नहीं हुईं।

इसके जवाब में आम्रपाली ने कहा था कि उन्होंने उस समय अक्षरा का साथ दिया था, जब इंडस्ट्री में यह चर्चा थी कि अक्षरा के साथ नजर आने पर पवन सिंह उनके साथ काम करना बंद कर देंगे। इसके बावजूद उन्होंने अक्षरा के साथ खड़ा होना चुना। उस दौर में जब लोग अक्षरा के साथ तस्वीरें तक खिंचवाने से बच रहे थे।

'पद्मावत' के जौहर सीन से लेकर हिजाब विवाद तक, जब-जब अपने बयानों से विवादों में घिरीं स्वरा भास्कर

विश्व केसरी ■

मुंबई। स्वरा भास्कर भारतीय सिनेमा की उन अभिनेत्रियों में शुमार हैं, जो अपने एक्टिंग से ज्यादा बयानों की वजह से अक्सर सुर्खियों में रहती हैं। इस बार भी अभिनेत्री एक विवाद में घिरी हुई हैं। फिल्म 'पद्मावत' के जौहर सीन पर दिए गए उनके बयान के बाद सोशल मीडिया पर उन्हें जमकर ट्रोल किया जा रहा है। यूजर्स से लेकर कई वर्गों तक से उन्हें आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है।

हालांकि, यह कोई पहला मौका नहीं है जब अभिनेत्री अपने बयानों को लेकर विवादों में आई हैं, इससे पहले भी कई मौकों पर उनके बयानों ने सोशल मीडिया पर तहलका मचाया है। आइए देखते हैं किन-किन मौकों पर ऐसा हुआ है।

फिल्म 'पद्मावत' में जौहर सीन : 31 अगस्त को दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में हुई महिला, जीवन स्वतंत्रता कार्यक्रम के दौरान स्वरा भास्कर ने पद्मावत के जौहर सीन पर बात करते हुए कहा कि इस सीन से रेप सर्वाइवर्स के लिए गलत मैसेज जा सकता है। उन्होंने कहा था कि अगर वह एक रेप सर्वाइवर होती, तो फिल्म का क्लाइमैक्स देखकर मुझे डरपोक जैसा महसूस होता कि मैंने अपनी इज्जत बचाने के लिए सुसाइड नहीं किया। क्या हम अपने सर्वाइवर्स को यही बताना चाहते हैं कि वे जीने के लायक नहीं हैं। एक इज्जतदार औरत खुद को मार लेती है, क्या हम यह बताना चाहते हैं कि रेप एक औरत की जिंदगी का अंत है? यह सीन बहुत प्रॉब्लम वाला था।

वीडियो के वायरल होने के बाद स्वरा भास्कर ने एक और वीडियो पोस्ट किया, जिसके जरिए उन्होंने कहा कि उनकी बातों को तोड़-मरोड़कर दिखाया गया है। उनके कहने का मतलब यह नहीं था कि जौहर करने वाली महिलाएं कायर थीं।

द्रौपदी का कथन : जनवरी 2022 में उडुपी के एक सरकारी प्री-यूनिवर्सिटी कॉलेज में हिजाब पहनने वाली छात्राओं को कक्षाओं में प्रवेश देने से मना कर दिया गया। फरवरी 2022 में अभिनेत्री स्वरा भास्कर ने कर्नाटक के हिजाब विवाद और उस पर देश के राजनेताओं व प्रशासन की चुप्पी की तुलना महाभारत की सभा से की थी। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा था कि महाभारत में द्रौपदी के जबरन कपड़े उतारे गए थे।

तापसी पन्नू ने बॉक्स ऑफिस से ज्यादा फिल्मों की क्वालिटी को दी तवज्जो, बोलीं- फिल्मोग्राफी हमेशा रहेगी

विश्व केसरी ■

मुंबई। अभिनेत्री तापसी पन्नू आगामी एक्शन-थ्रिलर फिल्म फिल्म 'गांधारी' की रिलीज को लेकर तैयार हैं। अभिनेत्री का कहना है कि उन्होंने हमेशा बॉक्स ऑफिस कलेक्शन से ज्यादा फिल्मों की क्वालिटी पर अहमियत दी है।

अभिनेत्री का मानना है कि भले ही उनके 100 करोड़ वाली फिल्में नहीं है, लेकिन उन्हें इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है। अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ बातचीत में बताया कि उन्होंने कई ऐसी फिल्में देखी हैं, जिसने बॉक्स ऑफिस में खास कमाई नहीं कि हो, लेकिन बाद में कल्ट क्लासिक का दर्जा हासिल किया है।

अभिनेत्री ने बताया, 'मैंने अपने करियर में कई ऐसी फिल्में देखी हैं, जो बॉक्स ऑफिस पर नहीं चलती और फिर 10 साल बाद हम उन्हें दशक की बेस्ट फिल्मों में गिनते हैं। फिर उन्हें कल्ट का दर्जा मिल जाता है, उनकी सराहना होती है, रेफरेंस दिए जाते हैं।'

अभिनेत्री ने यह भी बताया कि इस समझ ने एक एक्टर के तौर पर उनके फैसलों पर काफी हद तक असर डाला है, जिससे उन्होंने बॉक्स ऑफिस नंबर के टेम्परी इनाम के बजाय अपनी फिल्मोग्राफी चुनी है।

उन्होंने कहा, 'मैंने कुछ समय की वाहवाही से ज्यादा अपनी फिल्मों की लिस्ट को अहमियत दी है। क्योंकि मेरी फिल्मों की लिस्ट हमेशा रहेगी। समय बदलता रहेगा। पहले दूसरी तरह की फिल्में बनती थी, लेकिन मेरी फिल्मोग्राफी नहीं बदलेगी, वो वैसी ही रहेगी।'

अभिनेत्री का मानना है कि वे ऐसी फिल्मों का हिस्सा बनना चाहती हैं, जिन्हें वह सालों बाद देखकर भी गर्व महसूस कर सकें। उन्होंने बताया, 'मैं अपनी लिस्ट में ऐसी फिल्में डालना चाहती हूं, अगर मैं 20 साल बाद भी उसे देखूं तो लगे कि हां यह एक अच्छी फिल्म थी। जाहिर इसलिए आपको कीमत भी चुकानी पड़ती है।

बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर आज पहुंचेंगे भारत, प्रधानमंत्री मोदी से करेंगे मुलाकात

विश्व केसरी

नई दिल्ली। बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर बुधवार को अपने तीन दिवसीय भारत दौरे पर आएंगे। इस दौरान वह नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी करेंगे। पिछले साल फरवरी में पद संभालने के बाद पीएम वेवर की यह भारत की पहली यात्रा होगी। बेल्जियम के रक्षा मंत्री थियो फ्रैंकेन भी उनके साथ आए प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा होंगे।

यह यात्रा भारत और बेल्जियम के बीच व्यापार, रक्षा सहयोग, नवीकरणीय ऊर्जा, प्रौद्योगिकी और भारत-यूरोपीय संघ (ईयू) के व्यापक सहयोग को और मजबूत करने पर केंद्रित होगी। गुरुवार को बार्ट डी वेवर और प्रधानमंत्री मोदी की मुलाकात होगी। इस दौरान दोनों नेता द्विपक्षीय संबंधों के सभी प्रमुख पहलुओं के साथ-साथ आपसी हितों से जुड़े क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी चर्चा करेंगे।

विदेश मंत्रालय (एमईए) के अनुसार, प्रधानमंत्री डी वेवर भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के एक कारोबारी कार्यक्रम में भी मुख्य भाषण देंगे। यह कार्यक्रम भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के संदर्भ में आयोजित किया जाएगा।

नई दिल्ली में अपने कार्यक्रम पूरे करने के बाद बार्ट डी वेवर मुंबई जाएंगे। वहां वह विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधियों से मुलाकात करेंगे, जिनमें हीरा उद्योग, बंदरगाह और लॉजिस्टिक्स क्षेत्रों से जुड़े लोग भी शामिल होंगे।

एमईए ने कहा कि यह यात्रा भारत-बेल्जियम साझेदारी को और मजबूत करने तथा व्यापार और निवेश, रक्षा और सुरक्षा, तकनीक, नवीकरणीय ऊर्जा, संपर्क व्यवस्था और लोगों के बीच संबंधों जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने का अवसर प्रदान करेगी। साथ ही इससे भारत-यूरोपीय संघ और भारत-यूरोप संबंधों को भी नई मजबूती मिलेगी।

पिछले महीने विदेश मंत्री एस जयशंकर और बेल्जियम के विदेश मंत्री मैक्सिम प्रेवोट ने ब्रुसेल्स में मुलाकात की थी। दोनों नेताओं ने राजनीति, अर्थव्यवस्था, निवेश, स्वच्छ ऊर्जा, रक्षा, मोबिलिटी और दवा उद्योग सहित कई क्षेत्रों में सहयोग की समीक्षा की थी। यह चर्चा 15 जुलाई को ब्रुसेल्स में आयोजित पहली भारत-बेल्जियम रणनीतिक वार्ता के दौरान हुई थी।

बैठक के बाद जयशंकर ने 'एक ?स' पर लिखा, 'ब्रुसेल्स में उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री मैक्सिम प्रेवोट के साथ पहली भारत-बेल्जियम रणनीतिक वार्ता की सह-अध्यक्षता की। हाल के वर्षों में हमारी साझेदारी काफी मजबूत हुई है।

जापान रक्षा क्षेत्र में एआई और मानवरहित तकनीक का इस्तेमाल तेज करेगा : प्रधानमंत्री ताकाइची

विश्व केसरी

टोक्यो। जापान अपनी रक्षा तैयारियों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और मानवरहित तकनीक के इस्तेमाल को तेजी से बढ़ाने की तैयारी कर रहा है। प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची ने बुधवार को इस मसले पर सेल्फ-डिफेंस फोर्सेज (एसडीएफ) के वरिष्ठ अधिकारियों से बात की। उन्होंने कहा कि ट्रेडिशनल सैन्य उपकरणों की तुलना में तेजी से विकसित हो रही नई तकनीकों को रक्षा व्यवस्था में जल्द शामिल करना जरूरी है।

जापानी न्यूज एजेंसी क्योडो के अनुसार, एसडीएफ की कमांडर-इन-चीफ के तौर पर वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों को संबोधित करते हुए ताकाइची ने कहा कि एआई और मानवरहित रक्षा प्रणालियों जैसी तकनीकों को ज्यादा तेजी से अपनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इन तकनीकों का विकास पारंपरिक रक्षा उपकरणों की तुलना में बिल्कुल अलग गति से हो रहा है। ताकाइची ने कहा कि जापान इस साल के अंत तक अपनी तीन प्रमुख राष्ट्रीय सुरक्षा और रक्षा दस्तावेजों में संशोधन करने की तैयारी कर रहा है। ये दस्तावेज अगले कई वर्षों के लिए देश की रक्षा नीति की दिशा तय करेंगे।

उन्होंने कहा, संशोधित दस्तावेज जापान की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने के लिए एक नई दिशा तय करेंगे। इसके पीछे बदलता क्षेत्रीय सुरक्षा माहौल है, जहां कई देश एआई को सैन्य प्रणालियों के साथ जोड़ने और बड़े पैमाने पर मानवरहित विमानों के इस्तेमाल की क्षमता विकसित करने में तेजी दिखा रहे हैं।

जापान की मौजूदा राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति और दो अन्य प्रमुख रक्षा दस्तावेज 2022 में तैयार किए गए थे। इन्हें अगले करीब 10 वर्षों की रक्षा नीति को ध्यान में रखकर बनाया गया था, लेकिन अब ताकाइची सरकार ने इनके संशोधन की समयसीमा आगे बढ़ाने का फैसला किया है। इसके पीछे मुख्य वजह पूर्वी एशिया में तेजी से बदलते समीकरण है।

संक्षिप्त खबर

जर्मनी: धमाके के बाद ऑग्सबर्ग रेलवे स्टेशन पर मिला संदिग्ध सामान

विश्व केसरी

बर्लिन। जर्मनी के ऑग्सबर्ग रेलवे स्टेशन पर सुबह जोरदार धमाका हुआ जिसमें दो लोग घायल हो गए। इसके कुछ देर बाद मौके पर पहुंची पुलिस टीम को संदिग्ध सामान मिला। जिसके बाद ट्रेन सेवा को तत्काल बंद कर दिया गया। मीडिया आउटलेट 'ऑग्सबर्ग अल्गेमाइने' ने स्वाबिया नॉर्थ पुलिस हेडक्वार्टर के प्रेस ऑफिस के हवाले से बताया कि तड़के 3:15 बजे एक बिल्डिंग के रास्ते में किसी अज्ञात चीज में धमाका हुआ। लोगों ने बताया कि धमाके वाली जगह स्टेशन के दूसरी तरफ, बानहोफस्ट्रासे (रेलवे स्टेशन की ओर जाने वाली सड़क) पर है। पुलिस ने संदिग्ध सामान को लेकर जानकारी साझा नहीं की। मीडिया के मुताबिक स्टेशन पर मिली संदिग्ध चीज हैंड ग्रेनेड हो सकती है। फिलहाल पुलिस ने अभी तक इसकी पुष्टि नहीं की है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, धमाके से दो युवाओं (17 और 18 साल) को अकॉस्टिक ट्रॉमा (कान पर तेज आवाज के असर) की वजह से मामूली चोट आई। पुलिस के मुताबिक धमाके की वजह से पास की इमारत की खिड़कियां टूट गई थीं। पुलिस द्वारा घटनास्थल की जांच जारी रहने के कारण स्टेशन के कुछ हिस्सों को बंद कर दिया गया था। इसके बाद पुलिस को फिर एक संदिग्ध सामान मिला।

यूरोपीय संघ यूक्रेन के लिए समर्थन बढ़ाएगा : काजा कल्लास

विश्व केसरी

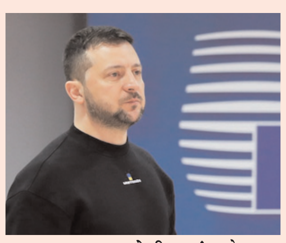

विकलो। यूरोपीय संघ (ईयू) की विदेश नीति प्रमुख काजा कल्लास ने आयरलैंड के विकलो में कहा कि ईयू यूक्रेन को अपना समर्थन और मजबूत करेगा तथा रक्षा क्षमताओं में भी अधिक निवेश करेगा। मंगलवार (स्थानीय समयानुसार) यूरोपीय संघ के रक्षा मंत्रियों की अनौपचारिक बैठक के बाद आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कल ?लास ने कहा, 'ईयू, यूक्रेन सपोर्ट लोन के माध्यम से यूक्रेन को मजबूत समर्थन देना जारी रखे हुए है। उन्होंने बताया कि ईयू अब तक यूक्रेन को रक्षा सहायता के रूप में 8.37 बिलियन यूरो (करीब 9.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर) प्रदान कर चुका है और आगे भी अतिरिक्त सहायता दी जाएगी। यूक्रेन के समर्थन में ईयू की सैन्य सहायता मिशन (ईयूएमएएम यूक्रेन) के भविष्य पर बात करते हुए आयरलैंड की रक्षा मंत्री हेलेन मैकएंटी ने कहा कि आयरलैंड इस मिशन के लिए एक करोड़ यूरो (करीब 11.6 मिलियन डॉलर) की सहायता देगा। उन्होंने बताया कि यह राशि जुलाई में आयरलैंड की ओर से घोषित 125 मिलियन यूरो (145 मिलियन डॉलर) के व्यापक सहायता पैकेज का हिस्सा है। सोमवार और मंगलवार को विकलो में आयोजित यह अनौपचारिक बैठक, यूरोपीय संघ परिषद की मौजूदा आयरिश अध्यक्षता के तहत हुई। इस बैठक में रक्षा मंत्रियों ने औपचारिक फैसले लेने के बजाय रणनीतिक मुद्दों पर चर्चा की। बैठक के एजेंडे में यूक्रेन के लिए ईयू का लगातार समर्थन, अंतरिक्ष और समुद्री सुरक्षा और लेबनान के हालात जैसे मुद्दे शामिल थे।

पूर्वी डीआरसी में हिंसा से बढ़ा विस्थापन, इबोला से निपटना हुआ मुश्किल : संयुक्त राष्ट्र

विश्व केसरी

न्यूयॉर्क। डीआरसी इन दिनों दोहरी मार झेल रहा है। पूर्वी इलाके में हिंसा बढ़ रही है नतीजतन लोग बड़ी संख्या में पलायन करने को मजबूर हो रहे हैं तो दूसरी ओर इबोला का प्रकोप की रफ्तार भी तेज है। संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि इन मुश्किलों के बीच उनके कार्यकर्ताओं को काम करने में दिक्कत पेश आ रही है।

संयुक्त राष्ट्र मानवीय मामलों के समन्वय कार्यालय (ओसीएचए) ने मंगलवार (स्थानीय समय) को कहा कि हिंसा के कारण लोगों को अपना घर छोड़ना पड़ रहा है। किसी सुरक्षित ठिकाने की तलाश में वो पलायन कर रहे हैं। एक-क्षेत्र से दूसरी जगह आने जाने से बीमारी के प्रसार पर नजर रखना मुश्किल हो गया है और उससे निपटने की कोशिशों में बाधा आ रही है।

रविवार तक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य अधिकारियों ने 2,950 लोगों की मौत और 6,100 लोगों के इबोला संक्रमित होने की पुष्टि की। ओसीएचए ने बताया कि इतूरी प्रांत में (स्थानीय नागरिक समाज के सूत्रों के अनुसार) शनिवार को मंबासा इलाके में हुए सशस्त्र हमलों में 37 मासूम लोग मारे गए और 35 से ज्यादा का अपहरण कर लिया गया। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले महीने हिंसक हमलों में 86 आम नागरिक मारे गए थे।

पड़ोसी साउथ किवु प्रांत के वालुंगु इलाके में हिंसक झड़प में 23 अगस्त से अब तक करीब 15,000 लोग विस्थापित हो गए हैं। विस्थापितों में से अधिकतर अपने रिश्तेदारों या जान-पहचान के लोगों के साथ रह तो रहे हैं लेकिन उन्हें भोजन, आश्रय और स्वास्थ्य सेवा जैसी मूलभूत सुविधाओं की बहुत जरूरत है। नॉर्थ किवु प्रांत के कुछ हिस्सों में भी हिंसक संघर्ष के कारण लोगों को पलायन करना पड़ रहा है। ओसीएचए ने कहा, इन चुनौतियों के बावजूद, संयुक्त राष्ट्र और उसके कार्यकर्ता मदद पहुंचा रहे हैं।

इंटरनेशनल ऑर्गनाइजेशन फॉर माइग्रेशन ने कहा कि उसने डीआरसी और पड़ोसी देशों में लगभग 2.3 करोड़ लोगों का हेल्थ चेकअप किया।

पाकिस्तान: जेल प्रशासन ने एक बार फिर इमरान खान से बहनों को मिलने नहीं दिया

विश्व केसरी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के रावलपिंडी की अदियाला जेल में एक बार फिर पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की बहनों को उनसे मिलने की इजाजत नहीं दी गई। स्थानीय मीडिया ने बुधवार को इसे रिपोर्ट किया। उनके मुताबिक खान की पत्नी बुशरा बीबी से भी उनका परिवार नहीं मिल पाया। हालांकि एक दिन पहले ही इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने अधिकारियों को जेल मैनुअल के हिसाब से चलने का आदेश दिया था।

पाकिस्तानी दैनिक 'डॉन' की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने जेल अधिकारियों की आलोचना करते हुए कहा कि उन्होंने पार्टी के संस्थापक इमरान खान से परिवार के सदस्यों को मिलने नहीं दिया। पार्टी ने इस कदम को सुप्रीम कोर्ट और इस्लामाबाद हाई कोर्ट (आईएचसी) के आदेशों का उल्लंघन बताया है। पीटीआई ने कहा कि अदालती आदेशों के बावजूद मुलाकात से रोकना उच्च न्यायपालिका के आदेशों को नजरअंदाज करना है और ये बेहद गंभीर मामला है। पार्टी ने संबंधित जेल अधिकारियों से अदालती आदेशों का पालन करने और यह सुनिश्चित करने को कहा कि इमरान खान और बुशरा बीबी को कानून के मुताबिक अपने परिवार के सदस्यों से मिलने दिया जाए।

'डॉन' की रिपोर्ट के मुताबिक, पीटीआई के वकील एडवोकेट अवैस यूनुस चौधरी ने बताया कि इमरान खान की तीन बहनें मंगलवार को दोपहर 2 बजे से शाम 6:30 बजे तक अदियाला जेल में मुलाकात का इंतजार करती रहीं। हालांकि, जेल अधिकारियों ने उन्हें इमरान खान से मिलने नहीं दिया। पाकिस्तान के एक अन्य अखबार 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' की रिपोर्ट के मुताबिक, सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने इमरान खान की बहन की दूसरी अर्जी खारिज कर दी थी।

न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर में बैंक अधिकारी की चाकू मारकर हत्या, हमलावर महिला को पुलिस ने मारी गोली

विश्व केसरी

न्यूयॉर्क। दुनिया के सबसे मशहूर पर्यटन स्थलों में से एक न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर में एक महिला ने चाकू से हमला कर एक वरिष्ठ मह ?ला बैंक अधिकारी की हत्या कर दी। उस समय इलाके में हजारों पर्यटक मौजूद थे। पुलिस के अनुसार, घटना के बाद हमलावर महिला को पुलिस ने गोली मार दी।

मृतक की पहचान बैंक ऑफ अमेरिका (बीओए) की उपाध्यक्ष एरिन पियासेंटी के रूप में हुई है। वह 32 वर्षीय एग्जीक्यूटिव थीं। बैंक ऑफ अमेरिका ने मंगलवार को एक बयान में कहा, 'हम अपनी सहयोगी के दुखद निधन से स्तब्ध और बेहद दुखी हैं। वह हमारी टीम की एक महत्वपूर्ण सदस्य थीं और उन्हें हमेशा याद किया जाएगा।

न्यूयॉर्क पुलिस आयुक्त जेसिका टिश ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, यह टाइम्स स्क्वायर के बीचों-बीच हुई एक बेहद खतरनाक घटना थी।

अधिकारियों के मुताबिक, इसी महिला ने इससे पहले एक अन्य व्यक्ति पर भी चाकू से हमला किया था। वह व्यक्ति घायल हुआ है लेकिन अस्पताल में उसकी हालत स्थिर बताई गई है। न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने इसकी पुष्टि की हालांकि टाइम्स स्क्वायर लंबे समय से आतंकवादी खतरों के निशाने पर रहा है, लेकिन अधिकारियों का कहना है कि इस मामले में आतंकवाद से जुड़े किसी मकसद के संकेत नहीं मिले हैं। शुरुआती जांच में मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की भूमिका होने की आशंका जताई गई है।

पुलिस के अनुसार, हमलावर महिला पामेला सिस्नेरोस, उम्र 45 वर्ष, का मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का पुराना रिकॉर्ड था। उसका पहले भी दो बार पुलिस से सामना हो चुका था। घटना के दौरान मौजूद पर्यटक डर गए थे ।

किम जोंग-उन ने वियतनाम से रिश्ते मजबूत करने का दिया संदेश, बोले- पुरानी दोस्ती को नई ऊंचाई देंगे

विश्व केसरी

सोल। उत्तर कोरिया और वियतनाम के बीच रिश्ते सहज हो रहे हैं। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग-उन ने वियतनाम के राष्ट्रीय दिवस पर राष्ट्रपति तो लाम को पत्र भेजकर दोनों देशों के बीच पारंपरिक दोस्ती और सहयोग को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता जताई है।

योनहाप न्यूज एजेंसी ने बताया कि कोरियाई सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) ने किम का खत जारी किया। वियतनाम बुधवार को अपना 81वां राष्ट्रीय दिवस मना रहा है। इसी मौके पर किम ने अपने संदेश में कहा कि उन्हें उम्मीद है कि दोनों देशों के बीच पारंपरिक मित्रता और सहयोग आने वाले समय में और मजबूत होगा। उन्होंने इसे पिछले साल अक्टूबर में प्योंगयांग में हुई अपनी और तो लाम की मुलाकात के दौरान बनी सहमति की भावना के अनुरूप आगे बढ़ाने की बात कही।

यह संदेश इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि उत्तर कोरिया और वियतनाम पिछले कुछ समय से अपने पुराने रिश्तों को फिर से सक्रिय करने की कोशिश कर रहे हैं। अक्टूबर 2025 में राष्ट्रपति तो लाम की उत्तर कोरिया यात्रा इस दिशा में बड़ा कदम थी। यह 18 वर्षों में किसी शीर्ष वियतनामी नेता की पहली उत्तर कोरिया यात्रा थी। उस मुलाकात के बाद दोनों देशों के बीच संपर्क लगातार बढ़ा है। इस साल मई में वियतनाम के विदेश मंत्री ले होआई चुंग ने उत्तर कोरिया का दौरा किया और वहां अपनी उत्तर कोरियाई समकक्ष चो सोन-हुई के साथ बातचीत की। इसके बाद जून में दोनों देशों के सुरक्षा मंत्रियों की प्योंगयांग में बैठक हुई, जिसमें सार्वजनिक सुरक्षा और कानून-व्यवस्था के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई। उत्तर कोरिया और वियतनाम के संबंधों की जड़ें काफी पुरानी हैं।

नेतन्याहू का दावा: गाजा में घर के पास से पकड़ा गया हमास का टॉप लीडर, आतंकी हमलों का है मास्टरमाइंड

विश्व केसरी

नई दिल्ली। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इजरायली रक्षा बल (आईडीएफ) की तारीफ करते हुए दावा किया कि जवानों ने हमास के आंतरिक सुरक्षा तंत्र के प्रमुख को उसके घर के पास से गिरफ्तार किया है। उन्होंने कहा कि मेरा निर्देश स्पष्ट है कि हम हमास के सभी नेताओं और 7 अक्टूबर के नरसंहार में शामिल हर व्यक्ति का पीछा करते रहेंगे।

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट में लिखा, 'मैं 'शिन बेट' (इजरायली सुरक्षा एजेंसी) और इजरायली रक्षा बल (आईडीएफ) की सराहना करता हूं, जिन्होंने एक साहसिक अभियान में गाजा में उसके घर के पास हमास के आंतरिक सुरक्षा तंत्र के प्रमुख को गिरफ्तार किया।''

नेतन्याहू ने बताया कि वह हमास के सबसे वरिष्ठ नेताओं में से एक है। वह हमारे बंधकों को छिपाने और एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाने, हमास के वरिष्ठ नेताओं को सुरक्षित ठिकाने उपलब्ध कराने तथा संगठन की सैन्य क्षमताओं को बढ़ाने और फिर से मजबूत करने की कोशिशों के लिए जिम्मेदार था।

उन्होंने कहा कि हाल के समय में वह गाजा में हमास के शासन को फिर से स्थापित करने के प्रयासों में शामिल था। वह गाजा पट्टी के निरस्त्रीकरण को लेकर भ्रामक जानकारी फैलाने की कोशिशों में भी सक्रिय था। इसके अलावा, उसने हमारी सेना और नागरिकों के खिलाफ आतंकवादी हमलों को अंजाम देने में भी मदद की। प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने बताया कि मेरा निर्देश बिल्कुल स्पष्ट है, इजरायल हमास के सभी नेताओं और सात अक्टूबर के नरसंहार में शामिल हर व्यक्ति का पीछा करना जारी रखेगा।

चीन ने व्यापार असंतुलन से जुड़े प्रस्तावों पर जी20 की आम सहमति को रोका

विश्व केसरी

एशविले। अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने कहा कि चीन ने जी20 वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक गवर्नरों की बैठक में आम सहमति बनने से रोक दिया। चीन ने व्यापार में लगातार असंतुलन और गैर-बाजार आर्थिक तौर-तरीकों को लक्षित करने वाले प्रस्तावों पर आपत्ति जताई थी।

बाकी 19 सदस्यों ने चेयरमैन के उस बयान का समर्थन किया, जिसमें कहा गया था कि जिन देशों का बाहरी सरप्लस बहुत ज्यादा है, उन्हें ऐसी नीतियां हटानी चाहिए जो घरेलू खपत को रोकती हैं और निर्यात पर बहुत अधिक निर्भरता पैदा करती हैं। भारत भी उन सदस्यों में शामिल था, जिन्होंने इस बयान का समर्थन किया।

नॉर्थ कैरोलिना के ऐशविले में दो दिन की बैठक के बाद मंगलवार (स्थानीय समय) को बेसेंट ने पत्रकारों से कहा, यह साफ है कि दुनिया में सबसे अधिक और टिकाऊ न रहने वाले करंट अकाउंट सरप्लस वाला देश, यानी पीपल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना, इस बात से असहमत था। उन्होंने कहा, हमारे साथ 19 और सदस्य हैं और जैसा कि मैंने कहा, मेरे चेयरमैन का बयान उसी बात को दोहराएगा। बयान में कहा गया कि बहुत ज्यादा और लगातार असंतुलन बाजारों को बिगाड़ सकते हैं, सप्लाई चेन को कमजोर कर सकते हैं और दूसरी अर्थव्यवस्थाओं पर बुरा असर डाल सकते हैं। इसमें देशों से कहा गया कि वे ऐसी गैर-बाजार नीतियां और तौर-तरीके खत्म करें, जो इस तरह के असंतुलन को और बढ़ाते हैं।

चीन ने चार हिस्सों पर आपत्ति जताई, जिनमें एनर्जी ट्रेड और होर्मुज जलडमरूमध्य, ग्लोबल इकोनॉमिक असंतुलन, इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड की निगरानी और सॉवरेन डेट रीस्ट्रक्चरिंग (सरकारी कर्ज का पुनर्गठन) शामिल थे। बेसेंट ने कहा कि दूसरे सदस्यों के बीच हुआ समझौता, उन अर्थव्यवस्थाओं के बारे में बढ़ती अंतरराष्ट्रीय चिंता को दिखाता है ।

टूटा पुल देखकर विधायक रोहित साहू ने संभाला मोर्चा!

मौके पर ही जेसीबी-ट्रैक्टर मंगवाए, खुद खड़े रहकर शुरू कराया वैकल्पिक रास्ते का काम

कोसमबुड़ा-सारागांव मार्ग पर आवागमन संकट का लिया संज्ञान, अधिकारियों को दिए तत्काल व्यवस्था के सख्त निर्देश

विश्व केसरी■

छुरा (मानसिंह निषाद)। कोसमबुड़ा-सारागांव मार्ग पर टूटे पुल की खबर सामने आते ही राजिम विधायक रोहित साहू बुधवार को स्वयं मौके पर पहुंचे और पुल का निरीक्षण कर ग्रामीणों की परेशानी का जायजा लिया। क्षतिग्रस्त पुल के कारण आवागमन प्रभावित होने की स्थिति को देखते हुए विधायक ने मौके से ही तत्काल कार्रवाई शुरू कराई। उन्होंने जेसीबी और ट्रैक्टर बुलवाकर वैकल्पिक मार्ग की मरम्मत का काम शुरू कराया और स्वयं मौके पर खड़े रहकर पूरी व्यवस्था की निगरानी की।

विधायक की इस त्वरित पहल से मौके पर मौजूद ग्रामीणों में राहत की उम्मीद जगी। लंबे समय तक अधिकारियों के निर्देशों का इंतजार करने के बजाय विधायक ने मौके की स्थिति को देखते हुए तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था कराने पर जोर दिया, ताकि क्षेत्र के लोगों और स्कूली बच्चों को आवागमन में परेशानी न हो।

'पहले रास्ता चालू हो, बाकी काम बाद में' की तर्ज पर तत्काल एक्शन

निरीक्षण के दौरान विधायक रोहित साहू ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि पुल टूटने के कारण आम जनता का आवागमन बाधित नहीं होना चाहिए। जब तक क्षतिग्रस्त पुल की स्थायी व्यवस्था नहीं होती, तब तक वैकल्पिक रास्ते को जल्द से जल्द आवागमन योग्य बनाया जाए।

उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों से पुल की स्थिति, आवागमन और वैकल्पिक मार्ग को लेकर जानकारी ली तथा आवश्यक संसाधन तत्काल लगाने के निर्देश दिए। इसके बाद जेसीबी और ट्रैक्टर की मदद से वैकल्पिक व्यवस्था के लिए काम शुरू किया गया।

स्कूली बच्चों से विधायक ने सीधे पूछा—कितनी परेशानी हो रही है?

निरीक्षण के दौरान विधायक ने मौके पर मौजूद स्कूली छात्रों और ग्रामीणों से सीधे संवाद किया। उन्होंने बच्चों से आवागमन में हो रही परेशानियों के बारे में जानकारी ली। ग्रामीणों ने भी टूटे पुल के कारण रोजमर्रा के आवागमन में आ रही दिक्कतों से विधायक को अवगत कराया।

विधायक ने लोगों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्या को गंभीरता से लिया जा रहा है और संबंधित विभाग को तत्काल आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि बारिश के मौसम में पुल-पुलिया क्षतिग्रस्त होने की स्थिति में लोगों की सुरक्षा और आवागमन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।

अधिकारियों की मौजूदगी में मौके पर शुरू हुआ काम

निरीक्षण के दौरान लोक निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता रामेश्वर सोरी, छुरा एसडीएम विशाल महाराणा, तहसीलदार मयंक अग्रवाल, एसडीओ के.पी. सकरिया, भाजपा मंडल अध्यक्ष खोमन चंद्राकर, जिला पंचायत सदस्य लेखराज ध्रुवा, जनपद सदस्य पंकज निर्मलकर, जनपद सदस्य नारायण सिन्हा, भाजपा नेता राजू साहू, थानसिंग निषाद, रिंकू सचदेव, रामलाल कुलदीप, सूजल कोठारी, दादरगांव के उपसरपंच एवं भाजपा महिला मोर्चा महामंत्री यामिनी चंद्राकर, अशोक ठाकुर सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, भाजपा कार्यकर्ता और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

ग्रामीणों को मिली तत्काल राहत की उम्मीद

कोसमबुड़ा-सारागांव मार्ग का यह पुल क्षेत्र के लोगों के लिए महत्वपूर्ण आवागमन मार्ग माना जाता है। पुल के क्षतिग्रस्त होने के बाद आवागमन को लेकर ग्रामीणों में चिंता बनी हुई थी। ऐसे में विधायक द्वारा मौके पर पहुंचकर स्वयं स्थिति देखना और तत्काल मशीनरी लगाकर वैकल्पिक व्यवस्था शुरू कराना ग्रामीणों के लिए राहत भरा कदम माना जा रहा है।

अब ग्रामीणों की मांग है कि वैकल्पिक व्यवस्था के साथ-साथ क्षतिग्रस्त पुल की स्थायी और मजबूत मरम्मत/पुनर्निर्माण की दिशा में भी शीघ्र कार्रवाई हो, ताकि बारिश के दौरान बार-बार आवागमन बाधित होने की समस्या का स्थायी समाधान

बेमेतरा में 5 सितंबर के टीचर्स डे पर संशय, 41 साल की परंपरा पर इस बार बदलाव की आहट

विश्व केसरी■

दो दौर की बैठक के बाद भी आयोजन की तारीख स्पष्ट नहीं, उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों में बढ़ी चिंता; राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम भी बन चुके हैं मुख्य अतिथि

बेमेतरा (अनिल त्रिपाठी)। शिक्षक दिवस यानी 5 सितंबर को जिला मुख्यालय में होने वाले शिक्षक सम्मान समारोह को लेकर इस बार स्थिति स्पष्ट नहीं है। राज्य स्तर की तरह शिक्षक दिवस की तैयारियां चल रही हैं, लेकिन बेमेतरा में 5 सितंबर को ही कार्यक्रम आयोजित होगा या नहीं, इसे लेकर शिक्षकों को अब तक कोई स्पष्ट जानकारी नहीं मिल पाई है। खास बात यह है कि जिले में पिछले 41 वर्षों से 5 सितंबर को शिक्षक दिवस समारोह आयोजित करने की परंपरा रही है। वर्ष 2024 में यह आयोजन नहीं हो पाया था। इसके बाद वर्ष 2025 में स्थानीय विधायक के संरक्षण में शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित किया गया था।

इस वर्ष 5 सितंबर 2026 को कार्यक्रम के आयोजन को लेकर दो दौर की बैठकें भी हो चुकी हैं। इसके बावजूद कार्यक्रम की तिथि, स्वरूप और आयोजन को लेकर स्थिति साफ नहीं हुई है। ऐसे में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों के बीच भी आयोजन को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। शिक्षक यह जानना चाहते हैं कि वर्षों से चली आ रही परंपरा के अनुसार 5 सितंबर को समारोह होगा या इस बार इसमें बदलाव किया जाएगा।

राष्ट्रपति से लेकर मुख्यमंत्री और राज्यपाल तक रह चुके हैं मुख्य अतिथि

बेमेतरा का शिक्षक दिवस समारोह केवल स्थानीय आयोजन तक सीमित नहीं रहा है। जिले में आयोजित हो चुके शिक्षक दिवस कार्यक्रमों में देश के पूर्व राष्ट्रपति स्वर्गीय डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम भी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हो चुके हैं। इसके अलावा प्रदेश के मुख्यमंत्री, पूर्व मुख्यमंत्री, राज्यपाल, शिक्षाविद, विश्वविद्यालयों के कुलपति, सेना के ब्रिगेडियर सहित अनेक विशिष्ट हस्तियां समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत कर चुकी हैं।

खैरागढ़ विश्वविद्यालय और पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के कुलपति भी बेमेतरा के शिक्षक दिवस समारोह में शामिल हो चुके हैं। यही वजह है कि जिले के शिक्षकों के लिए यह आयोजन लंबे समय से विशेष महत्व रखता है। शिक्षक सम्मान समारोह में जिले के उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को सम्मानित करने के साथ शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान को सार्वजनिक मंच पर पहचान दी जाती रही है।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सूरज महंत के जन्मदिन पर दी बधाई

विश्व केसरी■

सक्ती (ईश्वर लोधी)। छत्तीसगढ़ विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत एवं कोरबा सांसद ज्योत्स्ना महंत के सुपुत्र सूरज महंत के जन्मदिन के शुभ अवसर पर कोरबा में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सक्ती से पहुँचे वरिष्ठ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सूरज महंत को जन्मदिन की हार्दिक बधाई व शुभकामनाएँ दीं और उनके दीर्घायु तथा उज्ज्वल भविष्य की कामना की। जन्मदिन के बधाई कार्यक्रम में सक्ती के प्रमुख कांग्रेसी कार्यकर्ता भुरू अग्रवाल, सम्सतरेज खान, सपनई पाली के सरपंच विशाल जांगड़े एवं जोगिंदर मुख्य रूप से शामिल हुए।

इस दौरान कार्यकर्ताओं ने सूरज महंत का आत्मीय स्वागत किया और नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत व सांसद ज्योत्स्ना महंत से भी मुलाकात कर विभिन्न सामाजिक एवं क्षेत्रीय विषयों पर चर्चा की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और शुभचिंतक उपस्थित रहे।

झमाझम बारिश, सराबोर हुआ बेमेतरा अंचल

विश्व केसरी■

सुबह से ही झड़ी जैसा रहा मौसम, गांव-गांव में बारिश से किसानों के चेहरे खिले; धान के खेतों में जलभराव के लिए अब भी तेज बारिश का इंतजार

बेमेतरा (अनिल त्रिपाठी)। बीते करीब 13 दिनों से आसमान में छाई बदली और रुक-रुककर हो रही बूंदाबांदी के बाद बुधवार को मौसम ने करवट ली। सुबह से ही अंचल में झड़ी जैसा माहौल रहा। दिनभर रुक-रुककर झमाझम बारिश होती रही। शहर से लेकर गांवों तक हुई बारिश से सड़कें और गलियां पानी से तरबतर हो गईं। खेतों में भी बारिश का पानी पहुंचा, जिससे किसानों के चेहरे खिल उठे। हालांकि धान की फसल के लिए खेतों में पर्याप्त जलभराव नहीं होने से किसानों को अभी भी एक-दो दौर की अच्छी बारिश का इंतजार है।

बुधवार सुबह से ही आसमान में घने बादल छाए रहे। इसके बाद शुरू हुई बारिश का सिलसिला दिनभर चलता रहा। कहीं तेज तो कहीं मध्यम बारिश हुई। ग्रामीण अंचलों में भी बारिश का असर देखने को मिला। लंबे समय से बादलों के बने रहने के बावजूद अपेक्षाकृत कम बारिश होने से किसान चिंतित थे। बुधवार की बारिश ने किसानों को कुछ राहत दी है। किसानों का कहना है कि इस समय धान की फसल को पानी की सबसे ज्यादा जरूरत है। बारिश होने से खेतों में नमी बढ़ी है और फसल को फायदा मिलेगा।

13 दिन से छाए थे बादल, बारिश का इंतजार कर रहे थे किसान

अंचल में पिछले करीब 13 दिनों से आसमान में लगातार बदली छाई हुई थी। बीच-बीच में बूंदाबांदी होने से मौसम ठंडा जरूर रहा, लेकिन खेती के लिहाज से पर्याप्त बारिश नहीं हो पा रही थी।

नवनियुक्त जिला कलेक्टर जयश्री जैन से प्रेस क्लब के सदस्यों ने की मुलाकात

विश्व केसरी■

सक्ती (ईश्वर लोधी)। जिला सक्ती प्रेस क्लब शक्ति के सदस्यों ने नव नियुक्त कलेक्टर जयश्री जैन से की मुलाकात इस अवसर पर कलेक्टर मैडम को शक्ति जिले के प्रसिद्ध पर्यटन तथा पुरातत्व पहचान की स्मृति चिन्ह प्रदान किया वही प्रेस क्लब के सदस्यों का परिचय कराया गया। जिले के तुरीधाम एवं दमाउदहरा के प्रसिद्ध धार्मिक पर्यटन स्थल के विकास के लिए कार्य योजना बनाने की मांग की गई एवं केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित केंद्रीय विद्यालय की स्थापना शहर में करने की मांग अन्य पहलुओं पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। इस मौके पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी वासु जैन, जिले के एडिशनल कलेक्टर वीरेंद्र लकड़ा जनसंपर्क अधिकारी आनंद दुबे, जिला शक्ति प्रेस क्लब के संरक्षक राजकुमार दरयानी, जिला शक्ति प्रेस क्लब के अध्यक्ष ईश्वर लोधी, सचिव कन्हैया गोयल, कोषाध्यक्ष सम्सतरेज खान, उपाध्यक्ष राजीव लोचन, रंजन सिन्हा, मोहन देवांगन, संतोष सोनी लाला, देवेंद्र राठौर एवं अन्य

जे.बी.डी.ए.वी. स्कूल के 14 होनहार खिलाड़ी जिला स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता के लिए रवाना

विश्व केसरी■

सक्ती (ईश्वर लोधी)। नगर के प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थान जे.बी.डी.ए.वी. हायर सेकेंडरी स्कूल, सक्ती के 14 प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का चयन जिला स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता 2026 के लिए हुआ है। ये सभी खिलाड़ी दौड़, कूद और थ्रो जैसी कुल 25 अलग-अलग स्पर्धाओं में विद्यालय व नगर का प्रतिनिधित्व करेंगे। प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु दल को उत्साहपूर्वक रवाना किया गया।

25 स्पर्धाओं में दिखाएंगे दम

चयनित खिलाड़ियों में प्राथमिक से लेकर उच्चतर माध्यमिक स्तर तक के छात्र-छात्राएं शामिल हैं:

दौड़ स्पर्धाएं: तारक्ष सिदार (100 व 200 मी.), टिकू पटेल (400 व 600 मी.), विराट धीवर (400, 800 व 8000 मी.), श्रुति दिवान (100 व 200 मी.), महिमा पटेल (3000 मी.), शांता सिदार (800 मी.), सुहानी पटेल (100 व 200 मी.) और पार्वती पटेल (400 मी.) अपना दम दिखाएंगे।

पैदल चाल: विजय पटेल, भावेश पटेल एवं यश चंद्रा पैदल चाल स्पर्धा में हिस्सा लेंगे।

कूद एवं थ्रो स्पर्धाएं: तारक्ष सिदार (लंबी कूद), नैतिक कसेर (ऊंची कूद), गौतम चंद्रा (ऊंची कूद, तवा फेंक, गोला फेंक), रूद्र पटेल (तवा, गोला व भाला फेंक), सुहानी पटेल (ऊंची कूद) और पार्वती पटेल (भाला फेंक) में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

रवानगी के अवसर पर विद्यालय प्रबंधन अंकोत दरयानी एवं प्राचार्य राम नारायण धीवर ने खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाते हुए उन्हें अनुशासित रहकर श्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया तथा जीत की अग्रिम शुभकामनाएं दीं। विद्यालय परिवार को उम्मीद है कि ये खिलाड़ी जिले में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर शाला का नाम रोशन करेंगे।

ज्ञानदीप पुरूस्कार के लिए चुने गए शिक्षक-शिक्षिकाओं को अब भी इंतजार

विश्व केसरी■

बेमेतरा (अनिल त्रिपाठी)। जिले में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को सम्मानित करना शासन की महत्वपूर्ण परम्परा रही है। लेकिन बेमेतरा जिले में वर्ष 2025 में चयनित शिक्षक आज तक अपने सम्मान की प्रतीक्षा कर रहे है। जिला शिक्षा अधिकारी बेमेतरा कार्यालय द्वारा करीब एक वर्ष पूर्व 28 अगस्त 2025 को मुख्यमंत्री गौरव अलंकरण के तहत शिक्षक शिक्षिकाओं को सम्मानित करने के लिए एक सूची जारी की गई थी। जिसमें 3 शिक्षक शिक्षिकाओं को ज्ञानदीप सम्मान और 10 शिक्षक शिक्षिकाओं को शिक्षा दूत सम्मान से सम्मानित किए जाने के लिए आदेश निकाला था। जिन शिक्षक शिक्षिकाओं के नाम ज्ञानदीप पुरस्कार और शिक्षा दूत सम्मान के लिए इस सूची में नाम है। उन्हें आज इंतजार करते पूरा एक वर्ष बीत गया। एक तरह से देखा जाए तो नये शिक्षा सत्र की शुरूआत भी हो गई है और इस वर्ष 2026 के लिए मुख्यमंत्री गौरव अलंकरण पुरस्कार के लिए नाम आमंत्रित किये है। लेकिन शिक्षा विभाग एक वर्ष पूर्व सम्मान के लिए जारी चयनित सूची के शिक्षकों को आज तक सम्मानित नहीं कर पाया है। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री गौरव अलंकरण पुरस्कार के अंतर्गत ज्ञान दीप सम्मान से सम्मानित किये जाने वाले शिक्षक शिक्षकाओं को रू. 7000 की राशि और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाता है। इसी तरह से शिक्षा दूत के रूप में चयनित शिक्षक शिक्षकाओं को रू.5000 की राशि और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाने की सुंदर परंपरा है। इन शिक्षक शिक्षकाओं का चयन उनके उत्कृष्ट कार्य और विद्यालय में किये जाने वाले उनके नवाचारी गतिविधियों के आधार पर किया जाता है। विकासखंडो से ऐसे उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षक शिक्षकाओं की सूची मंगाई जाती है। और उन्हें जिला स्तरीय कार्यक्रम में सम्मानित किया जाता है। ऐसे चयनित और सम्मानित किये जाने के लिए शिक्षक शिक्षिकाओं की सूची जारी किए हुए आज पूरा एक वर्ष बीतने को है।

लेकिन उन्हें आज तक जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय की ओर से सम्मानित नहीं किया गया है। ज्ञान दीप पुरस्कार से सम्मानित किये जाने वाले शिक्षक शिक्षिकाओं की सूची में प्रतीक जैन शिक्षिका शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला रानो विकास खंड साजा, चंद्रप्रभा बंजारे शिक्षिका कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय नवागढ़, सोन लाल चंद्राकर शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला अमलीडीह शामिल है। इसी तरह से जिला स्तरीय शिक्षादूत पुरस्कार से सम्मानित किये जाने वाले विभिन्न विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक शिक्षिकाओं की संख्या 10 है। जो अपने-अपने विद्यालयों में नवाचारी गतिविधियों के साथ विद्यार्थियों को अध्यापन करा रहे हैं। ज्ञानदीप और शिक्षादूत पुरस्कार के लिए तैयारी चल रही है इस महीने यह कार्यक्रम आयोजित कर चयनित शिक्षकों का सम्मान किया जाएगा पूर्व में यह कार्यक्रम क्यों आयोजित नहीं हो पाया इसके बारे में मुझे कोई जानकारी नहीं है।

टिन शेड की जगह अब बनेगा भव्य डोम, शराब दुकान को दूसरी जगह शिफ्ट करने की बाधा दूर

विश्व केसरी■

छुरा (मानसिंह निषाद)। राजिम विधानसभा क्षेत्र के विकास को लेकर विधायक रोहित साहू की सक्रियता एक बार फिर उस समय देखने को मिली, जब बुधवार को उन्होंने छुरा नगर के प्रसिद्ध शीतला मंदिर प्रांगण में चौपाल लगाकर नगरवासियों, पार्षदों और जनप्रतिनिधियों से सीधे संवाद किया। किसी औपचारिक बैठक तक सीमित रहने के बजाय विधायक ने जनता के बीच बैठकर उनकी समस्याएं सुनीं और मौके पर मौजूद अधिकारियों को कई मामलों में तत्काल आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। शीतला मंदिर प्रांगण में आयोजित इस चौपाल में नगर की मूलभूत सुविधाओं से लेकर धार्मिक स्थल के विकास, सड़क-नाली निर्माण, तालाब सौंदर्यीकरण, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र के लिए शिविर लगाने तथा शराब दुकान के स्थानांतरण जैसे कई महत्वपूर्ण मुद्दे सामने आए।

विधायक ने एक-एक कर समस्याओं को सुना और संबंधित अधिकारियों से चर्चा करते हुए समाधान की दिशा में पहल करने को कहा।

जनता की उम्मीदों पर खरा उतरना जनप्रतिनिधि की जिम्मेदारी

चौपाल में विधायक रोहित साहू ने कहा कि नगर और राजिम विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए वे पूरी प्रतिबद्धता और समर्पण भाव से कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे स्वयं पंच, सरपंच और जिला पंचायत सदस्य रह चुके हैं, इसलिए उन्हें जमीनी स्तर पर आने वाली समस्याओं और जनता की अपेक्षाओं का अनुभव है। उन्होंने कहा कि किसी भी नगर पंचायत या ग्राम पंचायत की जनता अपने निर्वाचित जनप्रतिनिधियों से विकास की उम्मीद करती है। जनप्रतिनिधि का दायित्व है कि वह जनता की आवाज सुने और उनकी समस्याओं को संबंधित विभाग तक पहुंचाकर उनके निराकरण के लिए लगातार प्रयास करे।

विधायक ने कहा कि वे राजिम विधानसभा क्षेत्र के अलग-अलग हिस्सों में लगातार दौरा कर रहे हैं और जनता से सीधे संवाद के माध्यम से क्षेत्र की वास्तविक समस्याओं को समझने का प्रयास कर रहे हैं। उनका प्रयास है कि विकास कार्य केवल कागजों तक सीमित न रहें, बल्कि उनका लाभ आम लोगों को धरातल पर मिले। शीतला मंदिर प्रांगण के विकास को लेकर विधायक ने अपने चुनाव पूर्व किए गए वादे का भी उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि चुनाव से पहले उन्होंने शीतला मंदिर प्रांगण में टिन शेड निर्माण की घोषणा की थी।

कानून की जानकारी से सशक्त होंगी बेटियां

विश्व केसरी■

सक्ती (ईश्वर लोधी)। शासकीय साहेब कबीर कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पोता में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। प्रधान जिला न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जांजगीर-चांपा के निर्देशानुसार तथा अध्यक्ष तालुका विधिक सेवा समिति मालखरौदा के मार्गदर्शन में आयोजित इस शिविर में छात्राओं को विभिन्न कानूनी प्रावधानों एवं उनके अधिकारों की जानकारी दी गई। शिविर में पैरालीगल वालेंटियर शांति कुर्रे ने छात्राओं को राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (इक्ष) के गठन, उद्देश्य एवं कार्यप्रणाली के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि समाज के जरूरतमंद एवं कमजोर वर्गों को नि:शुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराने में विधिक सेवा प्राधिकरण की महत्वपूर्ण भूमिका है।

इस दौरान छात्राओं को साइबर अपराध, साइबर सेल, अपहरण, बाल विवाह, बालश्रम, बाल अपराध एवं मोटर व्हीकल एक्ट सहित बच्चों के मौलिक अधिकारों के संबंध में जागरूक किया गया। साथ ही लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 (POCSO Act) तथा बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के प्रावधानों की जानकारी देते हुए बालिकाओं को किसी भी प्रकार के शोषण या अपराध की स्थिति में तत्काल आवाज उठाने के लिए प्रेरित किया गया। शिविर में बच्चों एवं महिलाओं की सहायता के लिए उपलब्ध विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी दी गई। छात्राओं को चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, नालसा हेल्पलाइन 15100 तथा महिला हेल्पलाइन 1091 के बारे में बताया गया। साथ ही आपात स्थिति में इन नंबरों का उपयोग करने की प्रक्रिया समझाई गई।कार्यक्रम में नालसा की बच्चों को विधिक सेवाएं एवं बच्चों के संरक्षण के लिए विधिक सेवाएं योजना 2015 तथा नालसा तस्करी और वाणिज्यिक यौन शोषण पीड़ितों को विधिक सेवाएं योजना 2015 के संबंध में भी जानकारी प्रदान की गई। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा के लिए 'अभिव्यक्ति' महिला सुरक्षा ऐप की उपयोगिता बताते हुए छात्राओं को इसे डाउनलोड करने के लिए प्रेरित किया गया। पैरालीगल वालेंटियर शांति कुर्रे ने छात्राओं से कहा कि कानून की जानकारी ही अपने अधिकारों की रक्षा का पहला कदम है।

भारत में डेटा सेंटर की क्षमता 2029 तक बढ़कर 6 गीगावाट होने की उम्मीद

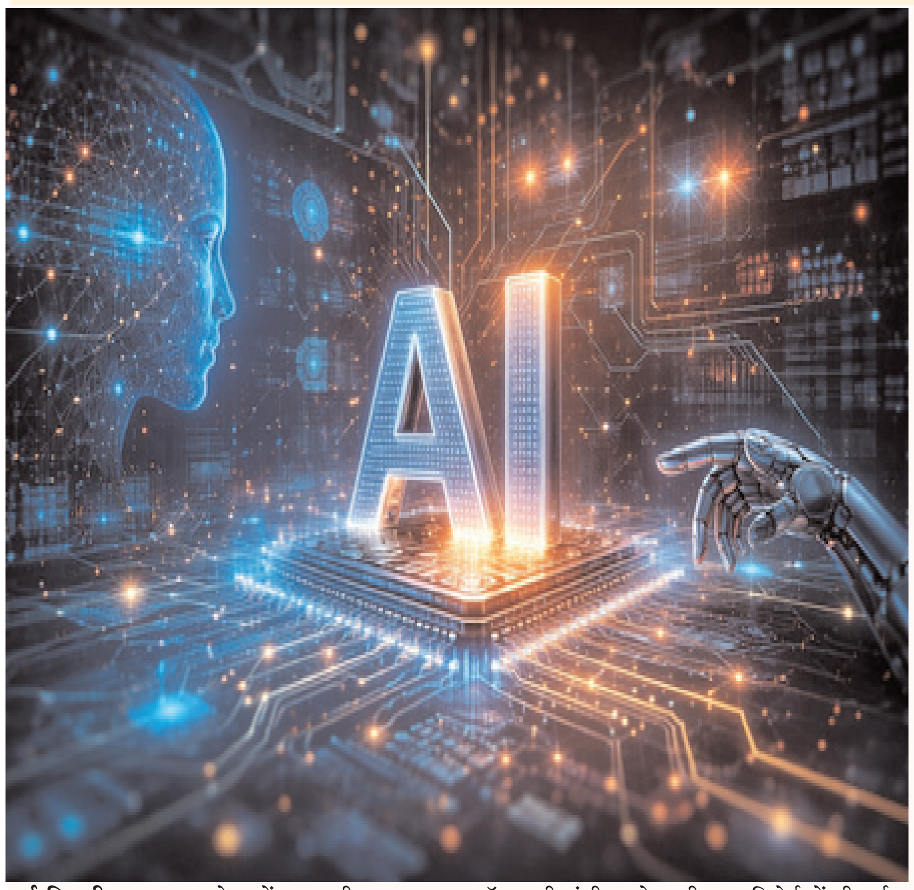

नई दिल्ली। भारत का डेटा सेंटर इंडस्ट्री की क्षमता जून 2026 तक 1.6 गीगावाट की क्षमता से बढ़कर 2029 तक 6 गीगावाट होने की उम्मीद है। इसके लिए करीब 110 अरब डॉलर की पूंजी की जरूरत होगी। इस वृद्धि को एआई वर्कलोड और हाइपरस्केल क्लाउड की तैनाती से बढ़ावा मिलेगा। यह जानकारी बुधवार को जारी एक रिपोर्ट में दी गई।

जेएलएल की रिपोर्ट के अनुसार, 2026 की पहली छमाही में डेटा सेंटर क्षेत्र में 101 मेगावाट की मांग दर्ज की गई, जो पिछले तीन वर्षों के पहली छमाही के औसत से 20 प्रतिशत से अधिक है।

इस अवधि में आपूर्ति भी मजबूत रही और 85 मेगावाट क्षमता जोड़ी गई, जो मुख्य रूप से मुंबई और चेन्नई में केंद्रित रही। पहले से बुक की गई क्षमता की तेजी से डिलीवरी के कारण डेटा सेंटर में मौजूद खाली क्षमता घटकर रिकॉर्ड निचले स्तर 2.8 प्रतिशत पर आ गई, जो बाजार की मजबूत स्थिति को दर्शाता है।

रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक हाइपरस्केलर कंपनियां बाजार की गतिशीलता को मूल रूप से बदल रही हैं।

वे नई क्षमता का करीब 30 प्रतिशत हिस्सा सेल्फ-बिल्ड सुविधाओं के जरिए विकसित करने की प्रतिबद्धता जता रही हैं।

हाइपरस्केल सेल्फ-बिल्ड परियोजनाओं के तहत 2029 तक 1.4 गीगावाट क्षमता उपलब्ध होने की उम्मीद है। बड़े निवेश के चलते हैदराबाद और विशाखापत्तनम जैसे शहर गीगावाट-स्तरीय डेटा सेंटर हब में बदल रहे हैं, जबकि मुंबई और चेन्नई जैसे स्थापित बाजार भी तेजी से विस्तार कर रहे हैं।

हालिया केंद्रीय बजट में विदेशी क्लाउड सेवा प्रदाताओं के लिए 20 साल की टैक्स हॉलिडे की घोषणा की गई है, जिसे 31 मार्च, 2047 तक बढ़ाया गया है। इससे निवेश प्रतिबद्धताओं में काफी तेजी आई है।

इस नीति के तहत 50 अरब डॉलर से अधिक की विदेशी पूंजी निवेश प्रतिबद्धताएं आकर्षित हुई हैं।

यह पहल भारत को वैश्विक एआई और क्लाउड सेवाओं की रूटिंग के लिए एक वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करने के साथ-साथ लंबी अवधि के पूंजी निवेश के जोखिम को कम करने में मदद कर रही है।

इस विस्तार के लिए रियल एस्टेट निर्माण पर 4 अरब डॉलर, मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल और प्लंबिंग (एमईपी) बुनियादी ढांचे पर 18 अरब डॉलर तथा सर्वर और रैक समेत आईटी उपकरणों पर 88 अरब डॉलर की जरूरत होगी।

रिपोर्ट में कहा गया है कि 2033 तक छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर (एसएमआर) विकसित होने से बड़े डेटा सेंटर कैंपस के लिए ऑफ-ग्रिड बिजली समाधान की भविष्य में संभावनाएं पैदा हो सकती हैं।

एप्पल के नए सीईए जॉन टर्नस को मिलेगा 58 मिलियन डॉलर का पैकेज, टिम कुक की सैलरी घटी

विश्व केसरी

नई दिल्ली। टेक कंपनी एप्पल में नेतृत्व बदलने के साथ ही नए सीईओ के सैलरी पैकेज का भी खुलासा हो गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक एप्पल के नए चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर जॉन टर्नस को वित्त वर्ष 2027 में करीब 58 मिलियन डॉलर का पैकेज मिलेगा, जबकि निवर्तमान सीईओ टिम कुक को एग्जीक्यूटिव चेयरमैन के तौर पर करीब 47 मिलियन डॉलर मिलेंगे।

कंपनी ने मंगलवार को यूएस सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन में फाइलिंग कर यह जानकारी दी। मंगलवार ही टर्नस के सीईओ के तौर पर कार्यकाल का पहला दिन था।

फाइलिंग के मुताबिक वित्त वर्ष 2027 में जॉन टर्नस को 3 मिलियन डॉलर की सालाना बेस सैलरी मिलेगी और 55 मिलियन डॉलर के टारगेट वैल्यू वाला स्टॉक अवॉर्ड दिया जाएगा। इसके अलावा वित्त वर्ष 2026 के लिए, जो सितंबर में खत्म हो रहा है, उन्हें करीब 2.5 मिलियन डॉलर का प्रोरेटेड रिस्ट्रिक्टेड स्टॉक यूनिट अवॉर्ड भी मिलेगा। जॉन टर्नस के इक्विटी अवॉर्ड का 75 फीसदी हिस्सा एप्पल के परफॉर्मेंस से जुड़ा होगा, जिसे एस एंड पी 500 के मुकाबले मापा जाएगा। बाकी 25 फीसदी टाइम-बेस्ड स्टॉक यूनिट्स होंगी, जो हर छह महीने में वेस्ट होंगी।

टिम कुक जब एग्जीक्यूटिव चेयरमैन की भूमिका में जाएंगे तो उनकी सालाना सैलरी 3 मिलियन डॉलर से घटकर 2 मिलियन डॉलर हो जाएगी। हालांकि 2027 के लिए उनका स्टॉक अवॉर्ड 45 मिलियन डॉलर का होगा, जिसमें आधा हिस्सा कंपनी के परफॉर्मेंस से जुड़ा होगा।

बता दें कि 2025 में एप्पल सीईओ के तौर पर टिम कुक का कुल पैकेज 74.3 मिलियन डॉलर था। दोनों अधिकारियों के स्टॉक अवॉर्ड की वैल्यू एप्पल के शेयर प्राइस के साथ घट-बढ़ सकती है। कंपनी ने फाइलिंग में कैश बोनस की जानकारी नहीं दी है, जो आमतौर पर सैलरी और परफॉर्मेंस पर आधारित होता है।

टिम कुक ने 15 साल तक सीईओ की जिम्मेदारी संभाली। इस दौरान एप्पल ने नए प्रोडक्ट कैटेगरी में विस्तार किया और सालाना रेवेन्यू को करीब 500 बिलियन डॉलर तक पहुंचा दिया। उनके कार्यकाल में कंपनी के शेयरों में 2,200 फीसदी से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई।

जॉन टर्नस ने मंगलवार को सीईओ का पद संभाला है। इससे पहले वह एप्पल में सीनियर वाइस प्रेसिडेंट, हार्डवेयर इंजीनियरिंग के तौर पर काम कर रहे थे।

मेटाबॉलिक जोखिम बढ़ा रहे एनसीडी का खतरा, स्वस्थ जीवनशैली और समय पर जांच जरूरी

विश्व केसरी

नई दिल्ली। आज के समय में गैर-संचारी रोग (एनसीडी) लोगों के स्वास्थ्य के लिए बड़ी चुनौती बन चुके हैं। इनमें डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर और हृदय रोग जैसी बीमारियां शामिल हैं। इन बीमारियों का खतरा बढ़ाने वाले कई कारण हमारी रोजमर्रा की जीवनशैली से जुड़े हैं। खराब खानपान, शारीरिक गतिविधि की कमी, तंबाकू और शराब का सेवन तथा बढ़ता वजन ऐसे प्रमुख जोखिम कारक हैं, जिन पर समय रहते ध्यान देकर एनसीडी से बचाव किया जा सकता है।

भारत में राष्ट्रीय गैर-संचारी रोग निगरानी सर्वेक्षण (एनएनएमएस) 2017-18 के जरिए वयस्क आबादी में एनसीडी से जुड़े जोखिम कारकों की राष्ट्रीय स्तर पर स्थिति का आकलन किया गया। सर्वे में 18 से 69 वर्ष की उम्र के वयस्कों को शामिल किया गया था। इसके आंकड़े बताते हैं कि देश में मेटाबॉलिक जोखिम कारकों का स्तर चिंता का विषय है।

सर्वे के अनुसार, 28.5 प्रतिशत वयस्कों का ब्लड प्रेशर बढ़ा हुआ पाया गया। वहीं 9.3 प्रतिशत लोगों में ब्लड ग्लूकोज का स्तर बढ़ा हुआ था। इसके अलावा 26.1 प्रतिशत लोग ओवरवेट जबकि 6.2 प्रतिशत मोटापे से प्रभावित पाए गए। सेंट्रल ओबेसिटी यानी पेट के आसपास अधिक चर्बी की समस्या 32.2 प्रतिशत वयस्कों में देखी गई। पेट के आसपास जमा अतिरिक्त चर्बी को कई मेटाबॉलिक बीमारियों के बढ़ते खतरे से जोड़ा जाता है।

सर्वे में केवल वजन और ब्लड प्रेशर जैसे मेटाबॉलिक जोखिम ही नहीं बल्कि जीवनशैली से जुड़े दूसरे पहलुओं की भी जानकारी जुटाई गई। इसमें सामने आया कि 32.8 प्रतिशत वयस्क तंबाकू का सेवन कर रहे थे जबकि 15.9 प्रतिशत लोगों ने शराब के सेवन की जानकारी दी। इससे यह साफ होता है कि एनसीडी की रोकथाम के लिए केवल दवाओं पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है बल्कि जीवनशैली में बदलाव भी जरूरी है।

शारीरिक सक्रियता की कमी भी एक बड़ी चिंता के रूप में सामने आई। सर्वे में 41.3 प्रतिशत वयस्क शारीरिक रूप से निष्क्रिय पाए गए। यानी बड़ी संख्या में लोग रोजमर्रा की जिंदगी में पर्याप्त शारीरिक गतिविधि नहीं कर रहे थे। खानपान की स्थिति भी बेहतर नहीं थी। करीब 98.4 प्रतिशत वयस्क रोजाना पांच सर्विंग लगभग (400-500 ग्राम) से कम फल और सब्जियां खा रहे थे। वहीं, आबादी का औसत नमक सेवन करीब 8 ग्राम प्रतिदिन पाया गया।

शरीर और मन दोनों को स्वस्थ रखता है अर्द्धहलासन, जानें करने का सही तरीका

विश्व केसरी

नई दिल्ली। योग हमारी प्राचीन परंपरा की अमूल्य धरोहर है, जो न सिर्फ शरीर को बल्कि स्वस्थ रखने के साथ मन को भी शांत रखने में कारगर होता है। योग के विभिन्न आसनों में 'अर्द्धहलासन' शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है।

'अर्द्धहलासन' एक संस्कृत शब्द से बना है, जिसमें 'अर्द्ध' का अर्थ 'आधा' और 'हल' का मतलब 'खेत जोतने वाला'। यह आसन हलासन का आधा रूप है, जिसमें पैर के अंगूठे सिर के पीछे जमीन को छूते हैं लेकिन अर्द्धहलासन में आपको सिर्फ पीठ के बल सीधे लेटकर अपने दोनों पैरों को जमीन से 90 डिग्री ऊपर उठाना होता है।

आयुष मंत्रालय के अनुसार, अर्द्धहलासन को नियमित तौर पर करने से पेट की चर्बी कम होती है, पाचन तंत्र मजबूत होता है, रीढ़ की हड्डी को लचीलापन मिलता है, और रक्त संचार में सुधार होता है। साथ ही, यह तनाव और चिंता की समस्या को दूर करता है। इसके अलावा, पैरों की मांसपेशियों को मजबूती प्रदान करता है और पेट की चर्बी को कम करने में मदद करता है। 'अर्द्धहलासन' को सही तरीके से करने के लिए कुछ चरणों का पालन करना होता है। सबसे पहले पीठ के बल लेट जाएं, दोनों हाथ शरीर के बगल में रखें, और हथेलियां जमीन पर हों। इसके बाद सांस (श्वास) भरते हुए घुटनों को बिना मोड़े धीरे-धीरे अपने दोनों पैरों को ऊपर उठाएं और जमीन से 90 डिग्री का कोण बनाएं। इस अवस्था में नितंब से कंधे तक शरीर एक सीध में रहेगा। सामान्य रूप से सांस लेते हुए इस अवस्था में 10-30 सेकेंड तक बने रहें। बाद में सांस छोड़ते हुए बिना सिर उठाए धीरे-धीरे पैरों को वापस जमीन पर ले आएं। शवासन में विश्राम करें।

हालांकि, इस आसन को करते समय कुछ सावधानियां बरतें। अगर आपको पीठ दर्द, गर्भावस्था, हर्निया, या कोई गंभीर स्वास्थ्य समस्या है, तो इस आसन को करने से पहले चिकित्सक या योग प्रशिक्षक से सलाह लें।

झारखंड में 30 दिनों में स्वाइन फ्लू के 36 मामले, स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

विश्व केसरी

रांची। झारखंड मे स्वाइन फ्लू एच1एन1 संक्रमण के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी ने स्वास्थ्य महकमे की चिंता बढ़ा दी है। पिछले 30 दिनों में राज्यभर से एच1एन1 संक्रमण के कुल 36 मामले सामने आए हैं। चिंताजनक बात यह है कि कुल मरीजों में से आधे यानी 18 मरीज बच्चे और किशोर हैं। बढ़ते खतरे को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह मुस्तैद हो गया है और राज्य के सभी प्रमुख अस्पतालों को अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश दिए गए हैं।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, दूसरे राज्यों से यात्रा कर झारखंड लौटने वाले लोगों के कारण भी संक्रमण का प्रसार देखा जा रहा है। दिल्ली, कर्नाटक, केरल, महाराष्ट्र और राजस्थान में मौसमी फ्लू के बढ़ते प्रकोप को ध्यान में रखते हुए झारखंड में भी अंतरराज्यीय आवाजाही पर सतर्कता बढ़ा दी गई है। एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशनों और अंतरराज्यीय बस स्टैंडों जैसे उच्च आवाजाही वाले स्थानों पर निगरानी बढ़ाने के साथ ही जिला स्तर से रोजाना रिपोर्ट तलब की जा रही है।

राज्य में संक्रमण की सटीक पहचान के लिए रांची स्थित रिम्स और जमशेदपुर स्थित एमजीएम) में एच1एन1 तथा एच3एन2 वायरस की जांच की आधुनिक व्यवस्था उपलब्ध कराई गई है। राज्य स्वास्थ्य निदेशालय ने सभी जिलों के मुख्य चिकित्सा पदाधिकारियों को संदिग्ध मरीजों की त्वरित पहचान, जांच और समुचित इलाज सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश जारी किए हैं। राज्य के तमाम मेडिकल कॉलेज अस्पतालों और सदर अस्पतालों में कम से कम 10-10 अतिरिक्त बेड आरक्षित रखने का आदेश दिया गया है। इसके अलावा, अस्पतालों में पर्याप्त ऑक्सीजन सप्लाई, आवश्यक दवाइयों का स्टॉक, आईसीयू , एचडीयू तथा विशेषज्ञ डॉक्टरों एवं पैरामेडिकल स्टाफ की 24 घंटे उपलब्धता अनिवार्य कर दी गई है। विभाग द्वारा इन्फ्लुएंजा जैसे लक्षणों वाली बीमारियों और गंभीर श्वसन संक्रमण के मामलों पर भी पैनी नजर रखी जा रही है।

क्या आपकी डाइट में पर्याप्त कैल्शियम है? जानिए स्रोत, फायदे और रोजाना कितनी जरूरत

विश्व केसरी

नई दिल्ली। हमारे शरीर को स्वस्थ रखने के लिए कई तरह के पोषक तत्वों की जरूरत होती है और कैल्शियम उनमें से एक बेहद जरूरी खनिज है। आमतौर पर कैल्शियम का नाम सुनते ही सबसे पहले हड्डियों और दांतों का ख्याल आता है, लेकिन इसकी भूमिका सिर्फ इतनी ही नहीं है। इसलिए रोज की डाइट में पर्याप्त कैल्शियम लेना जरूरी है।

कैल्शियम हमारी हड्डियों और दांतों को मजबूत बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। शरीर में मौजूद कैल्शियम का बड़ा हिस्सा हड्डियों और दांतों में संग्रहित रहता है। इसके अलावा यह मांसपेशियों के सही तरीके से काम करने में मदद करता है। दिल की सामान्य धड़कन और रक्त के थक्के बनने की प्रक्रिया में भी कैल्शियम की भूमिका होती है।

कैल्शियम की जरूरत सिर्फ बच्चों को बढ़ती हड्डियों के लिए नहीं, बल्कि हर उम्र के व्यक्ति को होती है। उम्र बढ़ने के साथ हड्डियों की मजबूती बनाए रखने के लिए भी पर्याप्त कैल्शियम और संतुलित आहार जरूरी है।

कैल्शियम पाने के लिए हमेशा सप्लीमेंट की जरूरत हो, ऐसा नहीं है। संतुलित डाइट के जरिए भी इसे हासिल किया जा सकता है। दूध और दूध से बने उत्पाद जैसे दही और पनीर कैल्शियम के अच्छे स्रोत माने जाते हैं।

इसके अलावा सोयाबीन, बादाम, दालें, अंजीर, मूली, गाजर और हरी पत्तेदार सब्जियों को भी अपनी डाइट में शामिल किया जा सकता है। अलग-अलग खाद्य पदार्थों को मिलाकर खाने से डाइट ज्यादा पौष्टिक और संतुलित बनती है।

सिर्फ कैल्शियम खाना ही काफी नहीं है। शरीर कैल्शियम को अच्छी तरह अवशोषित कर सके, इसके लिए विटामिन-डी भी महत्वपूर्ण है। इसलिए कैल्शियम युक्त भोजन के साथ विटामिन-डी के पर्याप्त स्रोतों और स्वस्थ जीवनशैली पर भी ध्यान देना चाहिए। आम तौर पर वयस्कों के लिए कैल्शियम की दैनिक आवश्यकता लगभग 1.0 से 1.5 ग्राम प्रतिदिन बताई जाती है।

एक पैर पर खड़े होकर करें ये आसान योगासन, शरीर के साथ मन भी रहेगा स्थिर

विश्व केसरी

नई दिल्ली। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में शरीर को स्वस्थ रखने के साथ-साथ मन को शांत और एकाग्र रखना भी जरूरी है। योग इस दिशा में काफी मददगार हो सकता है। योग के अलग-अलग आसनों में वृक्षासन एक ऐसा सरल आसन है, जो शरीर के संतुलन के साथ एकाग्रता और जागरूकता को बढ़ाने में सहायक माना जाता है। नियमित अभ्यास से व्यक्ति शारीरिक और मानसिक स्थिरता की ओर कदम बढ़ा सकता है।

वृक्षासन का नाम वृक्ष (पेड़) से लिया गया है। जिस तरह एक पेड़ अपनी जड़ों के सहारे मजबूती से खड़ा रहता है, उसी तरह इस आसन में शरीर को स्थिर रखते हुए संतुलन बनाए रखने का प्रयास किया जाता है। इसका अभ्यास करते समय एक पैर पर खड़े होकर दूसरे पैर के तलवे को सहारे के अनुसार जांघ के पास रखा जाता है। इसके बाद दोनों हाथों को ऊपर उठाकर नमस्कार की मुद्रा में रखा जा सकता है। आसन के दौरान सामने किसी एक बिंदु पर ध्यान केंद्रित करना संतुलन बनाए रखने में मदद करता है।

वृक्षासन का नियमित और सही तरीके से अभ्यास तंत्रिका से संबंधित स्नायुओं के समन्वय में मदद कर सकता है। शरीर को एक स्थिति में स्थिर रखने के प्रयास से संतुलन और शरीर की जागरूकता पर ध्यान जाता है। इसके साथ ही यह आसन सहनशीलता को बढ़ावा देने में भी सहायक हो सकता है। शुरुआत में संतुलन बनाना थोड़ा मुश्किल लग सकता है, लेकिन नियमित अभ्यास के साथ शरीर इस स्थिति के अनुकूल होने लगता है।

दलीप ट्रॉफी: कप्तान तिलक वर्मा का दमदार प्रदर्शन, नॉर्थ जोन को 7 विकेट से हराकर फाइनल में पहुंचा साउथ जोन

विश्व केसरी ■

बेंगलुरु। दलीप ट्रॉफी के दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में साउथ जोन ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए नॉर्थ जोन को 7 विकेट से हराया। नॉर्थ जोन से मिले 181 रनों के लक्ष्य को साउथ जोन ने आसानी से 3 विकेट खोकर हासिल कर लिया। कप्तान तिलक वर्मा का प्रदर्शन बल्ले से दमदार रहा।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी साउथ जोन की शुरुआत अच्छी रही। रिकी भुई और एन जगदीशन ने मिलकर पहले विकेट के लिए 64 रनों की अहम साझेदारी निभाई। जगदीशन 5 चौकों की मदद से 43 रन बनाकर आउट हुए, जबकि रिकी भुई 42 रन बनाने के बाद गुरनूर बरार का शिकार बने। शेख रशीद बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और सिर्फ एक रन बनाकर आउट हुए।

हालांकि, इसके बाद कप्तान तिलक वर्मा और समरण रविचंद्रन ने साउथ जोन को कोई और झटका नहीं लगने दिया और चौथे विकेट के लिए 80 रनों की अटूट साझेदारी निभाते हुए टीम को जीत दिलाई। पहली पारी में शतक लगाने वाले तिलक ने दूसरी इनिंग में 79 गेंदों में 51 रनों की नाबाद पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान उन्होंने 8 चौके लगाए। वहीं, समरण 42 गेंदों में 4 चौके और एक छक्के की मदद से 32 रन बनाकर नॉटआउट रहे।

नॉर्थ जोन ने पूरी टीम पहली पारी में सिर्फ 175 रन बनाकर ऑलआउट हुई थी। कमरान इकबाल ने टीम की ओर से सर्वाधिक 76 रन बनाए, जबकि साउथ जोन की ओर से गेंदबाजी में विदवथ कवेरप्पा सबसे ज्यादा 4 विकेट चटकाए। साउथ जोन ने इसके जवाब में पहली पारी में कप्तान तिलक की 116 रनों की शतकीय पारी के बूते 312 रन बनाए और 117 रनों की बढ़त हासिल की। तिलक के अलावा, श्रेयस गोपाल ने 87 रनों का योगदान दिया। नॉर्थ जोन की तरफ से गुरनूर बरार ने सर्वाधिक 4 विकेट निकाले।

दूसरी पारी में नॉर्थ जोन की पूरी टीम 297 रन बनाकर ऑलआउट हुई। टीम की तरफ से सनत सांगवान ने 76 रनों की दमदार पारी खेली, जबकि आयुष दोसेजा ने 52 रन बनाए। साउथ जोन की ओर से गेंदबाजी में एमडी निधिश ने 56 रन देकर 5 विकेट चटकाए।

इस जीत के साथ साउथ जोन ने दलीप ट्रॉफी के फाइनल में जगह बना ली है। खिताबी मुकाबले में टीम की भिड़ंत ईस्ट जोन से 6 सितंबर से होगी।

लंदन स्क्वैश क्लासिक: अनाहत और रमित की जीत के साथ शुरुआत, प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश

एजेंसी ■

लंदन। लंदन स्क्वैश क्लासिक में भारत की अनाहत सिंह और रमित टंडन ने जीत के साथ शुरुआत की। दोनों ने सीधे गेम में जीत हासिल करते हुए पीएसए गोल्ड टूर्नामेंट के प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई, जबकि वीर चोटरानी बुधवार को शुरुआती दौर में ही बाहर हो गए।

महिलाओं की वर्ल्ड नंबर 20 और मौजूदा जूनियर वर्ल्ड चैंपियन अनाहत ने दिन का सबसे शानदार भारतीय प्रदर्शन किया। उन्होंने वर्ल्ड नंबर 30 खिलाड़ी मिस्र की मरियम मेटवाली को 11-3, 11-2 से मात दी। इस जीत के लिए उन्हें सिर्फ 11 मिनट का समय लगा। इस भारतीय टीनएजर ने शुरुआत से ही मैच पर पकड़ बनाए रखी और मेटवाली को मैच में जमने का ज्यादा मौका नहीं दिया। पहला गेम तेजी से जीतने के बाद, अनाहत ने दूसरे गेम में भी अपना दबदबा बनाए रखा और 1,44,000 अमेरिकी डॉलर इनामी राशि वाले पीएसए गोल्ड इवेंट के अगले दौर में अपनी जगह सुनिश्चित की। उनकी अगली चुनौती काफी मुश्किल होगी, क्योंकि गुरुवार को होने वाले प्री-क्वार्टर फाइनल में उनका सामना बेल्जियम की वर्ल्ड नंबर 11 नेले गिलिस से होगा।

पुरुषों के ड्रॉ में, वर्ल्ड नंबर 42 रमित टंडन ने भी बिना कोई गेम गंवाए अगले दौर में जगह बनाई। उन्होंने 20 मिनट तक चले शुरुआती दौर के मुकाबले में कतर के अब्दुल्ला अल-तमीमी को 11-6, 11-7 से हराया।

टंडन ने दोनों गेम में अपना दबदबा बनाए रखा और प्री-क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह सुनिश्चित की, जहां बुधवार को उनका सामना आठवीं वरीयता प्राप्त मोहम्मद एलशोरबागी से होगा। मिस्र में जन्मे एलशोरबागी अब इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व करते हैं और भारतीय खिलाड़ी के लिए एक बड़ी चुनौती पेश करेंगे। हालांकि, वर्ल्ड नंबर 38 वीर चोटरानी के लिए निराशाजनक खबर रही, जिन्हें स्विट्जरलैंड के यानिक विल्हेल्मी ने कड़े मुकाबले में सीधे गेम में हरा दिया।

वर्ल्ड नंबर 34 खिलाड़ी विल्हेल्मी ने दोनों गेम एक ही अंतर (11-9) से जीते और चोटरानी के सफर को जल्दी खत्म कर दिया। लंदन स्क्वैश क्लासिक भारत के टॉप खिलाड़ियों के लिए अहम इंटरनेशनल कॉम्पिटिशन बना हुआ है। अनाहत और चोटरानी, ??दोनों ही जापान के आइची-नागोया में होने वाले एशियाई खेलों के लिए तैयारी कर रही भारतीय स्क्वैश टीम का हिस्सा हैं।

अनाहत और टंडन के प्री-क्वार्टर फाइनल में सुरक्षित रूप से पहुंचने के बाद, भारत अब इस सीजन के अहम पीएसए वर्ल्ड टूर गोल्ड इवेंट में पहले दिन के शानदार प्रदर्शन को आगे बढ़ाने की कोशिश करेगा।

यूएस ओपन: मोनफिल्स ने जीत के साथ 40वां जन्मदिन मनाया

विश्व केसरी ■

न्यूयॉर्क। गेल मोनफिल्स ने लुइस आर्मस्ट्रांग स्टेडियम में खचाखच भरी भीड़ के सामने वैलेजो को 2-6, 6-1, 6-2, 6-0 से हराकर यूएस ओपन के अपने पहले मैच में जीत दर्ज की। ओवर ऑल यूएस ओपन में उनकी यह 34वीं जीत थी। इस जीत के साथ उनका 40वां जन्मदिन यादगार बन गया।

यूएस ओपन के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले 50 सालों में यूएस ओपन में मैच जीतने वाले 40 या उससे ज्यादा उम्र के मोनफिल्स तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं। उनसे पहले 1977 में दो बार के यूएस ओपन एकल चैंपियन केन रोजवॉल, 42, और 1992 में पांच बार के यूएस ओपन एकल चैंपियन जिमी कॉनर्स, 40, ने यह कारनामा किया था।

मोनफिल्स ने कहा, 'विशेष नंबर, 40, और अच्छा मैच खेलना, यह स्पेशल था। मुझे लगता है कि मेरा सबसे अच्छा जन्मदिन था। मुझे याद नहीं है, लेकिन यह मेरे परिवार के साथ था। वह निश्चित रूप से सबसे अच्छा था।

पूर्व वर्ल्ड नंबर 6 ने सीजन की शुरुआत में घोषणा की थी कि रिटायरमेंट से पहले 2026 उनका आखिरी टूर होगा, फिर भी मिक्स्ड डबल्स इवेंट के दौरान न्यूयॉर्क की भीड़ द्वारा सम्मानित किए जाने के बाद उन्होंने पत्नी एलिना स्वितोलिना के साथ खेला।

चाइना मास्टर्स: लियू-ह्सू की जोड़ी ने किया बड़ा उलटफेर, वर्ल्ड चैंपियन गिक्वेल-डेलरू को दी शिकस्त

विश्व केसरी ■

शेन्जेन। बीडब्ल्यूएफ सुपर 750 टूर्नामेंट चाइना मास्टर्स में चीनी ताइपे की जोड़ी लियू कुआंग हेंग और ह्सू यिन-हुई ने बुधवार को एक बड़ा उलटफेर करते हुए हाल ही में वर्ल्ड चैंपियन बने थॉम गिक्वेल और डेल्फिन डेलरू को सीधे गेम में हराया।

विश्व की 48वीं मिक्स्ड डबल्स जोड़ी ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए महज 38 मिनट में गिक्वेल-डेलरू के खिलाफ 23-21, 21-10 से जीत दर्ज की। ??उन्होंने पहले गेम में पिछड़ने के बाद वापसी की और फिर दूसरे गेम में दबदबा बनाते हुए फ्रांस की जोड़ी को हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया।

लियू/ह्सू की जोड़ी पहले गेम में 17-19 से पीछे चल रही थी, लेकिन उन्होंने शानदार वापसी की। उन्होंने स्कोर बराबर किया, एक गेम प्वाइंट बचाया और कड़े मुकाबले में पहला गेम 23-21 से अपने नाम कर लिया। इसके बाद उनका आत्मविश्वास बढ़ गया और दूसरे गेम में उन्होंने शानदार खेल दिखाते हुए 21-10 से आसान जीत दर्ज की।

बीडब्ल्यूएफ के मुताबिक, लियू ने कहा, 'हमें पता था कि वे हाल ही में विश्व चैंपियन बने हैं, इसलिए हम उनके खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहते थे। हम उन्हें हराने के लिए और भी ज्यादा प्रेरित थे।' मौजूदा विश्व चैंपियन जोड़ी के खिलाफ मिली शानदार जीत के बारे में ह्सू ने कहा कि उनकी सफलता का सबसे बड़ा कारण आक्रामक खेल था। उन्होंने बताया कि वे पूरे मैच में अटैक करने की रणनीति पर कायम रहे और उसे सही तरीके से मैदान पर लागू करने में सफल रहे। उन्होंने कहा, 'यह हमारा अटैक था। हमने वही किया जो हमें करना था और अपने गेम प्लान को अच्छे से लागू किया। इससे हमें शुरुआत में ही बढ़त बनाने का मौका मिला।'

लियू के अनुसार, पहले गेम में आए नाटकीय बदलाव ने मुकाबले का रुख भी बदल दिया। इससे कमजोर मानी जा रही जोड़ी का आत्मविश्वास बढ़ा, जबकि उनके प्रतिद्वंद्वियों पर दबाव बढ़ता गया। लियू ने कहा, 'दबाव उन पर था और हमारा मूड अच्छा था। इससे हमें और भी अधिक आत्मविश्वास के साथ अपने खेलने के तरीके पर कायम रहने में मदद मिली।'

यह जीत लियू/ह्सू की शानदार फॉर्म को आगे बढ़ाती है। इस जोड़ी ने जून के अंत में यूएस ओपन का खिताब जीता था और उसके अगले ही हफ्ते कनाडा ओपन के फाइनल में भी जगह बनाई थी। लगातार अच्छे प्रदर्शन से साफ है कि दोनों खिलाड़ियों का आत्मविश्वास और लय लगातार बेहतर हो रही है।

ह्सू ने बताया कि उनकी सफलता का बड़ा कारण खेल के कुछ अहम पहलुओं में सुधार करना है। खासतौर पर दोनों खिलाड़ियों के बीच तालमेल बेहतर हुआ है और वे रैली की शुरुआत में पहले से ज्यादा प्रभावी रणनीति के साथ खेल रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मुख्य कारण हमारी बातचीत है और यह कि हमने अपनी सर्विस और रिसीव को अच्छी तरह से सेट किया था। हम ट्रेनिंग में इन चीजों पर काम कर रहे थे और अब इसके नतीजे दिख रहे हैं।

'तेनजिंग नोर्गे नेशनल एडवेंचर अवॉर्ड्स' की घोषणा

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत सरकार के युवा मामले और खेल मंत्रालय ने साल 2024 के लिए तेनजिंग नोर्गे नेशनल एडवेंचर अवॉर्ड्स (टीएनएनएए) की घोषणा की है। इन पुरस्कारों में 4 श्रेणियां 'लैंड एडवेंचर', 'वाटर एडवेंचर', 'एयर एडवेंचर' और 'लाइफटाइम अचीवमेंट' शामिल हैं।

इन पुरस्कारों का उद्देश्य एडवेंचर के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धियों को सम्मानित करना है। साथ ही, ये पुरस्कार धैर्य, जोखिम उठाने की क्षमता, टीमवर्क और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में त्वरित और प्रभावी निर्णय लेने की भावना को बढ़ावा देने के लिए प्रदान किए जाते हैं। सरकार ने तेनजिंग नोर्गे नेशनल एडवेंचर अवॉर्ड्स (टीएनएनएए) 2024 के लिए बलजीत कौर (लैंड एडवेंचर), स्कालजांग रिग्जिन (लैंड एडवेंचर), रिमो साहा (वाटर एडवेंचर) और शिव प्रसाद चमोल (लाइफटाइम अचीवमेंट) को चयनित क्या है।

पुरस्कार विजेताओं को भारत के राष्ट्रपति द्वारा राष्ट्रपति भवन में 'राष्ट्रीय खेल पुरस्कार' 2025 के साथ तेनजिंग नोर्गे नेशनल एडवेंचर अवॉर्ड्स प्रदान किए जाएंगे। पुरस्कार समारोह की तारीख की घोषणा अलग से की जाएगी।

प्रत्येक पुरस्कार विजेता को एक प्रतिमा, एक प्रमाण पत्र और 15 लाख रुपए की पुरस्कार राशि मिलेगी। चयन राष्ट्रीय चयन समिति की सिफारिशों के आधार पर किया गया।

सीपीएल 2026: क्विंटन डी कॉक का शतक बेकार, सेंट किट्स ने बारबाडोस को 6 विकेट से हराया

विश्व केसरी ■

सेंट किट्स। वॉर्नर पार्क में कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2026 का 23वां मुकाबला बारबाडोस ट्राइडेंट्स और सेंट किट्स और नेविस पैट्रियट्स के बीच खेला गया। बारबाडोस ट्राइडेंट्स को क्विंटन डी कॉक की शतकीय पारी के बावजूद 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा।

सेंट किट्स और नेविस पैट्रियट्स ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी थी। पहले बल्लेबाजी करते हुए बारबाडोस ट्राइडेंट्स ने विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक के शतक की बदौलत 4 विकेट पर 217 रन बनाए थे।

तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए डी कॉक ने 57 गेंदों पर 6 छक्कों और 11 चौकों की बदौलत 106 रन की पारी खेली। इसके अलावा, सलामी बल्लेबाज जैकरी कार्टर ने 36 गेंदों पर 57 रन बनाए। कार्टर ने अपनी पारी में 7 छक्के लगाए। शेफरन रदरफोर्ड ने 26 और कप्तान क्रिस ग्रीन ने 18 रन की पारी खेली।

सेंट किट्स और नेविस पैट्रियट्स के लिए नसीम शाह ने 2, कप्तान जेसन होल्डर और वानिंदु हसरंगा ने 1-1 विकेट लिए।

218 रन के लक्ष्य को हासिल करने उतरी बारबाडोस ट्राइडेंट्स ने विस्फोटक शुरुआत की। जॉनसन चार्ल्स और काइल मायर्स ने पहले विकेट के लिए 10.2 ओवर में 112 रन जोड़े। मायर्स के रन आउट होने से यह जोड़ी टूटी। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 27 गेंदों पर 29 रन बनाए। चार्ल्स ज्यादा आक्रामक रहे। इस विस्फोटक बल्लेबाज ने 45 गेंदों पर 7 छक्कों और 6 चौकों की मदद से 78 रन की पारी खेली।

तीसरे नंबर पर प्रमोट किए दासुन शनाका ने 22 गेंदों पर 2 छक्कों और 2 चौकों की मदद से 36 रन की पारी खेली। कप्तान जेसन होल्डर ने 11 गेंदों पर 18 रन बनाए। आंद्रे फ्लेचर ने 8 गेंदों पर 3 छक्कों की मदद से नाबाद 22 और वानिंदु हसरंगा ने 4 गेंदों पर 1 छक्का और 3 चौके की मदद से नाबाद 18 रन बनाकर टीम का स्कोर 19.1 ओवर में 4 विकेट पर 220 तक पहुंचाया और 5 गेंद पहले 6 विकेट से जीत दिला दी।

यूएस ओपन: कोको गॉफ और मीरा एंड्रीवा ने दूसरे राउंड में जगह बनाई

विश्व केसरी ■

न्यूयॉर्क। कोको गॉफ ने यूएस ओपन के दूसरे राउंड में जगह बना ली है। गॉफ ने जेनेप सोनमेज को 6-3, 6-4 से हराकर यूएस ओपन के दूसरे दौर में जगह बनाई। हाल में विंबलडन और टोरंटो में सेमीफाइनल में जगह बनाने वाली और सिनसिनाटी ओपन जीतने वाली कोको यूएस ओपन एकल के खिताब के प्रबल दावेदार के रूप में उतरी हैं।

गॉफ ने अपने पहले सर्विस गेम में दो ऐस और एक सर्विस विनर पोस्ट किया, अपने अगले दो सर्विस गेम में सर्व पर हावी रहीं, सोनमेज को 4-2 की बढ़त के लिए ब्रेक किया और 32 मिनट में शुरुआती सेट का दावा करने के लिए मजबूत पकड़ बनाए रखी।

सोनमेज ने दूसरे सेट में अपने खेल को बेहतर बनाया, गति बदलने के लिए नेट पर चार्ज किया और शुरुआती ब्रेक से रैली करके इसे दिलचस्प बना दिया। दुनिया की 53वें नंबर की खिलाड़ी ने तीन ब्रेक प्वाइंट बनाए, लेकिन गॉफ ने तीनों को बचा लिया, खेल के 16वें अंक पर कब्जा किया और तुरंत अपने प्रतिद्वंद्वी को ब्रेक करके 4-3 की बढ़त ले ली।

जीत के साथ, गॉफ ने टूर्नामेंट को दुनिया की नंबर 1 एकल खिलाड़ी के रूप में समाप्त करने का अपना मौका जीवित रखा है। उनका पिछला हाई नंबर 2 था, जो उन्होंने जून 2024 में हासिल किया था। अगर वह यह उपलब्धि हासिल कर लेती हैं, तो गॉफ एकल और डबल्स दोनों में दुनिया में नंबर 1 पर पहुंचने वाली पहली महिला होंगी।

गॉफ का अगला मुकाबला एक मार्की सेकंड-राउंडर है, जिसमें उनका सामना या तो पाउला बडोसा, जो पहले दुनिया की नंबर 2 और 2024 यूएस ओपन क्वार्टर फाइनलिस्ट थीं, या डारिया कसाटकिना, जो पहले दुनिया की नंबर 8 और 2022 फ्रेंच ओपन सेमीफाइनलिस्ट थीं, से होगा।

इससे पहले, नंबर 5 सीड मीरा एंड्रीवा ने फ्लशिंग मीडोज में अपने कैंपेन की शानदार शुरुआत की। उन्होंने दुनिया की नंबर 36 जेनिस त्जेन को 6-2 से हराया। 6-2 से हराकर, लगातार चौथे साल दूसरे राउंड में पहुंच गईं।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रींटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415